बिहार शिक्षा परियोजना परिषद

वार्षिक कार्ययोजना

1994 -1995

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद
वार्षिक कार्ययोजना 1994-95

	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1.	भूमिका	2-3
2.	प्राथमिक औपचारिक शिक्षा	4-18
3.	प्रशिक्षण	19-27
4.	प्राथमिक अनौपचारिक शिक्षा	28-36
5.	महिला समाख्या	37-48
6.	पूर्व बालपन की देखभाल और शिक्षा	49-50
7.	संचार, संस्कृति एवं जनचेतना शिक्षा	51-54
8.	माइक्रोप्रोजेक्ट	55-57
9.	लेखा	58-65
10.	प्रबन्धन	66-68
11.	बजट	69-85
12.	परिशिष्ट	86-127

-5412
379.15
BIH-B

BIHAR SURVEYS

GULZAR BAGH, PATNA-7

BEP DISTRICTS [NEW]

BEP DISTRICTS [OLD]

बिहार शिक्षा परियोजना 1994-95 में अपने संचालन के चौथे वर्ष में प्रवेश करेगा तथा गतिविधियों और क्षेत्रों के विस्तार की अदम्य आकांक्षा के साथ आगामी वर्ष में यह कार्यक्रम एक निर्णायक स्थिति में प्रवेश करेगा । लक्ष्यों के निर्धारण से पूर्व यह आवश्यक होगा कि उपलब्धियों का मूल्यांकन किया जाय ।

बिहार शिक्षा परियोजना के लिए वर्ष 93-94 इस अर्थ में महत्वपूर्ण था कि इसने परियोजना के अधिकारियों और कर्मचारियों के आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान किया और इसी वजह से इसे " सुदृढ़ीकरण का वर्ष " घोषित किया गया । लक्ष्य बोध में भी तथा विभिन्न एजेंसियों और टास्क फोर्स सदस्यों की भूमिका में भी स्पष्टता आई ।

बिहार शिक्षा परियोजना के अंतर्गत शामिल किये गये सात जिलों में प्रगति विषम थी तथा सम्पूर्णतः प्राथमिक शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, अनौपचारिक शिक्षा और महिला समाख्या को प्राथमिकता प्रदान की गई थी लेकिन वर्तमान वर्ष की समाप्ति पर यह स्पष्ट है कि निम्नलिखित संदर्भों में इन जिलों में एकरूपता भी रही है :

1. **लक्ष्यों की पहचान**
2. **लक्ष्यों** की **स्पष्टता**
3. **समान भावना**
4. **प्रतिबद्धता**
5. **उत्प्रेरण**

इसके साथ ही सभी जिलों में कार्यक्रम के क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत संतोषजनक है। एक बात निश्चित रूप से स्पष्ट है कि टास्कफोर्स के सदस्यों के मन में कार्यक्रम की सामाजिक उपलब्धि स्पष्टतर हुई है और वे सभी प्रकार की प्रतिबद्धता तथा उत्प्रेरण के साथ अब आगे बढ़ने के लिए दुविधा से मुक्त हैं। : जहां तक प्रबंधन की बात है यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

'डायट ' में प्रशिक्षण के बाद शिक्षकों में अवधारणात्मक तथा व्यवहारगत परिवर्तन स्पष्टतः परिलक्षित हो रहें हैं और कार्यक्रम के क्रियान्वयन में संलग्न लोगों में अपनी भूमिका की स्पष्ट धारणा से अपेक्षित लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि के अंतर को वर्ष 94-95 में अपेक्षाकृत कम किया जा सकेगा ।

परिणाम स्वरूप विशेष उपलब्धि समुदाय की सहभागिता तथा ग्राम शिक्षा समिति के सहयोग से कार्यक्रम की प्रभावकारी मोनेटरिंग पर बल दिया जा रहा है । समय-समय पर गुरूगोष्ठियों का संचालन तथा वातावरण निर्माण तथा मोनेटरिंग के लिए महिला समूहों की संलग्नता परिमाणात्मक उपलब्धि के उदाहरण हैं ।

NIEPA DC
D08264

प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में मुजफ्फरपुर में मुसहर तथा अनुसूचित जाति के अन्य संवर्गों के लिए प्राथमिक शिक्षा पद्धति का प्रयोग, राज्य में नामांकन अभियान के समांत अध्ययन के लिए स्वयंसेवी संगठनों की संलग्नता तथा बुनियादी विद्यालयों को सहयोग जैसी कुछ उल्लेखनीय गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं। बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के क्रम में सभी छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें तथा किटों का वितरण किया जा रहा है ।

प्राथमिक विद्यालयों को आधारभूत सुविधाएं प्रदान करने, से निरीक्षण कार्य के लिए ग्राम शिक्षा समिति की संलग्नता तथा विद्यालय की तमाम गतिविधियों में शिक्षकों के सहयोग से नामांकन में गुणात्मक परिवर्तन,छीजन में कमी, तथा शिक्षण के सारा न्यूनतम स्तर की संप्राप्ति में काफी सहयोग मिला है । अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में हुई है जहां स्वयंसेवी संगठनों ने औपचारिक शिक्षा पद्धति से वंचित बच्चों के बीच अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने का कार्य किया है ।

महिला समाख्या के प्रयासों के अंतर्गत नामांकन में वृद्धि, बच्चों का स्कूलों में रिटेन्शन, विभिन्न विकासात्मक योजनाओं में ग्रामीण महिलाओं की सजगता, समाज के वंचित वर्गों के सामाजिक शोषण के विरूद्ध संघर्ष की प्रवृति आदि के रूप में फल मिलना शुरू हो गया है, जो स्पष्टत:दर्शाता है कि यह कार्यक्रम सफल हुआ है। तथा आने वाले समय में इसे और सहयोग अपेक्षित है । महिला समाख्या कार्यक्रम कुछ चयनित स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा राज्य के अन्य स्थानों में भी कार्यान्वित किया जाता है। महिला समूहों के ' जागजगी ' केन्द्रों [illegible] की कार्रवाई, [illegible] वर्ष की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों में से है ।

1994-95 संभावनाएं -

1994-95 के दौरान एक बार फिर प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण पर बल दिया जायेगा और इसीलिए प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट में अधिक आवंटन किया जायेगा । लगभग उन सभी विद्यालयों को आधारभूत सुविधाएं प्रदान की जायेंगी जो इससे वंचित हैं, मिसाल के तौर पर सभी भवनहीन स्कूलों को मार्च 96 तक भवन उपलब्ध करा दिये जायेंगे ।

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
Aurobindo Marg,
110016 D-8264
05-10-94

रांची तथा सिंहभूम जिलों में 6 से 14 आयु वर्ग के सभी बच्चों का नामांकन किया जायेगा तथा 1994-95 के दौरान प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के सर्वव्यापीकरण के अंतर्गत अन्य जिलों में कम-से-कम एक प्रखंड में इसे 100% तक पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा । स्कूलों के शिक्षकों की जरूरतों को पूरा करने के क्रम में ' शिक्षादाता ' के रूप में उपयुक्त व्यक्तियों के चयन में समुदाय तथा स्वयंसेवी संगठनों को संलग्न करने का प्रयास किया जायेगा। तथा वर्तमान वर्ष में बुनियादी विद्यालयों को पुनर्जीवित करने की योजना, समुदाय को निगरानी की जिम्मेदारी देकर लागू की जायेगी ।

1994-95 के दौरान डायट को सुदृढ़ किया जायेगा तथा जिला के साथ-साथ प्रखंड स्तर तक सभी शिक्षकों को विज्ञान, भाषा तथा गणित के अल्पकालिक कोर्स में शामिल करने का प्रयास किया जायेगा । प्रत्येक जिलों में स्त्रोत व्यक्तियों के समूह के द्वारा प्रशिक्षण कोर्स की मोनेटरिंग तथा प्रशिक्षण के प्रभाव का अध्ययन किया जायेगा । चुने गये विषयों जैसे- विज्ञान, गणित आदि का अल्पकालिक प्रशिक्षण कोर्स प्रदान करने के लिए स्वयंसेवी संगठनों को कार्यक्रम में सम्मिलित किया जायेगा । प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कौशलों के निरन्तर विकास करने के प्रयास में एस.सी.ई.आर.टी. को शीर्ष विकास की भूमिका का निर्वाह करने के लिए सुदृढ़ किया जायेगा । ' शिक्षक सम्पर्क ' कार्यक्रम में मुख्य बल नियमित मासिक बैठकें करने पर होगा, जिसमें स्त्रोत व्यक्तियों/स्वयंसेवी संगठनों को संलग्न कर शैक्षिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया जायेगा और पूर्व निर्धारित विषयों में शिक्षकों के कौशलों का विकास किया जायेगा । बिहार शिक्षा परियोजना परिषद एक प्रयोग के रूप में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पटना के उपेक्षित एवं बेसहारा बच्चों के आर्थिक विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा स्वयंसेवी संगठनों के द्वारा कराने पर विचार कर रही है । आगामी वर्षों में इसका विस्तार बिहार के अन्य भागों में किया जा सकता है । बिहार शिक्षा परियोजना चयनित स्वयंसेवी संगठनों के प्रयासों में सहयोग कर विकलांग बच्चों को भी आच्छादित करने का विचार रखती है । चयनित संगठनों से परामर्श कर इस योजना की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जायेगी ।

परियोजना विस्तार :

वर्ष 1994-95 में वर्तमान सात जिलों के स्थान पर 14 जिलों तक परियोजना का विस्तार होगा । जिन नये जिलों को शामिल किया जायेगा उनमें पटना, [illegible], [illegible], गोपालगंज, [illegible], [illegible] एवं [illegible] सम्मिलित है ।

इसके अतिरिक्त बी.ई.पी.बिहार के गैर बी.ई.पी. जिलों में प्राथमिक शिक्षा का सर्वव्यापीकरण के क्रियान्वयन में उत्प्रेरक की भूमिका का निभायेगा । वर्ष 1994-95 के दौरान ' बालिकाओं तथा महिलाओं ' की शिक्षा पर बल दिया जायेगा । इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु महिला समूहों तथा स्वयंसेवी संगठनों के साथ बी.ई.पी. कर्मियों का संगठित प्रयास होगा ।

इस प्रकार बी.ई.पी. के लिए वर्ष 1994-95 ' बालिकाओं तथा महिलाओं की शिक्षा का वर्ष ' होगा ।

विश्व बैंक परियोजना के क्षेत्रों में पूर्व आयोजन में देखभाल तथा शिक्षा प्रदान में कल्याण विभाग, परियोजना पदाधिकारियों तथा बी.एस.पी.पी. के बीच पूर्ण सहयोग होगा तथा आई सी डी एस की योजना का ग्राम शिक्षा समिति तथा महिला समूह द्वारा पर्यवेक्षण एवं मानेटरिंग किया जायेगा।

गैर बी.ई.पी. क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण तथा महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के क्रम में स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से और अधिक सूक्ष्म परियोजनाएं शुरू की जायेगी । नये जिलों के लिए कोई प्रमुख गतिविधि शुरू करने के पहले प्रभावकारी ग्राम शिक्षा समिति के गठन पर बल दिया जायेगा तथा भवन निर्माण को निम्न प्राथमिकता दी जायेगी । नये जिलों में सुदृढ़ प्रबंधन-टीम का निर्माण पहला कार्य होगा और अन्य प्रकार की गतिविधियों के विस्तार पर इसके बाद ही विचार किया जायेगा । कार्यक्रम में निरंतर तथा सामयिक विकास को मद्देनजर रखते हुए प्रबंधन / अंकेक्षण / तथा वित्तीय अंकेक्षण / की तरह चर्यानित क्षेत्रों / संघटकों / गतिविधियों का मानिटरिंग तथा मूल्यांकन प्रमुख संस्थानों जैसे आई आई एम कलकत्ता, एक्स एल आर आई जमशेदपुर आदि के सहयोग से कराया जायेगा ।

' पंचायती राज ' पद्धति की प्रस्तावित शुरूआत होने पर सीमित परिसम्पत्तियों के बेहतर उपयोग के द्वारा तथा कार्यान्वित करने वाले तंत्र की क्षमता और प्रभावोत्पादकता को बढ़ा कर ग्रामीण विकास प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने में ग्राम शिक्षा समिति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और इस कार्य के लिए ग्राम शिक्षा समिति को बी ई पी द्वारा प्रशिक्षण तथा दिशा निर्देश दिया जायेगा तथा चर्यानित स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी ।

अतः यह कहा जा सकता है कि बिहार में इस पूरे कार्यक्रम के लिए आगामी वर्ष प्रभाव सूचक होगा और इसलिए यह अवधि निर्णायक होगी । इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई जगहों में अन्य समान कार्यक्रमों के लिए बी ई पी एक मानदंड साबित होगा ।

000000

प्राथमिक औपचारिक शिक्षा ।

अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा हमारा संवैधानिक दायित्व है और बिहार शिक्षा परियोजना इसे अपने अस्तित्व की चुनौती मानते हुए पिछले दो बर्षो में इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में संघर्षरत है । संभवतः इसी अनिवार्यता एवं गुरूत्तर दायित्व के फलस्वरूप बिहार शिक्षा परियोजना ने प्राथमिक औपचारिक शिक्षा तथा प्राथमिक अनोपचारिक शिक्षा प्रभाग को अपनी योजना में अलगअलग स्थान देते हुए भी इन्हें पारस्परिक समन्वय की मजबूत कड़ी में कसने का काम किया है ।

बिहार शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत यह प्रभाग प्रथमतः समुदाय का विद्यालय से लगाव बढ़े, इस बात की ओर प्रयत्नशील है । इसके लिए विद्यालयीय क्रियाकलापों में लोक भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है । जन सहयोग की प्रतिनिधि संस्था के रूप में ग्राम शिक्षा समिति का गठन किया जा रहा है । साथ ही समिति के सदस्य अपने दायित्वों का निर्बहन सही ढंग से कर सके, इसके लिए उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है । प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु स्कूल मानचित्रण एवं बेंचमार्क सर्वेक्षण की मदद से जिला स्तरीय एवं ग्राम स्तरीय सूक्ष्म योजना तैयार की जा रही है । सर्वव्यापी उपलब्धि की दिशा में 'न्यूनतम अधिगम स्तर' की कार्य योजना तैयार कर समयबद्ध रूप से कार्यान्वियन तथा मूल्यांकन की व्यवस्था की गई है । संक्षेप में हम कह सकते हैं कि परियोजना के इस प्रभाग के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण के तीनों पहलूओं सर्वव्यापी पहुँच, सर्वव्यापी भागीदारी, सर्वव्यापी उपलब्धि से संबंधित कार्यकलापों को अपनाकर उसके कार्यान्वयन की ठोस प्रक्रिया अपनाई गई है ।

बिहार राज्य की प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था में प्राथमिक औपचारिक शिक्षा का और विशेष [illegible] । यह इस बात से स्पष्ट है कि राज्य के 50 जिलों में कुल सरकारी प्रारंभिक [illegible] की संख्या 65 हजार है और परियोजना के सात जिलों के 95 प्रखंडों में कुल सरकारी [illegible] विद्यालयों की संख्या [illegible] है । राज्य सरकार द्वारा मानव संसाधन विभाग के बजट प्रावधान में अधिक राशि प्राथमिक शिक्षा के लिए कर्णांकित की गई है । वर्ष 195152 से लेकर अष्टम योजना तक के बजट आँकड़े से भी स्पष्ट है कि प्राथमिक शिक्षा प्रक्षेत्र का योजना व्यय का प्रावधान मानव संसाधन विकास विभाग के कुल बजट के 70 प्रतिशत से भी अधिक रहा है ।

कार्यशैली की विशिष्टता

बिहार शिक्षा परियोजना ने अपने कार्यक्रमों के कार्यान्वयन करने हेतु पारम्परिक [illegible] कुछ विशिष्ट कार्य-शैली को अपनाया है । वे निम्नलिखित हैं :-

1- सभी विद्यालयीय क्रिया-कलापों में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ।

2- ग्राम शिक्षा समिति को गठित/पुर्नगठित कर इसे सक्रिय बनाया जा रहा है । समिति के सदस्यों को प्रशिक्षित करने हेतु 'प्रशिक्षण पाठ्यक्रम' विकसित किया गया है तथा सदस्यों का प्रशिक्षण जारी है ।

3- कार्यक्रमों की परिधि में आनेवाले विद्यालयों के चयन की ठोस प्रक्रिया अपनाई गई है ।

4- प्रारंभिक विद्यालयों के सशक्तिकरण में प्राथमिक विद्यालयों को प्राथमिकता दी जा रही है ।

5- प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक पक्ष पर विशेष जोर दिया जा रहा है और इसके अन्तर्गत ' न्यूनतम अधिगम स्तर' की कार्य-योजना एवं समयबद्ध कार्यक्रम अलग से तैयार किया गया है ।

6- प्राथमिक औपचारिक शिक्षा प्रभाग से जुड़े सभी क्रिया-कलापों के सम्बन्ध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिया गया है ।

7- औपचारिक शिक्षा प्रभाग से संबंधित कार्य-योजना की तैयारी एवं कार्यान्वयन में शिक्षा विभाग के निदेशालय से लेकर प्रखंड कार्यालय तक के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित किया जा रहा है ।

8- शिक्षा विभाग के राज्य स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक के सभी पदाधिकारियों का समय-समय पर उन्नमुखीकरण किया जा रहा है ताकि परियोजना के कार्यक्रमों में उनका सक्रिय सहयोग मिल सके ।

9- ' शिक्षक प्रथम ' के सिद्धान्त को मानते हुए गहन प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों को मानसिक तौर पर नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जा रहा है ।

10- शिक्षक संघ के सहयोग को प्राप्त करने हेतु राज्य एवं जिला स्तर पर शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों को कार्यकारिणी समिति में प्रतिनिधित्व दिया गया है । साथ ही विभिन्न स्तरों पर शिक्षक प्रतिनिधियों का सम्मेलन किया जा रहा है ।

11- विद्यालय को आकर्षण का केन्द्र बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के'विद्यालय आधारित ' कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ।

12- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति , अभिवंचित वर्ग के बालक एवं विशेषकर बालिकाओं को विद्यालय में लाने एवं उन्हें ठहराने हेतु कई कार्यक्रम अपनाए गए हैं ।

13- समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्वैच्छिक एजेन्सियों को जोड़ा जाता है ।

14- विभिन्न कार्यक्रमों में महिला समूह की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है ।

15- स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा मूल्यांकन (नामांकन अभियान) की व्यवस्था ।

प्रारंभिक स्थिति, लक्ष्य एवं उपलब्धि

परियोजना का प्रारंभिक चरण काफी अध्ययनपरक एवं विश्लेषणात्मक रहा । [illegible] जिलों में आँकड़ों का संकलन किया गया एवं कमजोर बिन्दुओं की पहचान की गई । रणनी[illegible] [illegible] किया गया तथा [illegible] कार्यान्वयन का कार्य प्रारंभ हुआ । किन्तु इस सारी तैयारी की प्रक्रिया में प्रारंभिक वर्षों का अधिकाँश समय निकल गया और यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वर्ष 1993-94 के दौरान प्राथमिक औपचारिक शिक्षा क्षेत्र में एक लम्बी छलाँग लगायी गई । यदि वर्ष 1991-92 की स्थिति की तुलना वर्ष 1993-94 की स्थिति से की जायेगी तो बिहार शिक्षा परियोजना के हस्तक्षेप से वर्ष 1993-94 में भौतिक एवं गुणात्मक दोनों क्षेत्रों में संतोषजनक प्रगति दृष्टिगोचर होगी ।

तुलनात्मक प्रगति - एक नजर में

क्रियाकलाप	वर्ष 1991-92 (स्थिति)	वर्ष 1993-94 (स्थिति)
1- नामांकन	13.34 (लाख)	18.52(लाख)
2- भवनहीन विद्यालय	1538	भवन निर्माण प्रारम्भ - 438 भवन निर्माण पूर्ण - 243
3- सेवाकालीन प्रशिक्षित शिक्षक	172	4090
4- निःशुल्क शिक्षण किट पानेवाले बच्चों की संख्या	शून्य	8.78 लाख
5- प्रशिक्षित एवं कार्यरत ग्राम शिक्षा समिति		4236

तुलनात्मक रूप से सम्पूर्ण उपलब्धि रेखा को हम निम्नांकित खंडों में [illegible] सकते हैं :-

(क) लोक भागीदारी

(ख) गुणात्मक विकास

(ग) भौतिक सफलता

[illegible] की शैक्षिक [illegible]

डी.पी.ई.पी. जिलों का नाम	साक्षरता प्रतिशत (1991) पुरुष	महिला	(0-6) आयुवर्ग के बच्चों की सं0 पुरुष	महिला	[illegible]	[illegible]	नामांकन (30-9-93) बालक	बालिका	प्राथमिक विद्यालयों की सं0	मध्य विद्यालयों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
प्रथम चरण											
राँची	65.12	36.57	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]980	168816	124004	1442	463	6793
रोहतास	61.50	27.03	315793	[illegible]	[illegible]	[illegible]5101	196769	116789	1200	320	4762
				(समूह [illegible])							
पश्चिम चंपारण	39.62	14.41	243023	[illegible]	[illegible]	221325	228794	74232	1362	259	6060
द्वितीय चरण											
मुज्जफरपुर	48.44	22.33	306070	28858	[illegible]7517	280148	495960	269858	1536	438	7132
सीतामढ़ी	39.30	15.3	250154	2313[illegible]	[illegible]	226809	189593	89335	1237	305	6714
पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)	71.18	48.52	129905	1245[illegible]	167931	152985	114551	90554	938	231	3693
चतरा (पुराना जिला हजारीबाग)	53.37	21.24	309887	305154	84539	77070	47262	23798	507	102	1389

गुणात्मक विकास

सार्वव्यापी भागीदारी -

1- नामांकन - 6-14 आयुवर्ग के बच्चों के नामांकन का विशेष अभियान चलाया गया । बालपंजी का संधारण कर लक्ष्य की पहचान की गई । इस विशेष नामांकन अभियान के फलस्वरूप वर्ष 1993 में बिहार शिक्षा परियोजना जिलों में गत वर्ष की तुलना में नामांकन में आशानुकुल वृद्धि हुई । खासकर बालिकाओं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बालक-बालिकाओं के नामांकन में काफी सफलता मिली है ।

ENROLMENT IN B. E. P. DISTRICTS

Year	RNC	RHT	W.C.	MUZ.	STM.	USR.	CTA.
1991	224314	152608	200561	345618	218605	138015	54632
1992	248062	282459	237830	342729	235038	173804	64585
1993	292820	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
TREND (in percent)							
92/91	11	85	19	-1	8	26	18
93/92	18	11	27	12	21	18	10

(क) लोक भागीदारी :-

' विद्यालय समुदाय का समुदाय के द्वारा और समुदाय के लिए' इसी मान्यता को लेकर बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा जहाँ एक ओर वातावरण निर्माण के क्रम में जन-चेतना पैदा की जा रही है वहीं दूसरी ओर सभी विद्यालयीय क्रिया-कलापों में समुदाय का सहयोग एवं भागीदारी ली जा रही है । ज्ञातव्य हो कि पूर्व के कुछ वर्षों में समुदाय विद्यालय के प्रति उदासीन हो गया है । समुदाय की भागीदारी कई रूपों में हो रही है । उदाहरण के तौर पर विद्यालय भवन निर्माण में श्रम, सामग्री और नगद राशि तीनों का सहयोग प्राप्त हो रहा है । निःशुल्क शिक्षण कीट वितरण, बाल-मेला, प्रभातफेरी, खेल-कूद एवं अन्य प्रतियोगिता के आयोजन आदि सभी कार्यक्रमों में समुदाय हिस्सा ले रहा है । समुदाय के प्रतिनिधि संस्था के रूप में ग्राम शिक्षा समिति का गठन/पुर्नगठन किया जा रहा है । समिति में एक तिहाई से अधिक महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गई है । साथ ही समिति के सदस्यों को प्रशिक्षित किया जा रहा है । समिति की बैठक के सम्बन्ध में ठोस अनुश्रवण प्रक्रिया विकसित की गई है । समुदाय की इस भागीदारी के कारण विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का नामांकन बढ़ा है, शिक्षकों की उपस्थिति नियमित हो गयी है , विद्यालय भवन निर्माण की गुणवत्ता निर्धारित मापदंड की हो रही है, विद्यालय के साज-समानों की सुरक्षा की गारन्टी बढ़ी है, विद्यालय एवं छात्र-छात्राओं को मिलनेवाली सामग्री सही रूप से मिल रही है । कुल मिलाकर समुदाय का विद्यालय से लगाव बढ़ा है जिसमें कि पिछले कुछ वर्षों में [illegible]

MASS AWARENESS

PEOPLE'S PARTICIPATION

VILLAGE EDUCATION COMMITTEE

VEC STATUS (31.12.1993)

Details	RNC	ROH	W.C.	MUZ.	STM.	JSR.	CHT	TOTAL
1. No.of VEC set up	1476	277	219	1499	640	58	68	4236
2. No.of VEC covered under Training.	171	5	49	4	276	27	10	542
3. Members of VEC trained.	314	88	49	40	1111	366	150	2139

बालिकाओं के नामांकन पर बल

[illegible] शिक्षा परियोजना द्वारा बालिकाओं के नामांकन पर [illegible] है । विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अभिवंचित वर्ग के [illegible] तुलनात्मक स्थिति निम्नवत् है :-

DISTRICT	YEAR	S.C. GIRLS	S.T. GIRLS
JSR	1992	4794	20867
	1993	6811	25483
	% Increase	42	22
SITAMARHI	1992	7343	
	1993	12091	
	% Increase	65	
RANCHI	1992	5167	39267
	1993	7662	58118
	% Increase	48	48
W.C.	1992	6543	574
	1993	12676	3553
	% Increase	94	519
ROHTAS	1992	10860	446
	1993	13997	502
	% Increase	29	13
MUZAFFARPUR	1992	20921	
	1993	24452	
	% Increase	17	
CHATRA	1992	459	4725
	1993	625	5020
	% Increase	36	6

2. **रिटेन्सन**

प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का दूरारा महत्वपूर्ण पहलू है, नामांकित बच्चों का रिटेन्सन । विहार राज्य में बर्ग-। से बर्ग-5 तक छीजन लगभग 65 प्रतिशत है । इसलिए परियोजना [illegible] ध्यान रखा जा रहा है कि छीजन की दर में कमी हो । इसके लिए कई कार्यक्रम [illegible], जिनमें मुख्य निम्नवत् हैं :-

बिहार शिक्षा परियोजना के द्वारा निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के वितरण के फलस्वरूप एक ओर जहाँ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अभिबंचित बर्ग के बच्चों के नामांकन में बृद्धि हुई है बहीं दूसरी ओर इसका प्रभाव रिटेन्सन पर पड़ा है । निःशुल्क शिक्षण कीट सेटों के प्रभाव की अद्यतन प्रतिवेदन अलग से समय-समय पर उपस्थापित किया जायेगा ।

निःशुल्क शिक्षण कीट (वितरण लक्ष्य)

क्रम सं0	जिला का नाम	बर्ग-।	बर्ग-2	बर्ग-3	बर्ग-4	बर्ग-5	योग
1-	राँची	61212	36105	25615	19921	16867	159720
2-	रोहतास	45369	21661	18512	14299	12619	112460
3-	प0 चंपारण	42626	27393	21100	16065	11842	119025
4-	मुज्जफरपुर	70097	39397	22481	18253	14861	165089
5-	सीतामढ़ी	48180	21107	14396	11198	9882	104763
6-	जमशेदपुर	53217	33914	22790	18207	15319	143447
7-	चतरा	31407	18395	10404	7894	5595	73695
		352108	197972	135298	105836	86985	878199

(अंकित संख्या वर्गवार निःशुल्क वितरण किए जा रहे पुस्तक सेटों की है)

(ख) सभी परियोजना जिलों में बर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे - बाद-विवाद पोस्टर एवं चित्रांकन प्रतियोगिता,खेलकूद प्रतियोगिता आदि । इसके अलावे विभिन्न विद्यालयों में बाल - मेला का आयोजन किया गया तथा वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाया गया । छात्र - छात्राओं को पुरस्कृत किया गया । उपर्युक्त सभी प्रकार के विद्यालय आधारित कार्यक्रमों के कारण विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ी है तथा विद्यालय आकर्षण का केन्द्र बनने लगा है (अनुलग्नक - 2 दृष्टव्य) ।

(ग) <u>शिक्षक पुरस्कार</u>

शिक्षकों का सम्मान बढ़ाने एवं उन्हें अपने कार्यो के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए परियोजना द्वारा हर बर्ष कुछ शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुरस्कृत करने की योजना बनाई गई है । 31 दिसम्बर, 1993 तक परियोजना जिलों के 104 शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया है ।

<u>भौतिक सबलता</u>

बिहार राज्य में विद्यालयों की भौतिक दशा बहुत ही खराब [illegible] । [illegible] से प्राप्त आँकड़ा के अनुसार बर्ष 1991 में पूरे राज्य में 8544 प्राथमिक विद्यालय [illegible] परियोजना जिलों में भवनहीन प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 1538 थी । भवन के साथ-साथ अन्य बुनियादी सुविधाएँ , यथा, शौचालय, पेयजल आदि का अभाव है । इसी प्रकार अधिकतर विद्यालयों में पठन-पाठन की सामग्री , उपस्कर, खेल- कूद सामग्री की नितान्त कमी है । उपर्युक्त कमियों को देखते हुए परियोजना की बर्ष 1993-94 की कार्य- योजना के अन्तर्गत इस पर विशेष ध्यान दिया गया है । जिलावार Interventions की जानेवाली विद्यालयों की संख्या निर्धारित की गई और उसके चयन और उनमें सामग्रियों के वितरण की ठोस प्रक्रिया अपनाई गई ।

क्षेत्र	बिहार की स्थिति	बी.ई.पी. जिलों की स्थिति
1- विद्यालय	8944 +6185 प्रतिशत	- 1538
2- एक पक्का कमरा वाले विद्यालयों की संख्या	8791	927
3- दो पक्का कमरों वाले विद्यालयों की संख्या	19711	3386
4- मरम्मती योग्य विद्यालयों की सं0	13268	2953
5- शौचालय वाले प्रारंभिक विद्यालयों की संख्या	2216	500
6- पेयजल सुविधा वाले विद्यालयों की संख्या	19800	1387
7- विद्यालयों की संख्या जिसके पास खेल-कूद का मैदान है -	15613	3029
8- विद्यालयों की संख्या जिसके पास बगीचा है -	2310	563

जिलावार Interventions किए जानेवाले विद्यालयों की संख्या

1- राँची	480
2- रोहतास	500
3- पश्चिम चंपारण	450
4- मुज्जफ्फरपुर	700
5- सीतामढ़ी	640
6- पूर्वी सिंहभूम(जमशेदपुर)	500
7- चतरा	50

विद्यालय चयन की प्रक्रिया

1- सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 'लगातार एवं निकटवर्ती क्षेत्र' में अवस्थित विद्यालयों का चयन किया जाता है ।

2- सर्वप्रथम उन विद्यालयों का चयन किया जाता है जहाँ ' न्यूनतम अधिगम स्तर' की कार्य-योजना लागू की गई है ।

3- जिन क्षेत्रों में बिहार शिक्षा परियोजना के अन्य कार्यक्रम चल रहे हों, उन क्षेत्रों के विद्यालयों का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है ।

4- भवन-युक्त विद्यालयों में ही सामग्री दी जाती है ।

5- जिन विद्यालयों में 'ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड' योजना के अन्तर्गत सामग्रियों की [illegible] वर्ष की जाती है, उन विद्यालयों में बिहार शिक्षा परियोजना के द्वारा [illegible] नहीं की जायगी ।

वितरण प्रक्रिया :

1- सामग्रियों की आपूर्ति जिला परियोजना कार्यालय द्वारा सीधे ग्राम शिक्षा समिति को की जाती है ।

2- सामग्री प्राप्ति की तिथि की सूचना निर्धारित तिथि से एक सप्ताह पूर्व ग्राम शिक्षा समिति एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को दी जाती है ।

3- वितरण हेतु क्षेत्र के कुछ मध्य/प्राथमिक विद्यालयों को केन्द्र बनाया जा सकता है ।

4- सामग्रियों की प्राप्ति सूची तीन प्रतियों में तैयार की जाती है जिस पर ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों एवं संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर होता है । सूची की एक प्रति विद्यालय में रखी जाती है तथा दो प्रतियाँ परियोजना के जिला कार्यालय में भेज दी जाती है ।

5- इन सामग्रियों से संबंधित भंडार पंजी का संधारण विद्यालय में भी किया जाता है ।

6- सामग्रियों का सही उपयोग, रख-रखाव तथ सुरक्षा की जबावदेही संयुक्त रूप से ग्राम शिक्षा समिति एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा शिक्षकों की होती है ।

7- दैनिक उपभोग से नष्ट होनेवाली सामग्रियों की आपूर्ति की व्यवस्था ग्राम शिक्षा समिति द्वारा की जाती है

.........13/

8. विद्यालयों में इन सामग्रियों की आपूर्ति के पूर्व आलमारी अथवा बक्से की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली जाती है ।

9. सम्पूर्ण वितरण व्यवस्था की मोनिटरींग बिहार शिक्षा परियोजना के जिला कार्यालय द्वारा की जाती है ।

बुनियादी सुविधाएं

विद्यालय भवन निर्माण के साथ ही 197 विद्यालयों में शौचालय की सुविधा एवं 315 विद्यालयों में पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है ।

भवन निर्माण स्थिति

	मुज0	राँची	रोहतास	पश्चिम चंपारण	सीतामढ़ी	जमशेदपुर	चतरा
1- मार्च 1991 में भवनहीन प्राथमिक विद्यालय	389	136	190	214	334	127	148
	84	41	27	61	194	17	11
3- दिसम्बर 1993 तक भवन निर्माण पूर्ण हुए विद्यालयों की संख्या	61	22	4	49	93	13	1

भवन निर्माण प्रक्रिया की विशेषता

1- सर्वप्रथम भवनहीन प्राथमिक विद्यालय का भवन निर्माण ।

2- मानक डिजाईन के साथ नवाचार का समावेश ।

3- लोक भागीदारी आवश्यक

4- जिलों में भवन निर्माण सेल के द्वारा अनुश्रवण ।

5- समय-समय पर राज्य स्तर से विशेषज्ञों द्वारा पर्यवेक्षण एवं निर्देशन की व्यवस्था ।

6- ग्राम शिक्षा समिति के द्वारा भवन निर्माण का कार्य तथा उसकी देखभाल ।

मुख्य क्रियाकलाप

31-12-1993 तक का लक्ष्य एवं उपलब्धि

	क्रियाकलाप का नाम	लक्ष्य	उपलब्धि
1-	कार्यशाला	38	47
2-	शिक्षक संघ के साथ सम्मेलन	28	17
3-	नामांकन अभियान के लिए बैठक/कार्यशाला	125	55
4-	ग्राम शिक्षा समिति का गठ	1870	4236
5-	विज्ञान और गणित शिक्षण के लिए शिक्षकों का उन्नमुखीकरण चर्चा	20	77
6-	विद्यालय भवन निर्माण	418	253
7-	शौचालय	828	197
8-	पेयजल	2488	315
9-	शिक्षक पुरस्कार	162	164

धीमी प्रगति के क्षेत्र एवं कारण

1- विद्यालयीय संसाधन

वर्ष 1993 [illegible] के लिए चयनित विद्यालयों में अभी तक [illegible] बालवृन्द सामग्री, लाईब्रेरी बुक्स, उपकरण एवं ब्लैकबोर्ड आदि की आपूर्ति नहीं [illegible] तक आपूर्ति की जा सकेगी । आपूर्ति में विलम्ब होने के कई कारण थे :-

(क) सामग्रियों के चयन तथा जिला कार्यकारिणी समिति द्वारा निर्णय लेने एवं क्रय समिति द्वारा क्रय की प्रक्रिया में समय का लगना ।

(ख) सामग्रियों की आपूर्ति में प्रक्रियाजन्य विलम्ब ।

2- प्राकृतिक प्रकोप

सीतामढ़ी जिला में बाढ़ के भीषण प्रकोप के कारण परियोजना का कार्य लगभग तीन माह तक शिथिल पड़ गया । मुज्जफ्फरपुर जिला का भी कुछ क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित रहा ।

3- प्रबन्धन व्यवस्था

कई जिलों - यथा, मुज्जफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं रोहतास में प्राथमिक औपचारिक शिक्षा प्रक्षेत्र के अन्तर्गत रिर्सोस पर्सन की कमी है ।

उठाए गए कदम

1- सिद्धान्त रूप में सामग्रियों की आपूर्ति यूनिसेफ द्वारा कराया जाना है । वर्तमान वर्ष में आपूर्ति में विलम्ब नहीं हो इस कारण जिलों को प्राधिकृत कर दिया गया है ।

2- बाढ़ से प्रभावित होनेवाले जिलों को वार्षिक योजना निर्माण एवं कार्य रणनीति के अन्तर्गत बाढ़ क्षेत्र को ध्यान में रख योजना निर्माण एवं कार्यान्वयन का सुझाव दिया गया है ।

3- सभी परियोजना जिलों में एम0 एल0 एल0 की कार्य-योजना को सही ढंग से संचालित करने हेतु एक रिर्सोस पर्सन को प्रभारी बनाए जाने का निर्देश दिया गया है । तद्नुसार सभी जिलों के द्वारा कार्रवाई की गई है । आवश्यकतानुसार अतिरिक्त रिर्सोस पर्सन रखने के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्रवाई करने का सुझाव दिया गया है ।

जिलाबार खासियत एवं खामियाँ

राँची

खासियतें

1 - एम0 एल0 एल0 कार्य योजना सही ढंग से लागू की जा रही है ।

2 - शिक्षक संघ का पूर्ण सहयोग मिल रहा है ।

3 - शिक्षा विभाग के साथ पूर्ण समन्वय से परियोजना का कार्यक्रम आगे बढ़ाया जा रहा है।

4 - कम्पयूटरीकृत आँकड़ों के आधार पर विशलेषण का कार्य किया जा रहा है ।

5 - अन्य कार्यक्रमों के साथ समन्वय

खामियाँ

1 - लोक भागीदारी एवं ग्राम शिक्षा समिति को कुछ क्षेत्रों में और अधिक सक्रिय किया जाना है ।

2 - पूर्व बालपन की देखभाल एवं शिक्षा तथा अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के साथ औपचारिक क्षेत्र के समन्वय को और मजबूत किया जाना है ।

रोहतास

खासियतें

1 - अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम एवं महिला समाख्या कार्यक्रम से औपचारिक शिक्षा को विशेष बल मिल रहा है ।

खामियाँ

1 - [illegible]

पश्चिम चंपारण

खासियतें

1 - एम0 एल0 एल0 का कार्यक्रम सही ढंग से संचालित किया जा रहा है ।

2 - शिक्षा विभाग के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित किया गया है जिससे कार्यक्रम को बल मिल रहा है ।

3 - कुछ क्षेत्रों में लोक भागीदारी सक्रिय है ।

खामियाँ

1 - भवन निर्माण की प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है । गुणवत्ता में वृद्धि की जानी है ।

2 - ग्राम शिक्षा समिति को अधिक सक्रिय बनाने हेतु उनके सदस्यों को अधिक संख्या में प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है ।

- शिक्षक संघ एवं शिक्षा विभागीय पदाधिकारियों का पूर्ण सहयोग सभी स्तरों पर मिल रहा है ।
- पुर्नगठित ग्राम शिक्षा समिति सक्रिय रूप से परियोजना के कार्यक्रम में भाग ले रही है।
- लोक भागीदारी के कारण विद्यालय भवन निर्माण की गुणवत्ता अच्छी है ।
- प्राथमिक शिक्षा के कई आँकड़ों को कम्प्यूटरीकरण किया गया है ।

1- जिला स्तर पर रिर्सोस पर्सन की कमी है।
2- ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों के प्रशिक्षण पर बल दिया जाना है ।
3- कुछ कार्यक्रमों के संचालन की प्रक्रिया में विलम्ब को कम किया जाना है ।

- ग्राम शिक्षा समिति सक्रिय है ।
- जिला विभाग के साथ साथ सभी विभागों के साथ तालमेल रखा गया है ।
- जिला कार्यकारिणी के सदस्य परियोजना के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से संलग्न है ।

1- जिला स्तरीय प्रबन्धन संरचना को मजबूत किया जाना है ।
2- सभी प्रखंडों के कलक्टर में विद्यालयों के चयन के फलस्वरूप अनुश्रवण की प्रक्रिया में विलम्ब को कम किया जाना है ।

- जिला स्तर से ग्राम स्तर तक कार्यक्रम संचालन में काफी समन्वय है ।

1- ग्राम शिक्षा समिति के गठन एवं प्रशिक्षण की प्रक्रिया में तेजी लानी है ।
2- शिक्षा विभाग एवं शिक्षक संघ का और अधिक सहयोग लिया जाना है ।

- सक्रिय लोक भागीदारी
- ग्राम शिक्षा समिति सभी कार्यों में संलग्न ।
- पूर्ण प्रशासनिक सहयोग ।

1- रिर्सोस पर्सन की आवश्यकता
2- शिक्षा विभाग एवं शिक्षक संघ का और अधिक भागीदारी ली जानी है ।

कार्य-योजना - 1994-97 (प्रोजेक्शन)

प्राथमिक औपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत वर्ष 1993-94 की स्थिति के आधार पर वर्ष 1996-97 तक का लक्ष्य और कार्य-नीति की संभावी रूप-रेखा ऑकी जा सकती है । इसके लिए कुछ क्षेत्रों में बास्तविक एवं कुछ अन्य क्षेत्रों में अनुमानित ऑकड़ों को आधार माना जा सकता है । प्राथमिक औपचारिक शिक्षा क्षेत्र में मूलतः निम्नांकित बिन्दुओं को आधार मानकर कार्य-नीति तैयार की जानी है ।

1- ग्राम शिक्षा समिति का गठन एवं सदस्यों का प्रशिक्षण ।

2- बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन एवं भागीदारी

3- विद्यालयों के लिए बुनियादी भौतिक सुविधाएं-

  (क) भवन निर्माण

  (ख) [illegible]

  (ग) [illegible]

  (घ) [illegible]

4- न्यूनतम अधिगम स्तर की [illegible]

5- विद्यालयों को अन्य साम्रिग्रियों की आपूर्ति-

  (क) निःशुल्क शिक्षण किट

  (ख) इनोवेटिव स्कूल सामग्री

  (ग) खेल-कूद सामग्री

  (घ) पुस्तकालय की स्थापना

  (ड़) उपस्कर

6- विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम -

7- सभी कार्यक्रमों के लिए कार्यशाला/बैठक, वातावरण निर्माण, विद्यालय आधारित कार्यक्रम एवं अन्य पूरक कार्यक्रम ।

परियोजना जिलों की जनसंख्या तथा (6-14) आयुवर्ग के बच्चों की अनुमानित संख्या

7 परियोजना जिलों के लिए (6- 14) आयुवर्ग के बच्चों की संख्या का प्रोजेक्शन ...पर किया गया है । इन सभी बच्चों को वर्ष 1996-97 तक औपचारिक अथवा अनौपचारिक शिक्षा क्षेत्र ...र्गत आच्छादित करने का लक्ष्य है । राँची एवं जमशेदपुर जिला में इस लक्ष्य को 1994-95 के अन्तर्गत ही ... करने की योजना बनायी गई है । शेष जिलों में वर्ष 1994-95 के दौरान कुछ प्रखंडों को पूर्ण रूप से ...दित किया जायेगा । किन्तु वर्ष 1996-97 तक (6-14) आयुवर्ग के सभी बच्चों को औपचारिक विद्यालय ...नौपचारिक केन्द्रों में लाया जायेगा ।

... PROJECT COUNCIL
... SHASTRINAGAR
...

File ...
Date of printing : ...-1994

YEAR	RNC	RHTS	W.C.	MUZ	SITA	JSR	CHATRA	TOTAL
1991 (Pop)	2214040	1900605	2333666	2953903	2391495	1613080	812634	14219519
1993 (Pop)	2310205	1990169	2443535	3092973	2504007	1689032	850893	14880974
(06-14)	440474	378132	464272	587665	475776	320916	161670	2828905
BOYS	230494	197871	242947	307517	248967	167931	84599	1480327
GIRLS	209980	180261	221325	280148	226809	152985	77070	1348578
1994	2372058	2037018	2501056	3165781	2563033	1728792	870923	15239460
(06-14)	450843	387033	475201	601498	486976	328470	165475	2895497
BOYS	235920	202529	248666	314756	254028	171884	86591	1515174
GIRLS	214923	184504	226535	286743	232148	156586	78884	1380323
1995	2428715	2084969	2559931	3240304	2623367	1769488	891424	15598197
(06-14)	461456	396144	486307	615658	498440	336203	169371	2963657
BOYS	241473	207297	254520	322165	260827	175930	88629	1550841
GIRLS	219982	188847	231067	293493	237613	160272	80741	1412816
1996	2485007	2134049	2620191	3316501	2685121	1811142	912480	15965379
(06-14)	472310	405469	497836	630150	510173	344117	173358	3033422
BOYS	247158	212177	260511	329749	266966	180072	90716	1587340
GIRLS	225161	193293	237325	300401	243206	164045	82642	1446074

* YEARLY GROWTH RATE => 2.354 %

* 06-14 AGE GROUP IS 19 % OF TOTAL POPULATION

ग्राम शिक्षा समिति

परियोजना जिलों में लोक भागीदारी को सुनिश्चित करने हेतु ग्राम शिक्षा समिति का गठन/पुर्नगठन किया जा रहा है । परियोजना के कार्यो को सुचारू रूप से चलाने हेतु आवश्यक है कि इन समितियों का गठन एवं उनके सदस्यों का प्रशिक्षण शीध्र पुरा कर लिया जाये । बर्ष 1993-1994 के दौरान यह कार्य व्यापक रूप से चल रहा है और बर्ष 1994-95 तक इसे पूरा कर लिया जाना है । चूँकि प्रत्येक विद्यालय के लिए एक समिति गठित की जा रही है, इसलिए बर्ष 1993-94 एवं 1994-95 के दौरान इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य निम्न प्रकार होगा :-

	राँची	रोहतास	पश्चिम चंपारण	मुज0	सीतामढ़ी	जमशे0	चतरा	कुल
कुल ग्राम शिक्षा समितियों की सं0	1910	1520	1621	1974	1542	1215	609	10395
बर्ष 1993-94	1000	900	900	1000	800	619	309	5528
बर्ष 1994-95	910	620	721	974	742	600	300	4867

भवनहीन प्राथमिक विद्यालय का भवन निर्माण ।

	राँची	रोहतास	पश्चिम चंपारण	मुज0	सीतामढ़ी	जमशे0	चतरा	कुल
कुल भवनहीन विधालयों की संख्या	136	190	214	389	334	127	148	1538
1993-94	123	57	113	113	194	[illegible]		
1994-95	13	100	80	100	100	[illegible]		
1995-96	[illegible]	33	21	176	40			

भवन मरम्मति , शौचालय एवं पेयजल की सुविधा

परियोजना जिलों में परियोजना के अलावे दूसरी योजनाओं यथा, ज्वाहर रोजगार योजना, जिला योजना आदि से भी उपर्युक्त कार्य कराए जा रहे हैं । इसलिए बर्ष की समाप्ति के पश्चात् इस सम्बन्ध में आँकड़ों को अद्यतन संकलन किया जायेगा । उसके पश्चात् ही प्रत्येक वर्ष के लिए परियोजना द्वारा लिये जानेवाले योजनाओं का निर्धारण किया जाना सुनिश्चित होगा ।

न्यूनतम अधिगम स्तर

अभी इसे सात परियोजना जिलों के 700 विद्यालयों में लागू किया गया है । शिक्षकों के प्रशिक्षण के दौरान इस सम्बन्ध में उन्हें पूरी जानकारी दी जा रही है । इसलिए आनेवाले बर्षो में इसका [illegible] उसी गति से होगा जिस गति से शिक्षकों का प्रशिक्षण पूरा होगा । किन्तु बीच-बीच में शिक्षकों का उन्मुखीकरण ' न्यूनतम अधिगम स्तर ' के सम्बन्ध में किया जायेगा और इसके मार्ग में आनेवाली कठिनाईयों [illegible] किया जायेगा ।

[illegible] शिक्षण सामग्री, पुस्तकालय, उपस्कर

	[illegible]	[illegible]	पश्चिम चम्पारण	मुज0	सीतामढ़ी	समस्तीपुर	[illegible]	योग
कुल विद्यालयों की संख्या	1910	1520	1621	1974	1542	1219	600	10395
वर्ष 1993-94	480	500	450	700	640	500	50	3320
वर्ष 1994-95	1000	500	500	500	600	500	200	3800
वर्ष 1995-96	430	520	671	500	302	219	200	2842
वर्ष 1996-97	×	×	×	274	×	×	159	433

बार्षिक योजना - 1994-95

वर्ष 1993-94 की कार्य योजना में प्राथमिक औपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत जिन कार्यक्रमों को अपनाया गया , निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि उन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की [illegible] शुरू में धीमी रही किन्तु कार्यक्रम से इसमें तेजी आई और मार्च, 1997 तक इस क्षेत्र में अपेक्षित उपलब्धि की आशा है । बर्ष के शुरूआती महीनों में कार्यक्रमों की गति धीमी रहने के कई स्पष्ट कारण थे उदाहरणार्थ :-

1- ग्राम शिक्षा समिति का गठन/पुर्नगठन में समय लगना ।

कार्यक्रमों में लोक भागीदारी सुनिश्चित करने में व्यवहारिक कठिनाई ।

कई कार्यक्रमों के सम्बन्ध में मापदंडों का निर्धारण किया जाना ।

सीतामढ़ी और मुज्जफरपुर जिलों में बाढ़ का भीषण प्रकोप ।

लक्ष्य :

यदि 1993-94 का बर्ष प्राथमिक शिक्षा के लिए भौतिक सबलता का बर्ष कहा जाए तो 1994-95 का बर्ष गुणात्मक विकास का बर्ष होगा । बर्ष के दौरान प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक पक्ष पर विशेष जोर दिया जायेगा । कार्य योजना का फोकस बिन्दु निम्नांकित होंगे :-

1- रॉची और जमशेदपुर जिलों में (6-14) आयुबर्ग के सभी बच्चों को ओपचारिक अथवा अनौपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत पूर्ण आच्छादित किया जायेगा । अन्य जिलों में कुछ प्रखंडों को पूर्ण आच्छादित करने का लक्ष्य है ।

2- परियोजना के कार्यो में लोक भागीदारी और बढ़ाई जायेगी । इसके लिए ग्राम शिक्षा समिति को अधिक सक्रिय बनाया जायेगा ।

3- प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक बदलाव के लिए न्यूनतम अधिगम स्तर के कार्य क्षेत्र का विस्तार किया जायेगा।

4- शिक्षकों से निरन्तर सम्पर्क रखा जायेगा और इसके लिए गुरू-गोष्ठियों को प्रभावी बनाया जायेगा ।

5- पूर्व से चल रहे अन्य कार्यक्रमों का क्षेत्र विस्तार किया जायेगा ।

कार्य-योजना की मुख्य विशेषताऐं :

1- शिक्षादाता योजना

2- न्यूनतम अधिगम स्तर की सम्प्राप्ति पर विशेष बल

3-सभी बच्चों को नि:शुल्क शिक्षण किट

4- ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण

5- शिक्षक अभिभावक गोष्ठी

6- गुरू-गोष्ठी - एक सशक्त फोरम

7- बहुकक्षीय अध्यापन - पद्धति का प्रशिक्षण

8- बुनियादी विद्यालयों का सशक्तिकरण

सर्वव्यापी पहुँच

बर्ष 1994-95 के दौरान सर्वव्यापी पहुँच के अन्तर्गत राँची एवं जमशेदपुर जिले में नामांकन अभियान की ऐसी व्यूहरचना की जायेगी ताकि (6-14) आयुबर्ग के सभी बच्चे विद्यालय अथवा अनौपचारिक केन्द्र पहुँच सकें । दूसरे परियोजना जिलों में भी कुछ प्रखंडों को इस प्रकार पूर्ण आच्छादित किए जाने की योजना है ।

इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परियोजना के अन्य आयामों की विशेष भूमिका निर्धारित की जायेगी । उदाहरणस्वरूप महिला समाख्या कार्यक्रम एवं अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम का कुशल समन्वय आवश्यक होगा । साथ ही ग्राम शिक्षा समिति, शिक्षक संघ, शिक्षक एवं शिक्षा विभागीय पदाधिकारियों का सक्रिय सहयोग इस लक्ष्य की प्राप्ति के सबल स्तम्भ हैं । अतएव उपर्युक्त सभी एजेन्सियों द्वारा सामान्य भूमिका के अतिरिक्त मिशनपूर्ण विशेष भूमिका निभानी होगी । परियोजना प्रबन्धन एवं रणनीति के लिए यह कार्य कसौटीपूर्ण होगा ।

सर्बव्यापी भागीदारी - एक चुनौती

प्रश्न सिर्फ सभी बच्चों को विद्यालय पहुँच जाने का नहीं है बल्कि वास्तविक और चुनौतीपूर्ण कार्य है उन्हें विद्यालय में रिटेन्सन का । परियोजना द्वारा इस दिशा में कई प्रयास किए जायेंगे, जैसे :-

(क) सभी बच्चों को निःशुल्क शिक्षण किट उपलब्ध कराना (बर्ग-1 से बर्ग 5 तक)

(ख) खेलकूद सामग्री की आपूर्ति

(ग) पुस्तकालय की स्थापना

(घ) विद्यालय आधारित कार्यक्रमों यथा, बालमेला, विभिन्न प्रतियोगिताओं का संचालन एवं बृक्षारोपण कार्यक्रम ताकि विद्यालय का वातावरण आकर्षक हो ।

(ड़) शिक्षकों का प्रशिक्षण द्वारा पठन विधि को सरल एवं मनोरंजक बनाना । इसीके अन्तर्गत शिक्षकों की कुशलता हेतु इनोभेटिभ साईंस किट उपलब्ध कराया जाना है ।

(च) शिक्षक -अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

उपर्युक्त क्रिया-कलाप ऐसे हैं जिनका सीधा सम्बन्ध बच्चों के विद्यालय में ठहराव (रिटेन्सन) से है । किन्तु इसके साथ-साथ निम्नांकित कार्यों को अपनाया जायेगा जो कि विद्यालय की बुनियादी आवश्यकता है, जैसे :

(क) भवनहीन विद्यालयों को भवन एवं क्षतिग्रस्त भवनों की मरम्मति ।

(ख) शौचालय एवं पेयजल की सुविधा ।

(ग) उपस्कर

रिटेन्सन के लिए नए प्रयास

(1) शिक्षादाता योजना

उपर्युक्त कंडिकाओं में सर्वव्यापी भागीदारी के अन्तर्गत यद्यपि विभिन्न क्रिया-कलापों की चर्चा की गई है किन्तु बर्ष 1994-95 के दौरान जो सबसे अहम् आवश्यकता होगी वह है शिक्षकों की । अभी सभी परियोजना जिलों में औसतन् 500-700 शिक्षकों का पद रिक्त है । बर्ष 1993 से ही नामांकन में बृद्धि के फलस्वरूप विभिन्न परियोजना जिलों द्वारा अतिरिक्त शिक्षकों की माँग की जा रही है । राज्य सरकार द्वारा यदि शिक्षकों के रिक्त पद पर नियुक्ति कर भी दी जाती है तो भी बर्ष 1994-95 के दौरान राँची एवं जमशेदपुर जिलों में अतिरिक्त शिक्षक इकाईयों की आवश्यकता होगी । अन्य परियोजना जिलों के कुछ प्रखंडों में इसकी आवश्यकता हो सकती है । उपर्युक्त कारणों से ही बिहार शिक्षा परियोजना में ' शिक्षादाता योजना ' की परिकल्पना की गई है । इस कार्यक्रम की दो मुख्य विशेषताएं है :-

1- अच्छे शिक्षकों की कमी को पूरी की जायेगी ।

2- चयन से लेकर पर्यवेक्षण तक ग्राम शिक्षा समिति की भूमिका महत्वपूर्ण होगी (परिशिष्ट द्रष्टव्य)

2- ग्राम शिक्षा समिति का गठन/पुर्नगठन एवं सदस्यों के प्रशिक्षण पर विशेष बल

पंचायती राज अधिनियम को लागू होने पर शिक्षा के विकेन्द्रीकरण के आलोक में ग्राम शिक्षा समिति अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी और इससे पंचायत के लोगों के प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ जायेगी

बर्ष 1993-94 के दौरान ग्राम शिक्षा समिति के गठन/पुर्नगठन एवं उनके सदस्यों के प्रशिक्षण की जो व्यवस्था प्रारम्भ की गई उसे बर्ष 1994-95 के दौरान और अधिक गति प्रदान की जायेगी ताकि मार्च, 1995 तक सभी ग्राम शिक्षा समिति सक्रिय रूप से कार्य करने लगे । ग्राम शिक्षा समिति को सक्रिय होने पर इसका प्रभाव नामांकन, रिटेन्सन पर तो पड़ेगा ही साथ ही इससे परियोजना के अन्य कार्यक्रमों की सफलता भी सुनिश्चित है ।

3- बहुकक्षीय अध्यापन पद्धति का विकास

विद्यालय में शिक्षकों की होनेवाली आवश्यकता से उत्पन्न समस्या को सुलझाने का एक प्रयास होगा - ' शिक्षकों को बहुकक्षीय अध्यापन पद्धति का प्रशिक्षण' । इसके फलस्वरूप एक शिक्षक एक से अधिक बर्ग की व्यवस्था एक ही समय में कर पाने में सक्षम होंगे । परियोजना के सामान्य प्रशिक्षण व्यवस्था के अन्तर्गत ही इसे समाहित किया जायेगा ।

सर्वव्यापी उपलब्धि

1- न्यूनतम अधिगम स्तर की सम्प्राप्ति

सर्वव्यापी उपलब्धि की दिशा में बर्ष 1993-94 के दौरान परियोजना जिलों के 700 विद्यालयों में ' न्यूनतम अधिगम स्तर' की कार्य योजना लागू की गई है। इसके समय पर कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण की व्यवस्था की गई है । साथ ही शिक्षक-प्रशिक्षण के दौरान सभी शिक्षकों को 'न्यूनतम अधिगम स्तर' विषय की जानकारी दी जाती है । बर्ष 1994-95 के दौरान इसका क्षेत्र विस्तार किया जायेगा और उन सभी विद्यालयों में लागू किया जायेगा जहाँ कि शिक्षकों का 21 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा हो चुका है । आवश्यकता होने पर इन विद्यालयों के शिक्षकों को समय-समय पर दो दिवसीय उन्नमुखीकरण चर्चा आयोजित की जायेगी जिसमें उनकी कठिनाईयों की दूर किया जायेगा । साथ ही ' न्यूनतम अधिगम स्तर' कार्यक्रम की भावी रूपरेखा पर चर्चा की जायेगी ताकि शिक्षक स्वंय ही इस कार्यक्रम को आगे संचालित कर सकें । जिला स्तर से अनुश्रवण की व्यवस्था की जायेगी ।

'न्यूनतम अधिगम स्तर' कार्य योजना की विशेषताएँ

1- विद्यालयों की सीमित संख्या एवं शिक्षकों के प्रशिक्षणोपरान्त ही इसका विस्तार

2- लगातार क्षेत्र में अवस्थित विद्यालयों का चयन ।

3- प्राथमिकता के आधार पर शिक्षक-प्रशिक्षण ।

4- परियोजना के अन्य ' इनपुट ' भी सर्वप्रथम इन विद्यालयों में ।

5- शिक्षक-इकाईयों का पुर्नसमायोजन प्राथमिकता के आधार पर

6- सतत् मूल्यांकन एवं पर्यवेक्षण ।

2- **गुरू गोष्ठी - एक सशक्त फोरम**

बर्ष 1993 के दौरान पूर्व से संचालित गुरू गोष्ठियों को सक्रिय बनाने का प्रयास किया गया है ।

किन्तु बर्ष 1994 के लिए जनबरी से लेकर दिसम्बर तक के गुरू-गोष्ठियों के लिए विषय का निर्धारण अग्रिम रूप से कर दिया गया है और इसके सम्बन्ध में विस्तृत कार्यक्रम बनाकर कार्रवाई की जायेगी । इसके फलस्वरूप ये गुरू-गोष्ठियाँ परियोजना के कार्यक्रमों को प्रत्येक विद्यालय तक पहुँचाने में एक सशक्त फोरम सिद्ध होगा ।

3- **शिक्षक पुरस्कार एवं प्रोत्साहन**

बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा बर्ष 1992 में शिक्षा पुरस्कार योजना लागू की गई इसके उत्कृष्ट कार्य हेतु शिक्षकों को दिया जाना है । इससे शिक्षकों में उत्साह बढ़ता है एवं उन्हें सम्मान की भावना जागती है । बर्ष 1994-95 की योजना में इस पुरस्कार योजना को कायम रखा जायेगा ।

प्रतिफल

उपर्युक्त रणनीति एवं क्रियाकलाप के फलस्वरूप निम्नांकित परिवर्तन होगा :-

1- प्राथमिक शिक्षा में समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी ।

2- ग्राम शिक्षा समिति प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा पाएगी ।

3- समुदाय की भागीदारी के फलस्वरूप बच्चों के नामांकन एवं रिटेन्सन दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति संभव हो पाएगी ।

4- विद्यालय का वातावरण आकर्षित करनेवाला हो पाएगा ।

5- विद्यालय में आवश्यक भौतिक संसाधनों की आपूर्ति हो पायेगी जो कि एक विद्यालय के लिए न्यूनतम आवश्यकता है ।

6- कार्यक्रम के द्वारा बच्चों के अधिगम स्तर को विकसित किया जा सकेगा ।

7- पठन-पाठन का महौल में बदलाव आएगा तथा समुदाय का विद्यालय से लगाव बढ़ जाएगा ।

तृतीय चरण के चयनित जिलों के लिए कार्य-योजना 1994-95

बिहार शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तृतीय चरण में जिन सात नए जिलों (गोपालगंज, दरभंगा, कटिहार, साहेबगंज, गोड्डा, पलामू एवं पटना) का चयन किया गया है उनमें परियोजना के औपचारिक शिक्षा प्रक्षेत्र के अधीन बर्ष 1994-95 में उन्हीं कार्यक्रमों को सर्वप्रथम अपनाया जायेगा जो औपचारिक शिक्षा के अन्य कार्यक्रमों को सर्वप्रथम अपनाया जायेगा जो औपचारिक शिक्षा के अन्य कार्यक्रमों के लिए आनेवाले बर्षो के आधार का काम करेगा । साथ ही इन कार्यक्रमों के संचालन से जन-चेतना जागृत होगी और सही ढंग से सूक्ष्म स्तरीय योजनाओं का निर्माण किया जा सकेगा । इसके अतिरिक्त प्राथमिक शिक्षा सिर्फ आपूर्ति नहीं बल्कि मॉग का स्वरूप लेने लगेगी । प्रस्तावित कार्यक्रमों के चयन में पूर्व के अनुभवों को आधार माना गया है ।

प्राथमिक औपचारिक शिक्षा कम्पोनेन्ट के अधीन बर्ष 1994-95 का प्रस्तावित कार्यक्रम निम्नवत है :-

ACTIVITIES TO BE TAKEN IN SEVEN NEW BEP DISTRICTS UNDER PRIMARY FORMAL EDUCATION COMPONENT.

1- Workshop/Training on UPE
   Micro Planning
   School Mapping
   Benchmark Survey
   M.L.L.

2- Benchmark Survey (15% of the Panchayat)

3- Rationalisation of Teacher Units.

4- VEC formation and Training of its Members.

5- Enrolment and Retention Drive.

6- School Based activities - Bal Mela
   Competitions
   Tree Plantation etc.

7- Teaching Kit (Books & Bags only)

8- Jute Mat

FIVE YEAR PLANS AND SECTORAL ACTUAL EXPENDITURE

(Rs. in lakhs

Sub-Sector	First five year plan (1951-52 to 1955-56)	Second five year plan (1956-57 to 1960-61)	Third five year plan 1961-62 to 1965-66)	Annual Plan 1966-67	Annual Plan 1967-68	Annual Plan 1968-69	4th five five yr. plan 69-70 to 1973-74	5th five yr.plan 74-75 to 78-79	Annual Plan 79-80	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
I. GENERAL EDUCATION										
1. Elementary Edn.	484.00	967.00	1355.13	87.12	138.05	156.83	2116.58	4606.12	37.49	9948.32
2. Secondary Edn.	30.00	338.00	444.99	33.41	29.93	15.47	114.01	560.09	89.33	1655.23
3. Teacher Edn.	-	-	-	-	-	-	23.67	76.63	23.84	124.14
4.University Edn.	80.00	243.00	387.76	73.98	46.62	46.70	354.66	830.25	98.05	2163.02
5. Special Edn.	-	-	-	-	-	-	-	53.06	19.18	72.24
6.Sports & Youth Services (Physical Education)	-	-	78.40	-	-	-	-	95.18	22.09	195.67
7. Adult Edn. Social Edn.)	-	-	11.60	-	-	-	7.85	66.73	149.87	236.05
8. General Admn.	-	-	-	-	-	-	-	66.33	3.50	69.83
9. Others	52.00	162.00	15.98	14.84	6.50	21.02	178.13	-	-	450.47
	646.00	1710.00	2293.86	209.35	221.10	240.02	2796.90	6354.39	443.35	14914.97
Art & Culture	-	-	27.76	0.41	2.50	1.10	17.95	69.57	17.52	136.81
Nutrition	-	-	-	-	-	-	-	200.00	30.00	230.00
	646.00	1710.00	2321.62	209.76	223.60	241.12	2814.85	6623.96	490.87	15281.78

FIVE YEAR PLANS SUB SECTORAL ACTUAL EXPENDITURE (Rs in lakhs)

Sub-Sector	6th five year plan 1980-81 to 1984-85	7th five year plan 1985-86 to 1989-90	Annual Plan 1990-91	Annual Plan 1991-92	8th five year plan (proposed) 1992-93 to 1996-97
1	2	3	4	5	6
GENERAL EDUCATION:-					
1. Elementary Edn.	9431.24	24396.27	5533.99	3783.19	52100.00
2. Secondary Edn. / 3. Teacher Edn.	1745.50	4565.62	353.02	207.42	6695.00
4. University Edn.	1450.02	1744.20	237.54	157.26	3200.00
5. Special Edn. (Adult Edn.)	1533.48	3731.46	1172.00	1151.70	10000.00
6. Direction & Adm.	118.44	147.21	-	-	150.00
7. Language Development.	165.41	220.67	2.00	25.65	550.00
Total :-	[illegible]	34805.43	7343.55	5325.32	
[illegible] :-	93.28		51.22	22.00	730.00
[illegible]	308.11		78.45	59.45	2210.00

बिहार शिक्षा परियोजना जिलों की डेमोग्राफी

बी. ई. पी. जिलों का नाम	प्रखंडों की सं0	जनसंख्या (1991 जनगणना)	कुल गाँवों की संख्या
राँची	20	2214048	2018
रोहतास	14	2900685	3003
पश्चिम चंपारण	16	2333666	1354
मुज्जफरपुर	14	2953903	1729
सीतामढ़ी	16	2391495	987
पूर्वी सिंहभूम	9	1613088	2179
(जमशेदपुर)			
चतरा	6	812634	1659

कार्य-योजना

1994-95

प्रशिक्षण

प्रशिक्षण जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है । प्रशिक्षण से सभी कर्मियों की कार्य कुशलता विकसित होती है और उनमें निखार आता है । इसलिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के विभिन्न आयामों से जुड़े सभी कर्मियों के प्रशिक्षण पर परिषद की स्थापना से ही पूरा ध्यान दिया जाता रहा है। राज्य स्तरीय कर्मियों से लेकर जिला स्तरीय कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम परिषद द्वारा सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है । विभिन्न आयामों एवं कार्यक्रमों से जुड़े कर्मियों के प्रशिक्षण की अवधि, विषयवस्तु एवं रणनीति पर भी ध्यान रखा जाता है । जिससे विभिन्न कार्यक्रमों के व्यापक उद्देश्यों के लिए निर्धारित उच्च मानदंडों को प्राप्त किया जा सके । प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है । अतः प्राथमिक शिक्षकों के सेवाकालीन प्रशिक्षणको बिहार शिक्षा परियोजना के कार्यक्रमों में अधिक महत्व दिया जा रहा है

बिहार में शिक्षक प्रशिक्षण में सबसे बड़ी समस्या यह है कि शिक्षकों की संख्या बहुत ज्यादा है अभी जो बिहार शिक्षा परियोजना के जिले हैं उनमें 30453 शिक्षक हैं । इस वर्ष 7 और जिले बी.ई.पी. कार्यक्रम में लिए गये हैं अतः इनकी संख्या बढ़कर करीब दुगुनी हो जायेगी । अभी हम प्रति वर्ष सभी जिलों को मिलाकर करीब 5 से 6 हजार शिक्षकों को ही प्रशिक्षित कर पाते है । इसलिए कम अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता है ।

दूसरी समस्या शिक्षक-प्रशिक्षण में पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के अतिरिक्त उन शिक्षकों के प्रशिक्षण की होगी जो प्रत्येक जिले में नवनियुक्त होने वाले हैं । बिहार राज्य में ऐसे नवनियुक्त होने वाले शिक्षकों की संख्या करीब 25,000 होगी । इस आधार पर प्रत्येक जिले में नवनियुक्त शिक्षकों की संख्या 500 के करीब होगी । इनका गहन प्रशिक्षण कम से कम एक वर्ष का करना होगा । इसके लिए अलग कार्य योजना बनाई गई है ।

साधनसेवियों / शिक्षक प्रशिक्षकों का भी सतत् प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है ताकि उनका प्रशिक्षण में हमेशा धार बनी रहे । इसके लिए भी कार्य नीति विकसित की जायेगी ।

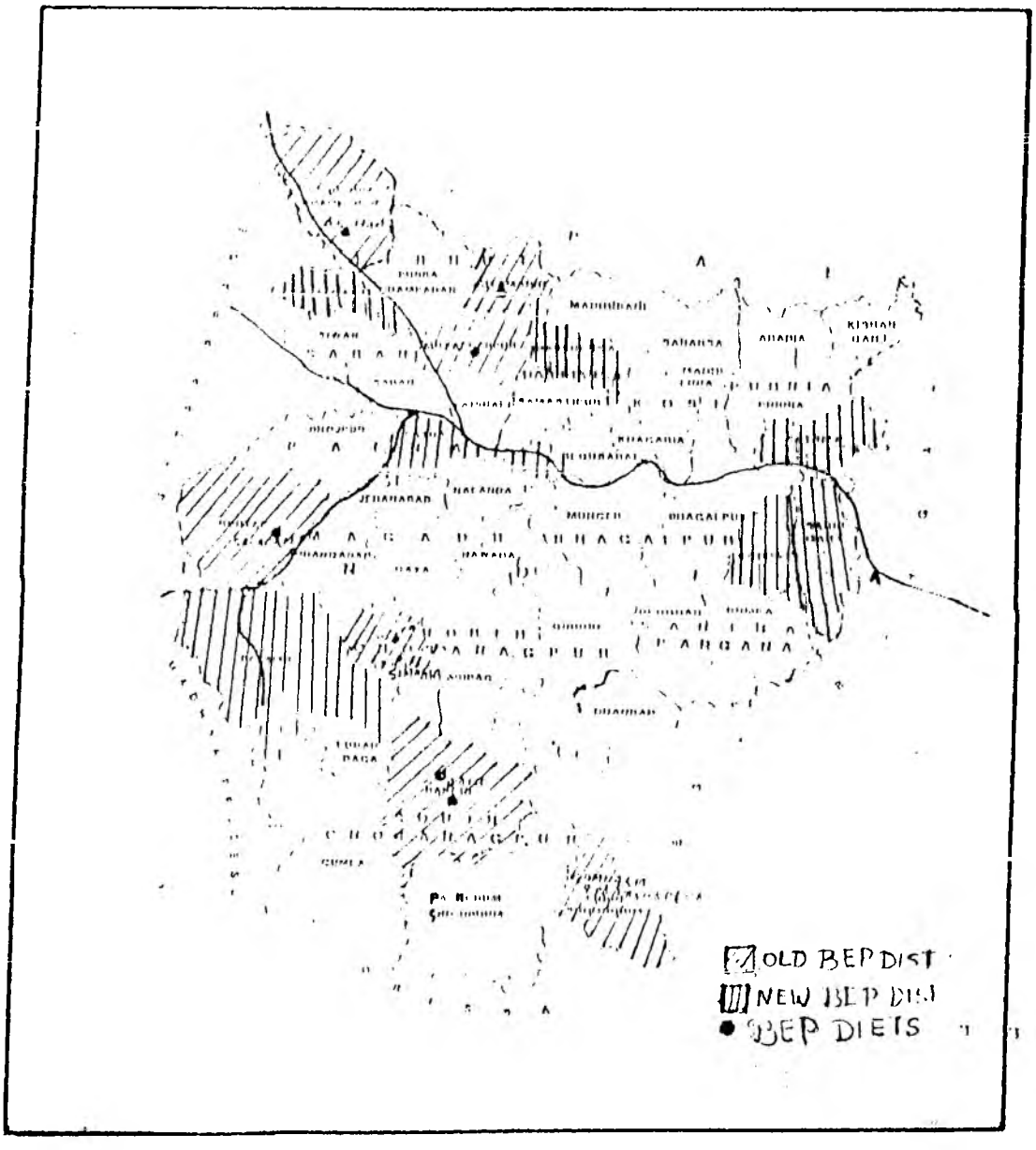
OLD BEP DIST
NEW BEP DIST
BEP DISTS

प्रशिक्षण का मूल्यांकन कराना भी आवश्यक है साथ ही प्रशिक्षण का प्रभाव हमारे शिक्षकों पर कैसा पड़ रहा है इसकी भी समय-समय पर जांच कराना आवश्यक है । बिहार राज्य में बहुत बड़ी समस्या यह हो गई है कि क्षेत्र में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों की अत्यधिक कमी से जितना प्रभावोत्पादक ढंग से निरीक्षण होना चाहिए था वह नहीं हो पा रहा है । अतः इसके निराकरण की भी कार्य योजना बनाई गई है ।

प्रशिक्षण के मूल्यांकन में महिला समाख्या की ग्राम स्तर पर कार्यकत्री सखी का सहयोग भी प्राप्त किया जा रहा है ।

शिक्षकों की प्रत्येक जिले में संख्या को देखते हुये यह भी विचार किया गया है कि प्रशिक्षण का विकेन्द्रित किया जाय और प्रखंड स्तर पर किसी गैर सरकारी एजेंसी द्वारा शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया जाय।

डायट के उपकेन्द्रों को भी चिन्हित किया जा रहा है जिससे ज्यादा शिक्षकों का प्रशिक्षण कम समय में हो सके । जहां उपकेन्द्र स्थापित नहीं हो सकेंगे वहां स्वैच्छिक संस्थाओं को चिन्हित कर शिक्षक प्रशिक्षण का कार्य सम्पादित कराया जायेगा ।

इस वर्ष की कार्ययोजना में बहुकक्षीय अध्यापन के प्रशिक्षण पर अधिक बल दिया जायेगा ताकि अधिकांश प्राथमिक विद्यालयों में जहां एक ही शिक्षक है या केवल दो शिक्षकों द्वारा पाँच वर्गों की पढ़ाई की जाती है । वैसे शिक्षकों की शिक्षण क्षमता में विकास हो ।

वर्ष 1993-94 में उपलब्धि

1.1 डायटों की स्थापना- रांची जिले में रातू में डायट वर्ष 1991 से ही स्थापित होकर कार्यरत है । इसकी नई ईमारत भी वर्ष 1993-94 में बन कर पूरी हो जाने की संभावना है ।

सीतामढ़ी, रोहतास, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चम्पारण, पूर्वी सिंहभूम तथा चतरा में भी डायटों की स्थापना हेतु छपरा, सासाराम / गरोल पं० रामबाग, कुमारबाग, मसरिया तथा सिमरिया में प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् को स्थानांतरित हो चुके है और उनमें से प्रायः सभी में प्रशिक्षण कार्य चालू कर दिया गया है । सभी डायटों में स्थायी स्टाफ की नियुक्ति हेतु विज्ञापन भी निकाल

वर्ष 1993-94 की उपलब्धियां

क्रम सं0	कार्यक्रम	लक्ष्य	प्राप्ति
1.	शिक्षकों का प्रशिक्षण	6100	
2.	प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण	650	337
3.	निरीक्षी पदाधिकारियों का प्रशिक्षण	130	73
4.	डायट की स्थापना	6	6
5.	नीपा में पदाधिकारियों की कार्यशाला		4पदाधिकारी
6.	लोक जुम्बिश कार्यशाला में एवं अन्य कार्यों में बिहार शिक्षा परियोजना के पदाधिकारियों की भागीदारी		3 पदाधिकारी

दिया गया है । वर्ष 1994-95 के प्रथम चरण में सभी डायटों में स्टाफ का चयन कर उन्हें सुचारू रूप से चलाने की पूरी संभावना है । वर्ष 1991-92 में 172 शिक्षक प्रशिक्षित हुए । वर्ष 92-93 में 3008 शिक्षक प्रशिक्षित हुए हैं । वर्ष 93-94 में अभी तक 4090 शिक्षक प्रशिक्षित हुए हैं ।

1.2 शिक्षकों को सेवाकालीन 10 दिवसीय एवं 11 दिवसीय प्रशिक्षण देने हेतु रातू डायट में फैकल्टी मेम्बर्स हैं और अन्य स्थानों पर एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रशिक्षित साधनसेवी प्रशिक्षण दे रहे हैं । प्रारंभ में कागज की अनुपलब्धता के कारण 10 दिवसीय एवं 11 दिवसीय प्रशिक्षण मैन्युअल छपने में कठिनाई हो रही थी किन्तु बाद में साक्षरता मुजफ्फरपुर के बी.ई.पी. मुजफ्फरपुर में उपलब्ध कागज से इन प्रशिक्षण मैन्युअलों की दस-दस हजार प्रतियां छपवाकर सभी जिलों में भिजवा दी गई और प्रशिक्षित शिक्षकों को यह मैन्युअल उपलब्ध कराये जा रहे हैं और नियमित रूप से प्रत्येक जिले में एक सिलसिलेवार ढंग से आवासीय प्रशिक्षण शिक्षकों को दिया जा रहा है । प्रशिक्षण के क्रम में प्रशिक्षित शिक्षकों को शिक्षक प्रशिक्षण मैन्युअल निःशुल्क वितरित किए जा रहे है ।

1.3 मुजफ्फरपुर जिले में मुरौल में डायट का उद्घाटन कर दिया गया है । वहां एक अनुभवी और सुयोग्य व्यक्ति को डायट के प्राचार्य पद पर पदस्थापित कर शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रभावी ढंग से चलाया जा रहा है । मुजफफरपुर में ही रामबाग को डायट के उप-केन्द्र के रूप में विकसित किया जा चुका है । रोहतास जिले में प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, सासाराम एवं उच्च विद्यालय, तकिया में शिक्षक प्रशिक्षण कार्य सुचारू रूप से चलाया जा रहा है ।

पश्चिम चम्पारण, पूर्वी सिंहभूम में सीतामढ़ी एवं चतरा में प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों को बी.ई.पी. को हस्तान्तरणोपरांत मरम्मत कराने के पश्चात् प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों को डायट के रूप में विकसित किया गया है ।

1.4 जिलों [illegible] ण को सही ढंग से चलाने हेतु प्रत्येक जिले की डायट हेतु संकाय सदस्यों का शीघ्र चयन कर नि[illegible] रने हेतु विज्ञापन निकाल दिया गया है और आशा है कि शीघ्रातिशीघ्र सभी डायटों में संकाय सदस्यों [illegible] पित हो जाने पर सभी डायट सशक्त हो जायेगी और उनमें प्रशिक्षण का कार्य भी उच्च स्तर का होने ल[illegible] ।

BIHAR EDUCATION PROJECT TRAINING

LEVEL	SCHOOL TEACHERS HEAD MASTERS	INSPECTING OFFICERS	BEP FUNCTIONARIES
COURSES DESIGNED	1. In-Service 10 days 1st Phase-SCERT Model 2. In-Service 11 days 2nd Phase-SCERT Model 3. In-Service 10 days Motivational Course Model-Ranchi 4. In-Service 11 days Intensive Course Ranchi Model 5. In-Service Headmaster's Training Course	1. Inspecting Officer Training Course Ranchi Model 2. Inspecting officer Training Course Jamshedpur Model	1. Orientation & Training Programme

COVERAGE UPTO 1993-94

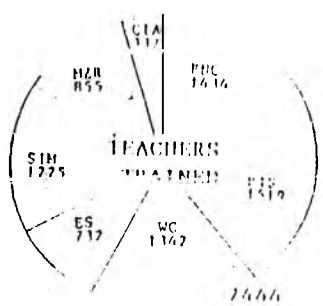

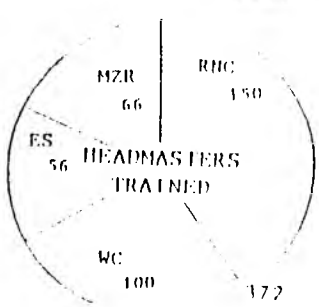

INSTITUTIONS INVOLVED	STATE DIST. BLOCK SCERT DIET NGOs	DISTRICT LEVEL DIET DRU OTHERS	NATIONAL . STATE LEVEL NIEPA NCERT OTHERS

2. प्रशिक्षण का स्वरूप

2.1 शिक्षक प्रशिक्षणः- बिहार शिक्षा परियोजनान्तर्गत 10 दिवसीय एवं 11 दिवसीय प्रशिक्षण के दो मॉडल तैयार किए गये है । एक मॉडल एस.सी.ई.आर.टी. ने बनाया है । दूसरा मॉडल रातू डायट रांची ने विकसित किया है । एस.सी.ई.आर.टी. के मॉडल पर शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मैन्युअल भी तैयार कर छपवा दिये गये हैं । जिन्हें शिक्षकों में उनके प्रशिक्षण के बाद निःशुल्क बांटा जा रहा है । रांची मॉडल अभी छप नहीं सका है । 10 दिवसीय प्रशिक्षण में शिक्षकों की मनोवृत्ति में बदलाव लाने उन्हें अपने विद्यालय एवं शिक्षण को आकर्षक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।10 दिवसीय प्रशिक्षण प्रथम चरण में होता है । द्वितीय चरण में 11 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है । यह प्रथम चरण के प्रशिक्षण से करीब 2 माह के अंतराल पर दिया जा रहा है ताकि शिक्षक प्रथम चरण में पाये प्रशिक्षण के आधार पर शिक्षण कार्य प्रारंभ करें और विद्यालय में नई तकनीक को अपनाकर दूसरी चर्या में अपने प्रयोगों की सफलता / असफलता से प्रशिक्षकों को अवगत कराते हैं । ताकि प्रशिक्षक उनकी कठिनाईयों का निवारण कर सकें। इस प्रक्रिया से प्रशिक्षकों को फीड बैक भी प्राप्त हो जाता है । एक प्रशिक्षण से दूसरे प्रशिक्षण में अंतराल रखने से विद्यालयों में अध्यापक की लम्बी अनुपस्थिति नहीं होने से छीजन की समस्या भी हल होती है । एस.सी.ई.आर.टी. के मॉडल में सैद्धांतिक पक्ष एवं न्यूनतम अधिगम स्तर पर विशेष बल दिया गया है । रातू (रांची) डायट के मॉडल में व्यवहारिक पक्ष पर अधिक बल है एवं प्रशिक्षणार्थियों के निदानात्मक परीक्षण का भी प्रावधान है ।

2.2 प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण

प्रधानाध्यापकों की विद्यालय प्रबंधन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है । बिहार में मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को अपने अगल-बगल के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के वेतन निकासी का अधिकार प्राप्त है । अतः उनके प्रशासनिक ज्ञान को बढ़ाने एवं शैक्षिक स्तर को सुधारने हेतु प्रशिक्षण आवश्यक है । बिहार शिक्षा परियोजना ने प्रधानाध्यापकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षणका आयोजन किया और उनके प्रशिक्षण हेतु एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा एक मैन्युअल तैयार कराया गया है जो शीघ्र ही मुद्रित करा लिया जायेगा ।

PERFORMANCE & PROJECTION PROFILE(INSET)

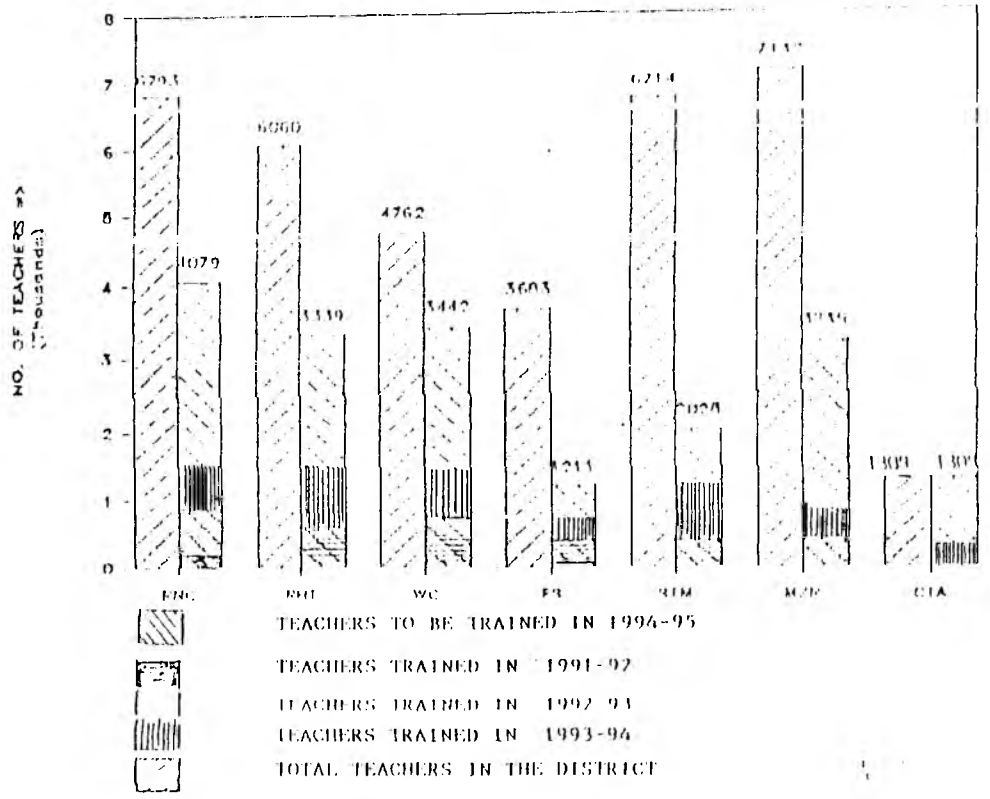

2.3 निरीक्षी पदाधिकारियों का प्रशिक्षण:-

सबके लिए शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण के संदर्भ में निरीक्षी पदाधिकारियों की भूमिका में बहुत बदलाव आया है । फलस्वरूप उनके प्रशिक्षण पर भी बिहार शिक्षा परियोजना परिषद ने बल दिया है । रातू (रांची) डायट ने इनके लिए भी एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम बनाया है । एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा निरीक्षी पदाधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु भी एक मैन्युअल बनवाया जा रहा है ।

2.4 **राज्य से बाहर प्रशिक्षण**:- प्राथमिक शिक्षकों के प्रशिक्षण के अतिरिक्त राज्य स्तरीय मुख्यालय के पदाधिकारियों का प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण पर नीपा में, माईक्रोप्लानिंग पर इंडियन इन्स्टीच्यूट ऑफ एडूकेशन, पूना में प्रशिक्षण कराया गया है ।

2.5 **राज्य स्तरीय प्रशिक्षण** :- मुख्यालय में उप-निदेशकों एवं क्षेत्रीय शिक्षोपनिदेशकों की एक कार्यशाला आयोजित कर उन्हें प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई । जनवरी, 94 में जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला शिक्षा अधीक्षकों को प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण से अवगत कराने हेतु एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई है । जिलाधिकारियों एवं उप विकास आयुक्तों के उन्मुखीकरण हेतु भी एक कार्यशाला आयोजित करनी है ।

2.6 **बिहार शिक्षा परियोजना से जुड़े कर्मियों का रांची में प्रशिक्षण** :-बिहार शिक्षा परियोजना कर्मियों के प्रशिक्षण हेतु एक कार्यशाला रांची में आयोजित की गई और औपचारिक प्राथमिक शिक्षा, प्रशिक्षण, अनौपचारिक प्राथमिक शिक्षा, महिला समाख्या तथा संस्कृति संचार एवं सतत् शिक्षा के आयामों से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया गया ।

3. वर्ष 1994-95 की कार्य योजना

3.1 शिक्षक प्रशिक्षण:- गत वर्षों की [illegible] शिक्षकों एवं न्यूनतम अधिगम स्तर

PROJECTION AT A GLANCE
FOR 1994-95

		(To be Trained)	
1.	Teachers		10,000
2.	Head Master		750
3.	Inspecting Officers		140
4.	BEP Functionaries		
5.	Non BEP Area Programme	a) Resource Persons	
		b) DEO/DSEs	
		c) AOs/BEEOs	

Strategy

i) Extensive use of DIET/Sub Centres
ii) Involvement of V.As/Well Known National Level Institution
iii) Involvement of Eminent Trainers
iv) Strengthening of SCERT for functioning as an Apex Body.

के लिए चिन्हित मध्य विद्यालयों के शिक्षकों के प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जायेगी । शिक्षकों को उत्प्रेरित कर पठन पाठन एवं बालकों के प्रति उनके सोंच को सकारात्मक बनाया जायेगा । परियोजना का प्रथम केन्द्र बिन्दु शिक्षक होने के नाते समाज में उनकी गरिमा को पुनः स्थापित करना और उनके नैतिक आधार को पुर्नस्थापित करना बिहार शिक्षा परियोजना का इस वर्ष मुख्य लक्ष्य होगा । इन कार्यो को सम्पादित करने के लिए शिक्षकों का उन्मुखीकरण कर उनके स्वाभिमान को जगाया जायेगा और उनकी दक्षताओं को बढ़ाया जायेगा । उन्हें 10 दिवसीय एवं 11 दिवसीय प्रशिक्षण देने के अतिरिक्त विषय परक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा । करीब 10,000 शिक्षकों को इस वर्ष प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।

3.2 निरीक्षी पदाधिकारियों का प्रशिक्षण:-

निरीक्षी पदाधिकारियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण देकर बिहार शिक्षा परियोजना जिलों के सभी पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करने की योजना है।

3.3 अनुश्रवण:-

कुछ जाने माने शिक्षकों / शिक्षा प्रशिक्षकों की चलंत टोलियों का निर्माण कर " प्रशिक्षण के संघात (Impact of Training) की जानकारी प्राप्त की जायेगी । इन व्यक्तियों से प्रशिक्षण का अनुश्रवण कराया जायेगा ।

3.4 इस वर्ष की कार्य योजना में रातों बी.ई.पी. जिलों में डायट को सुचारू रूप से चलाने हेतु सभी डायटों में फेकल्टी मेम्बर्स नियुक्त कर दिये जायेंगे और रातू (रांची) डायट की तरह अन्य छःओं जिलों की डायटों को भी सुचारू रूप से प्रशिक्षण देने योग्य बना दिया जायेगा । नये सात जिलों में भी डायटों को स्थापित किया जायेगा । नये फेकल्टी मेम्बर्स की ट्रेनिंग एस.सी.ई.आर.टी. में एवं रातू डायट में की जायेगी एन.सी.ई.आर.टी. के स्कूल पूर्व एवं प्राथमिक शिक्षा विभाग के प्रो0 श्रीमती आर. मुरलीधर के सहयोग से प्रशिक्षण में नवाचार लाने की योजना है ।

3.5 इस वर्ष कुछ जाने माने शिक्षक प्रशिक्षकों को चिन्हित कर उनके द्वारा गुरूगोष्ठियों में आदर्शपाठ एवं प्रदर्शन पाठ का आयोजन कर शिक्षकों की योग्यताओं और दक्षताओं का विकास करने पर विशेष बल दिया जायेगा।

Salient Features of

Teacher Contact Programme

1.	Manual	10 Days	15,000
		11 Day	15,000
		Inspecting Officer's	Ready for printing
		Head Master	Ready for Printing
2.	News Letters	- From All Districts	
		- Quarterly	
		- 5,000 Copies each	
3.	Guru Ghoshties	No.	Participants
		2221	20743

Qualitative Results:

i) Awareness Creation

ii) Change in attitude/Change in Behaviour

iii) Follow up of Trg through

a) Newsletter

b) Gurughoshties

iv) Periodical upgradation/Feeding of Information to Teacher through discussion on Academic Points

3.6 **मूल्यांकनः-** गत वर्ष ए.एन.सिन्हा इन्स्टीच्यूट द्वारा रांची एवं सीतामढ़ी जिलों के प्रशिक्षण का मूल्यांकन कराया गया था । अब आगे एक्स.एल.आर.आई. जमशेदपुर द्वारा रोहतास, मुजफ्फरपुर, जमशेदपुर के प्रशिक्षण का मूल्यांकन कराया जायेगा । चतरा और पश्चिम चम्पारण का मूल्यांकन ए.आई.एम. कलकत्ता से कराने की योजना है ।

3.7 कुछ अच्छी गैर सरकारी संस्थाओं को चिन्हित कर उनमें प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को गणित, विज्ञान एवं भाषा का विषयगत ज्ञान का प्रशिक्षण दिलाकर, इन विषयों में शिक्षकों की कमजोरी को दूर कर, प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण के स्तर को सुधारने एवं गैर सरकारी संस्थाओं को प्रशिक्षण में जोड़ने से ' सबके लिए शिक्षा ' में सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित होगी ।

4. **वर्ष 1994-95 की कार्य योजना में निम्न कार्यों पर विशेष बल दिया जायेगा :-**

4.1 प्रशिक्षण के वीडीयो मोडयूलों के उपयोग द्वारा शिक्षकों की दक्षताओं का द्रुत गति से विकास करना ।

4.2 बी.ई.पी.जिलों की सभी वर्तमान सातों डायटों को फेकल्टी मेम्बरों से सुसज्जित कर शिक्षक प्रशिक्षण की गति एवं गुणवत्ता में आशातीत विकास करना ।

4.3 प्रधानाध्यापकों एवं निरीक्षी पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सामग्री का मानकीकरण तथा पुस्तिका का मुद्रण।

4.4 सेवा निवृत योग्य एवं चुस्त दुरूस्त शिक्षक प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों को चिन्हित कर उनके माध्यम से गुरूगोष्ठियो में आर्दश पाठ एवं प्रर्दशन पाठों का आयोजन कराना ।

4.5 उपर्युक्त चिन्हित शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों की चलत टोलियाँ बनाकर प्रशिक्षण को गुणवत्ता को बढ़ाना ।

4.6 एस.सी.ई.आर.टी. का भौतिक तथा शैक्षिक सुदृढ़ीकरण करने में सहयोग प्रदान करना ।

4.7 शिक्षकों से सतत् सम्पर्क हेतु जिन जिलों की डायटों से मासिक / त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित नहीं हो रही है उन जिलों में भी इसका प्रकाशन शुरू कराना ।

4.8 बिहार शिक्षा परियोजना से जुड़े पदाधिकारियों का राज्य के बाहर की राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं में और अपने-अपने क्षेत्र में ख्याति प्राप्त संस्थाओं का अवलोकन एवं उनमें प्रशिक्षण का आयोजन करना

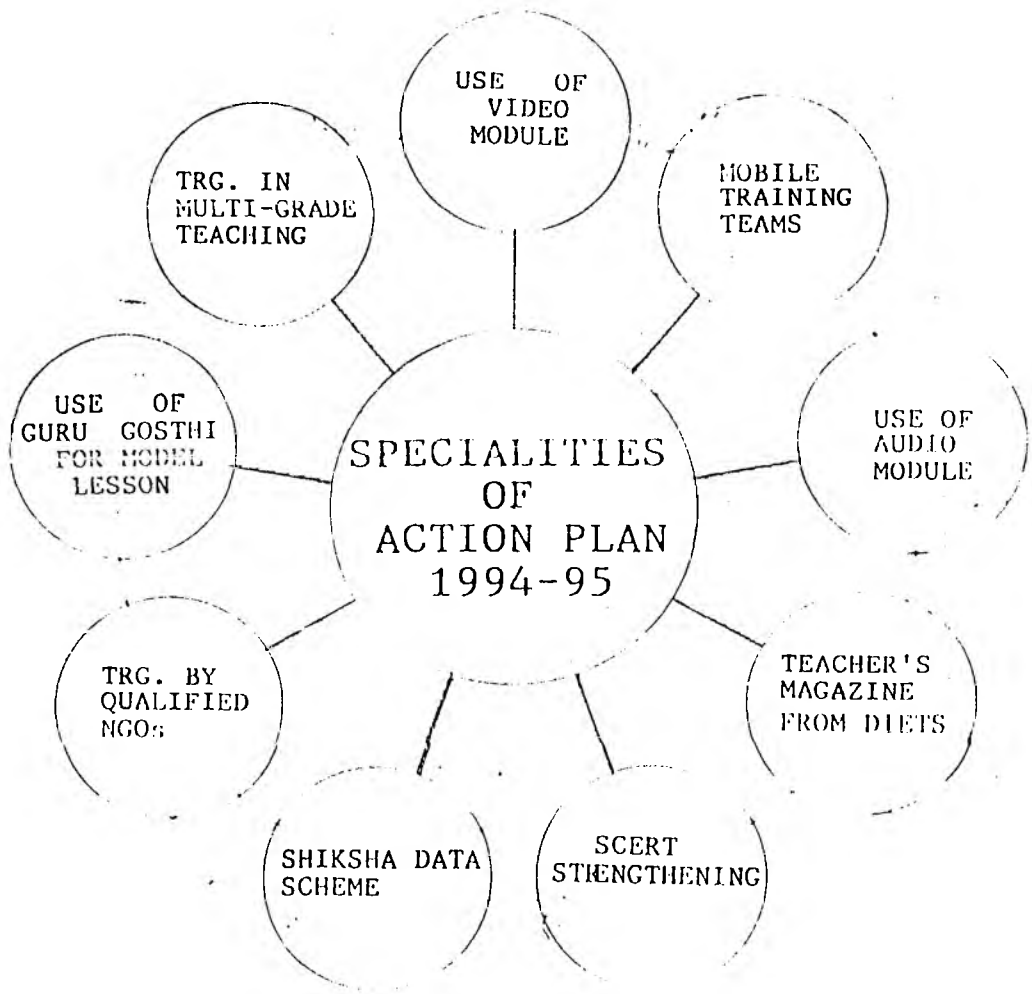
SPECIALITIES OF ACTION PLAN 1994-95
USE OF VIDEO MODULE
MOBILE TRAINING TEAMS
USE OF AUDIO MODULE
TEACHER'S MAGAZINE FROM DIETS
SCERT STRENGTHENING
SHIKSHA DATA SCHEME
TRG. BY QUALIFIED NGOs
USE OF GURU GOSTHI FOR MODEL LESSON
TRG. IN MULTI-GRADE TEACHING

4.9 10 दिवसीय और 11 दिवसीय प्रशिक्षण मेन्युअलों में सुधार करना ।

4.10 प्राथमिक विद्यालयों के ठोस पर्यवेक्षण हेतु निरीक्षी पदाधिकारियों (शिक्षा विभाग) का उन्मुखीकरण/प्रशिक्षण करना ।

4.11 गुरूगोष्ठियों को किसी विद्यालय में ही आयोजित कराकर उसमें आदर्श पाठ एवं प्रदर्शन पाठों का समावेश करना ।

4.12 गुरूगोष्ठियों में प्रदर्शन पाठ एवं आर्दश पाठ के साथ-साथ प्राथमिक शिक्षकों की दैनन्दिन शिक्षण सम्बन्धी कठिनाईयों का निराकरण दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा कराना ।

4.13 सभी डायटों के उपकेन्द्र चिन्हित कर उनको स्थापित करना ।

4.14 विषयगत सेमिनारों का आयोजन करना ।

4.15 शिक्षादाता

5. **कार्यकलाप**

5.1 शिक्षकों की अधिक संख्या को देखते हुए कम समय में प्रशिक्षण को पूरा करने के लिए जिस प्रकार मुजफ्फरपुर जिला में डायट का उपकेन्द्र स्थापित किया गया है । उसी प्रकार अन्य जिलों में भी उपकेन्द्र स्थापित किये जायेगें । इसके लिए केन्द्र व स्थान चिन्हित कर उनको डायट के उप केन्द्र के रूप में विकसित किया जोयेगा । रांची में तोरपा एवं रोहतास में अमझोर में उपकेन्द्र चिन्हित किए जा चुके हैं रांची में बुन्डू प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय को दूसरा उपकेन्द्र बनाने का भी प्रयास जारी है ।

जब डायट में फेकल्टी मेम्बर्स की नियुक्ति हो जायेगी तो जिलों में प्रशिक्षित साधनसेवियों की सेवायें उपकेन्द्रों में एवं प्रशिक्षण के मूल्यांकन एवं प्रशिक्षण के प्रभाव को जांचने में किया जायगा ।

5.2 नये शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक नया पाठ्यक्रम विकसित कराने हेतु एस.सी.ई.आर.टी. को अनुरोध किया जायेगा । नये पाठयक्रम के बन जाने पर नवनियुक्त नये शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम डायटों में एवं उपकेन्द्रों में चलाया जायेगा ताकि अप्रशिक्षित शिक्षकों को प्रशिक्षित कर शिक्षण में उन्मुख किया जा सके ।

5.3 साधनसेवियों / शिक्षक प्रशिक्षकों को नवाचार और नई प्रशिक्षण तकनीकों में अद्यतन रखने हेतु ख्याति प्राप्त संस्थाएँ जैसे-संधान जैपुर, एकलव्य भोपाल एवं अलारिपु नई दिल्ली से सम्पर्क कर प्रशिक्षण में सहयोग की व्यवस्था की जायेगी । एस.सी.ई.आर.टी. एवं एन.सी.ई.आर.टी. में भी इनका प्रशिक्षण समय-समय पर कराया जायगा ।

TOTAL NO. OF TEACHERS IN BIHAR

	Primary	Middle	Total
Total Teachers	106709	79846	186555
Trained Teachers	97644	74387	172031
Untrained Teachers	9065	5459	14524
Female Teachers	20622	16939	37561
S.C.Teachers	12991	6192	19183
S.T.Teachers	10097	6316	16413

TOTAL NO. OF TEACHERS IN BEP DISTRICTS.

	Primary	Middle	Total
Total Teachers	33783	27032	60815
Trained Teachers	30393	24890	55383
Untrained Teachers	3390	2142	5532
Female Teachers	6658	6688	13346
S.C.Teachers	4087	2047	6134
S.T.Teachers	4021	2600	6621

5.4 प्रशिक्षण के मूल्यांकन एवं प्रभाव की जानकारी प्राप्त कर प्रशिक्षण में सुधार लाने के लिए एक वृहद योजना बनानी होगी । इसके लिए ऐसी कार्ययोजना तैयार की जा रही है कि सेवा निवृत अच्छे शिक्षकों और प्रशिक्षकों की टोलियों को चिन्हित किया जायेगा । इन टोलियों के द्वारा गुरूगोष्ठियों में आदर्श पाठ/प्रदर्शन पाठ दिलवाने का आयोजन किया जायेगा एवं उनको प्रशिक्षित प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का निरीक्षण करवाकर प्रशिक्षण के प्रभाव का फीड बैक प्राप्त किया जायेगा । सेवा निवृत शिक्षकों के अतिरिक्त परियोजना के जिलों में साधनसेवियों की सेवायें भी उपर्युक्त कार्यो में ली जायेगी ।

नये जिलों के लिए कार्ययोजना:-

5.5 94-95 में बिहार शिक्षा परियोजना में सात नये जिले गोपालगंज, दरभंगा, कटिहार, साहिबगंज, गाड्डा, पलामू और पटना को लिए जाने से प्रशिक्षण के कार्यभार में वृद्धि होगी । नये जिलों में पटना और पलामू को छोड़कर अन्य जिलों में डायट नहीं हे । इसलिये नये जिलों के प्राथमिक शिक्षकों के लिए प्रत्येक जिलो में सबसे पहले एक उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की जायेगी जिसमें 'बिहार शिक्षा परियोजना एक परिचय' फिल्म दिखाई जायेगी तथा बी.ई.पी. से संबंधत साहित्य वितरित कर उनको बिहार शिक्षा परियोजना की कार्ययोजना के बारे में जानकारी देकर इसके कार्यकलापों से अवगत कराया जायेगा ।

5.6 जिन जिलों में डायट नहीं है उनमें प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय पूर्व से उपलब्धहोने पर उनको डायटो में उत्क्रमित करने हेतु राज्य सरकार से बी.ई.पी. को हस्तानांतरित कराया जायेगा । उन सस्थाओं में भवनों की क्या स्थिति है एवं साज सज्जा एवं उपस्करों की जानकारी प्राप्त कर उनके सुदृढ़ीकरण पर विचार किया जायेगा ।

जहां थोड़ी बहुत मरम्मत से ही भवन काम लायक होगें वहां उनकी मरम्मत करायी जायेगी । शौचालयों की सफाई करायी जायेगी । सबसे पहले प्रशिक्षण पूर्ण रूप से आवासीय हो इसके लिए छात्रावासों को सुसज्जित कर लिया जायेगा । तभी उन संस्थाओं में प्रशिक्षण चालू कराना उपयुक्त होगा। जिन जिलों में प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय नही होगें वहां नई डायट बनाने हेतु स्थान एवं भूमि चिन्हित की जायेगी, जिसमें नई डायट बनायी जा सकें । नये जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षकों एवं अन्य शिक्षा विभाग के निरीक्षी पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण करने के पश्चात ही प्रशिक्षण का कार्यक्रम किया जायेगा।

5.8 यदि किसी जिलें में गेर सरकारी संस्थान होगें तो उनको चिन्हित कर उनमें वांछित योग्यता के

व्यक्ति उपलब्ध होने पर उनसे प्रशिक्षण कराया जायेगा ताकि प्रशिक्षण में भी समाज की भागीदारी सुनिश्चित करायी जा सके ।

क्यों कि डायट में जब नियमित फेकल्टी मेम्बर नियुक्त हो जायेंगे तब डायट में उनकी आवश्यकता कम रह जायेगी । किन्तु बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों की सेवायें प्रशिक्षण के मूल्यांकन में एवं प्रशिक्षण के प्रभाव अध्ययन में ली जायेगी ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ें और बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों पर किया गया खर्च भी व्यर्थ नहीं जाय ।

6. **विशिष्टताएँ**

6.1 वर्ष 1994-95 में शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को सुधारने हेतु एस.सी.ई.आर.टी. का सुदृढ़ीकरण करना अतिआवश्यक है क्योंकि एस.सी.ई.आर.टी. में बिहार शिक्षा परियोजना के माध्यम से साधनसेवियों का प्रशिक्षण होता रहता है ।

प्रशिक्षण के व्यापक स्वरूप एवं शीर्ष संस्था के रूप में सशक्त भूमिका अदा करने के लिए एस.सी.ई.आर.टी. में एक बिहार शिक्षा परियोजना पर्षद का कोषांग बनाने की आवश्यकता है ।

6.2 प्राथमिक विद्यालयों में, बी.ई.पी. के तथा स्वैच्छिक संस्थाओं के हस्तक्षेप से होनेवाले नामांकन वृद्धि को मद्देनजर रखते हुए बिहार के लिए शिक्षादाता योजना बनाई गई है । इस योजना के अंतर्गत सेवानिवृत्त शिक्षक / सरकारी सेवक जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य हों, जो शिक्षा दाता के रूप में कार्य करने को तैयार हो ऐसे व्यक्तियों को भी विद्यालयों में भेजने से पूर्व बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा प्रशिक्षित करना आवश्यक है । अतः उनका प्रशिक्षण आवश्यकतानुसार डायटों में या हमारे साधनसेवियों द्वारा कराया जायेगा । ताकि जिन विद्यालयों में शिक्षक नहीं है या शिक्षकों की कमी है वहां भी हम शिक्षण कार्य सुचारू रूप से सभी बी.ई.पी. जिलों में चला सकेगें और प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण को सफल बना सकेगें ।

7. **प्रतिफल**

7.1 उपर्युक्त कार्ययोजना के आधार पर आशा की जाती है कि बिहार शिक्षा परियोजनान्तर्गत जिलों में एक तिहाई शिक्षकों का प्रशिक्षण पूराकर लिया जायेगा ।

7.2 प्रशिक्षण में वीडीयो मोडयूलों के उपयोग से शिक्षकों के कौशलों के विकास में आशातीत सफलता होगी

7.3 प्रधानाध्यापकों एवं निरीक्षी पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने से प्राथमिक शिक्षा में बेहतर शैक्षिक प्रबंधन सुनिश्चित होगा ।

7.4 बी.ई.पी. जिलों में शिक्षादाता योजना लागू करने से प्राथमिक शिक्षा में छात्रों के नामांकन स्थिरीकरण में सुधार होगा और छीजन में कमी आयेगी ।

7.5 सेवा निवृत शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राचार्या व्याख्याताओं एवं सेवा निवृत माध्यमिक विद्यालयों के अच्छे शिक्षकों का बी.ई.पी. जिलों में होने वाली गुरुगोष्ठियों में आदर्श पाठ के माध्यम से स्कूलों के अध्यापन में गुणात्मक उत्थान होगा ।

प्राथमिक अनौपचारिक शिक्षा

विद्यालयीय शिक्षा सुविधा से वंचित समूहों खासकर अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति एवं कमजोरवर्ग के बच्चे बच्चियाँ अनौपचारिक शिक्षा के लक्ष्य वर्ग है । 6-14 आयु वर्ग के ऐसे बच्चे अनेक कारणों से पूर्णकालिक तौर पर स्कूलों में शिक्षा जारी रखने में असमर्थ होते हैं, उन्हें अंशकालिक अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के माध्यम से सार्थक अधिगम स्थितियों में शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है । प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के प्रयास में अनौपचारिक शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है । इसी दृष्टिकोण से बिहार शिक्षा परियोजना में अनौपचारिक शिक्षा के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है ।

बिहार शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत अनौपचारिक शिक्षा का स्वरूप-

1. लक्ष्यवर्ग-	6-14 आयुवर्ग के विद्यालय के बाहर सुविधा वंचित समूह के बच्चे बच्चियाँ ।
2. केन्द्र स्थापन-	सघनित एवं निकटवर्ती क्षेत्र उपागम के आधार पर-वंचित वर्ग के बस्तियों में ।
3. केन्द्र संचालन-	ख्याति प्राप्त एवं अनुभवी स्वैच्छिक एजेन्सियों एवं महिला समूहों तथा टोला समितियों के माध्यम से ।
4. प्रबंधन-	त्रिस्तरीय- 1. स्वैच्छिक एजेन्सियों महिला समूहों/ टोला समितियाँ । 2. जिला स्तरीय टास्क फोर्स । 3. राज्य स्तरीय टास्क फोर्स ।
5. प्रशिक्षण प्रणाली एवं संचालन-	एन. सी. ई. आर. टी. नई. दिल्ली द्वारा विकसित मॉड्यूल आधारित/ डी. आर. यू. एवं मॉडल स्वैच्छिक एजेन्सियों के द्वारा
7. अनुश्रवण-	महिला समूहों/ग्राम शिक्षा समितियों के द्वारा- केन्द्र से राज्य स्तर सूचना फ्लो प्रणाली ।
8. मूल्यांकन एवं सर्टिफीकेशन-	निर्धारित मानदण्ड के अनुसार ।

उपलब्धि

वर्ष 1991-92 में नवाचारयुक्त प्रयोगात्मक तौर पर माइक्रोप्रोजेक्ट के माध्यम से 7-3 अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र चलाने हेतु स्वैच्छिक एजेन्सियों को अनुदान स्वीकृत किया गया और केन्द्र प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1992-93 में विभिन्न बी.ई.पी. जिलों में ग्राम स्तरीय शिक्षा समितियों एवं स्वैच्छिक एजेन्सियों के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों को संचालन किया गया। वर्ष 93-94 सुदृढ़ीकरण का वर्ष होने के कारण केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की अपेक्षा उनकी गुणवत्ता पर अधिक ध्यान रखा गया और उसी अनुरूप कार्य का विस्तार किया गया।

भौतिक उपलब्धियाँ

विवरण	उपलब्धियाँ 1992-93	93-94 दिसम्बर, 93 तक
1. अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र खुले	1309	2518
2. प्राईमर पुस्तक का वितरण	100000	69594
3. शिक्षार्थी लाभान्वित संख्या	32725	59518
4. की रिसोर्स पर्स प्रकाशित हुए	21	16
5. मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित किए गए	151	59
6. पर्यवेक्षक प्रशिक्षित हुए	57	184
7. अनुदेशक प्रशिक्षित हुए	1100	2246
8. स्कूली शिक्षा की मुख्य धारा में बच्चे प्रविष्ट हुए-	-	725
9. कार्यशालाएं आयोजित	-	3
10. स्वैच्छिक एजेन्सियाँ सक्रिय रूप से संलग्न-	25	58 एजेन्सियाँ

वर्ष 93-94 में निर्धारित लक्ष्य 49 80 है। इसमें से 2518 केन्द्र कार्यरत हो गए है। शेष केन्द्र 31 मार्च, 94 तक कार्यरत हो जाएगें। विलम्ब से लक्ष्य पूर्ति के कारण अच्छी एवं अनुभवी स्वैच्छिक संस्थाओं की पहचान एवं उनका सक्रिय सहयोग सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न चरणों में केन्द्रों की स्वीकृति एवं उनकी स्थापना है। आगामी वर्ष में इसे एक साथ स्वीकृत करने एवं खोलने में तेजी जाएगी।

क्रमशः---3

COVERAGE UNDER NFE-93-94

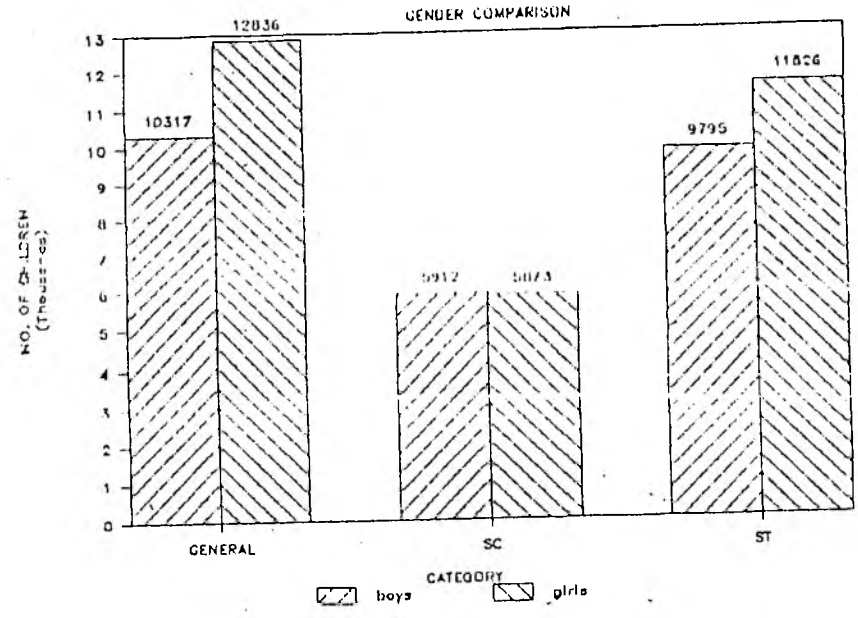

PROGRESS UPTO DEC 1993

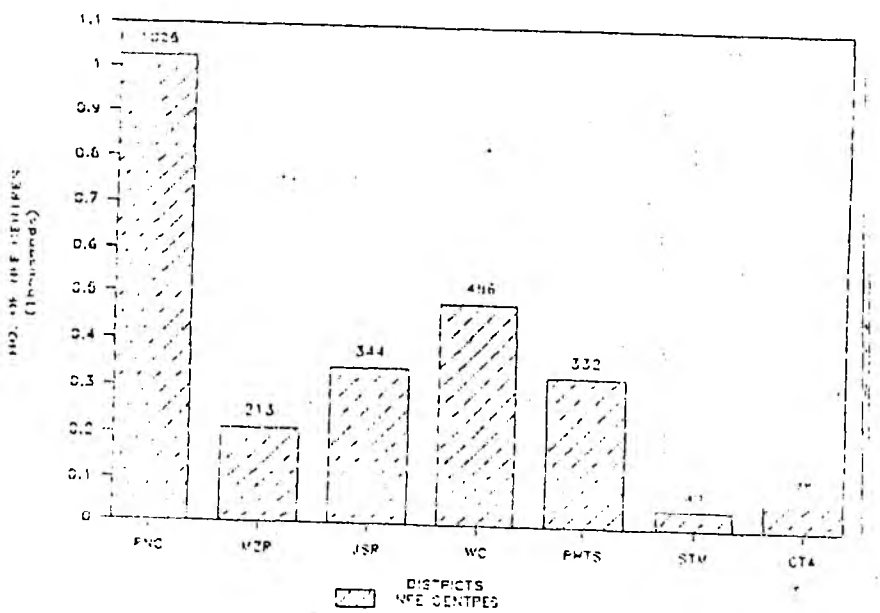

उपलब्धियाँ (गुणात्मक पहलू)

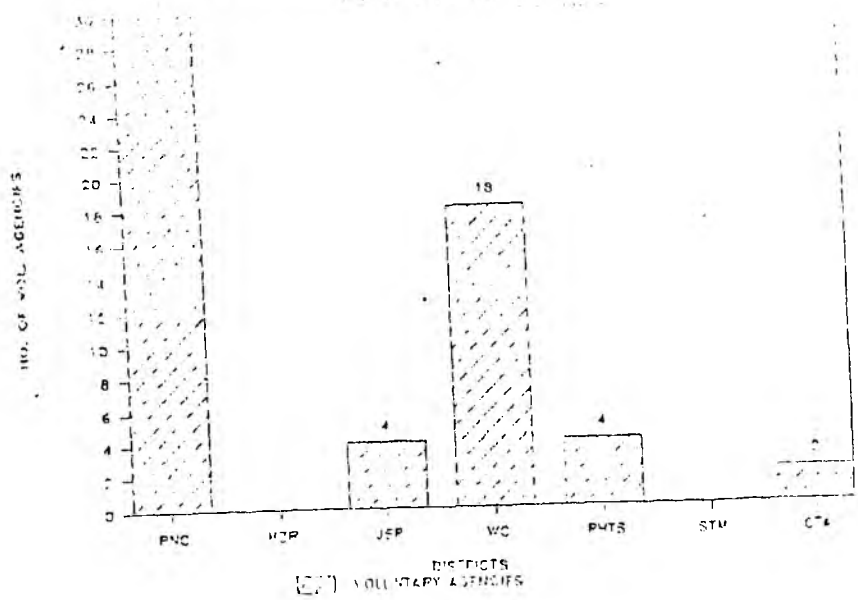

- स्वैच्छिक एजेन्सियों को कार्यक्रम से जुड़ने हेतु उत्प्रेरणा
- केन्द्रों की मोनिटरिंग हेतु कम्प्यूटरीकृत प्रपत्र विकसित एवं प्रणाली में प्रशिक्षण
- अनुदेशक की मासिक बैठकें प्रशिक्षण सत्र के रूप में भी
- डी. आर. यू. को संसाधन सहायता
- डी. आर. यू. की बैठकों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर नियमित चर्चा
- केन्द्रों में खेल विधि से सम्बन्धित अधिगम अनुभव प्रदान करना
- स्वैच्छिक एजेन्सियों को प्रशिक्षण से जोड़ने हेतु नेट वर्क विकसित
- लोक भागीदारी

कार्ययोजना- 94-95

वर्ष 94-95 में 14 बी.ई.पी. जिला में अनौपचारिक शिक्षा 6-14 वर्ष के बच्चे को प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिक करण के अन्तर्गत आच्छादित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी । यद्यपि प्राथमिक औपचारिक शिक्षा के अधीन नामांकन वृद्धि एवं रिटेन्शन में वृद्धि की संभावना है फिर भी लक्ष्य के बड़ी संख्या को अनौपचारिक शिक्षा से आच्छादित करना होगा ।

वर्ष 94-95 में राँची और जमशेदपुर में प्राथमिक शिक्षा की सुविधा सभी बच्चों को उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से अनुपातिक संख्या में केन्द्रों का स्थापन किया जाएगा । अन्य बी.ई.पी. जिलों में केन्द्रों का स्थापन निर्धारित मानदण्ड निकटवर्ती एवं सघनित क्षेत्र आधारित उपागम के आधार पर ही किया जाएगापरन्तु आच्छादन क्षेत्रों में से किसी एक प्रखंड जिसे पूर्ण आच्छादन हेतु चुना जाएगा उसमें केन्द्रों का स्थापन अनुपातिक संख्या में किया जाएगा जिससे एक भी बच्चे शिक्षा सुविधा से वंचित न रहें ।

क्रमशः------5

लक्ष्य	रांची	पलामऊ	रोहतास	मुजफ्फरपुर	सीतामढ़ी	पू. चंपारण	चतरा	कुल
आच्छादन क्षेत्र प्रखंडों की संख्या	20	12	11	8	8	6	5	70
पूर्व के लक्ष्य के वर्ष 93-94 के चालू रखनेवाले केन्द्रों कीसंख्या	1000	1300	800	1100	80	600	100	4980
वर्ष 94-95 में नए खोले जाने वाले केन्द्रों की संख्या-	1000	2000	1000	1100	800	600	500	7000

केन्द्र स्थापन

बी.ई.पी. के सात जिलों के कुल 70 प्रखंडों में विगत वर्षों के लक्ष्य के 4980 केन्द्रों को चालू रखा जाएगा और वर्ष 94-95 में 6500 नए केन्द्रों का स्थापन किया जाएगा । इसके माध्यम से वर्ष 94-95 में कुल 1,62,500 बच्चे प्राथमिक शिक्षा की सुविधा से जोड़े जा सकेंगे ।

बालिकाओं के लिए केन्द्र-

वर्ष 94-95 में खोल जानेवाले नए केन्द्रों में 30% केन्द्र केवल बालिकाओं के लिए उनके क्षेत्र में खोले जाएगें । महिला समाख्या समूह द्वारा इन केन्द्रों को जगजगी केन्द्रों के रूप में भी खोला जा सकेगा ।

क्रमशः----6

मध्यस्तरीय केन्द्र

वर्ष 94-95 में खोले जानेवाले अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में 10% केन्द्र मध्यस्तरीय होंगें और शेष केन्द्र प्राथमिक स्तरीय होंगें । मध्य-स्तरीय केन्द्रों में 11-14 वर्ष के प्राथमिक शिक्षा से वंचित बच्चों को लिया जायेगा । खोले जाने वाले मध्य-स्तरीय केन्द्रों में से आधी संख्या 11-14 वर्ष के बालिकाओं के लिए मध्यस्तरीय बालिका केन्द्र होंगें ।

94-95 में खोलेजानेवाले केन्द्रों का वितरण- प्रकृति के अनुसार

	रांची	प०चम्पा.	रोहतास	मुजफ्फरपुर	सीतामढ़ी	पू. चं.	चतरा	योग
प्राथमिक स्तरीय केन्द्र-	900	1800	900	990	720	540	450	6300
मध्यस्तरीय केन्द्र-	100	200	100	110	80	60	50	700

केन्द्र स्थापन

क्षेत्र विशेष एवं निकटवर्ती क्षेत्र आधारित उपागम के द्वारा सुविधावंचित वर्ग के विशेषकर अनु.जाति अनुसूचित जनजाति एवं कमजोर वर्ग के क्षेत्रों में खोला जाएगा । अगर अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र किसी क्षेत्र में दो वर्षों की अवधि पूरा कर चुका है तथा लक्ष्य वर्ग के बच्चे उपलब्ध नहीं होंगें तो उस केन्द्र को वैसे टोल में स्थानान्तरित किया जाएगा जहाँ बच्चे उपलब्ध होंगें ।

पठन-पाठन सामग्री

- पाठ्यक्रम के अनुसार मुख्य रूप से जन शिक्षा निदेशालय द्वारा विकसित सामग्री का उपयोग किया जाएगा ।
- पूरक पुस्तकें यथा खेल खेल में सीखना,कथा कहानी एवं कार्यकलापों द्वारा सीखने से संबंधित पूरक सामग्री जो डी.आर.यू. द्वारा विकसित होगी उसका भी उपयोग किया जा सकेगा ।

- स्वैच्छिक एजेन्सियों द्वारा विकसित पारिवेशकला शिक्षण सामग्रियों का उपयोग ।
- एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा विकसित उपयोग सामग्रियों के उपयोग पर भी विचार किया जा सके ।

प्रशिक्षण

निर्धारित मानदण्ड के अनुसार सभी कर्मियों को प्रशिक्षित किया जायेगा । प्रशिक्षण हर हालत में भावात्मक होगा और गुणवत्ता कायम रखी जायेगी । प्रशिक्षण डी. आर. यू. एवं स्वैच्छिक एजेन्सियों के माध्यम से होगी ।

कर्मियों का विवरण	प्रशिक्षण के दिवस			
	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीयचरण	कुल
1. पूर्व से चालित केन्द्रों के अनुदेशकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण ।	10 दिन	10 दिन	-	20 दिन
2. नए केन्द्र के अनुदेशकों का प्रशिक्षण	12 दिन	10 दिन	8 दिन	30 दिन
3. पुराने पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	5 दिन	-	-	5 दिन
4. नए केन्द्र के पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण -	12 दिन	-	-	12 दिन
5- की रिसोर्स पर्सन प्रशिक्षण	5 दिन	-	-	5 दिन
6- मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण	5 दिन	-	-	5 दिन

अनुश्रवण

केन्द्र स्तर पर

- संबंधित स्वैच्छिक एजेन्सी द्वारा
- की रिसोर्स पर्सन द्वारा
- मास्टर ट्रेनर द्वारा
- महिला समाख्या कर्मियों द्वारा
- पर्यवेक्षक द्वारा
- ग्राम शिक्षा समिति द्वारा
- बी. ई. ओ. कर्मियों द्वारा

सूचना प्रबंध प्रणाली

कम्प्यूटरीकृत प्रपत्र में सूचना फलों केन्द्र स्तर से जिला स्तर- स्वैच्छिक एजेन्सियों/ ग्रामशिक्षा समितियों/ कोरग्रुप के माध्यम से किया जायेगा ।

क्रमशः----8

समन्वयन

1. जन शिक्षा निदेशालय द्वारा विकसित शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग ।
2. एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली के अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रशिक्षण में सहयोग एवं मार्गदर्शन ।
3. केन्द्रों में बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच हेतु चिकित्सा पदाधिकारी का सहयोग ।
4. डी.आर.यू. की तकनीकी रिसोर्स सपोर्ट एवं संसाधन सहायता ।
5. स्वैच्छिक एजेन्सियों का नेटवर्क ।

अन्य कार्यकलाप

व्यावसायिक शिक्षा सुविधा

10% अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों पर (खासकर बालिका केन्द्रों पर) स्थानीय परिवेश पर आधारित व्यावसायिक कौशल विकास हेतु कार्यक्रम रखा जाएगा शिक्षण के साथ शिक्षार्थी में स्वावलम्बन शिक्षा से सम्बन्धित कौशल विकसित करने के लिए कार्यकलापों का आयोजन किया जाएगा ।

शिक्षण उपादान किट

केन्द्रों में पर्यवेक्षण के समय आवश्यक फीड बैक देने हेतु और उसे सार्थक बनाने हेतु पर्यवेक्षकों को शिक्षण उपादन किट देने का प्रावधान किया जाएगा । किट के अन्तर्गत निम्नांकित सामग्री होगी- स्केचपेन

ड्राइंगसीट
बालगति पुस्तिका
स्केल
पेंसिल
कैंची
रबड़ आदि

पारितोषिक

- 100 केन्द्रों पर 3 अच्छे अनुदेशक विशेष रूप से पुरस्कृत किये जायेंगें ।
- प्रत्येक संस्था के एक अच्छे पर्यवेक्षक को पुरस्कृत किया जायेगा ।
- पुरस्कार की राशि प्रति केन्द्र 500/- रुपये होगी ।

पुरस्कार हेतु चयन का आधार

- नियमित एवं निष्ठापूर्वक केन्द्र संचालन
- बच्चों की उपस्थिति
- न्यूनतम अधिगम स्तर की उपलब्धि
- अन्य कार्यकलाप

क्रमशः-----9

के माता-पिता एक निर्धारित स्थल पर प्रत्येक तीन महीने के अन्तराल पर जमा होंगें और पूर्व निर्धारित निम्नांकित प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेंगें ।-

क. समूह गान
ख. खेल-कूद प्रतियोगिता
ग. बाल गीत प्रतियोगिता
घ- शैक्षिक उपलब्धियों की जाँच
ङ- सांकेतिक पुरस्कार

बाल जुम्बिश प्रारम्भ करने के निम्नांकित उद्देश्य होंगें:-

क- बालकों एवं अनुदेशकों में उत्साह
ख- बच्चों और अनुदेशकों के बीच स्वास्थ वातावरण
ग- न्यूनतम अधिगम स्तर की संप्राप्ति का मूल्यांकन
घ- बच्चों में आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धा
ङ- वातावरण निर्माण एवं लोक भागीदारी
च- सामाजिक चेतना का विकास
छ- व्यक्तित्व का विकास
ज- विचार विनिमय

उपर्युक्त योजना वर्ष 94-95 में प्रथम चरण में पूर्वी सिंहभूम में प्रारम्भ की जाएगी । इसके अनुभव के आधार पर इसको अन्य जिलों में भी लागू किया जाएगा ।

पर्यवेक्षकों के लिए साईकिल

केन्द्रों में पर्यवेक्षण कार्य में गति लाने के दृष्टिकोण से पर्यवेक्षकों को साईकिल उपलब्ध कराया जाएगा । साईकिल के लिए ऋण की कटौती अनुदेशकों को मानदेय से 12 किश्तों में की जा सकेगी ।

मूल्यांकन

सेमेस्टर के अनुसार केन्द्रों में बच्चों की उपलब्धि का सतत् मूल्यांकन होगा । सत्रांत मूल्यांकन भी कराया जाएगा । मूल्यांकन का कार्य स्वयंसेवी संस्था स्वयं करेगी । परियोजना स्तर पर उसका संधारण किया जाएगा एवं तदनुसार

क्रमशः------ 11

स्वास्थ्य कार्यक्रम

वर्ष 94-95 में अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र के बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जाँच के लिए कार्यक्रम तैयार किया जाएगा । स्वास्थ्य विभाग के स्थानीय सहयोग से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का कार्यान्वयन किया जायेगा । इसके प्रत्येक जिला में स्वैच्छिक संस्था के स्तर पर समन्वित कार्यक्रम तैयार किया जाएगा ।

शोध एवं सामग्री विकास

1. अनौपचारिक शिक्षा में नवाचार विषयक प्रयोग हेतु फेलोशिप प्रदान की जाएगी और उसके लिए आर्थिक अनुदान स्वीकृत किया जाएगा ।

2. वर्तमान में चल रहे पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन कर आवश्यकतानुसार ब्रीज सामग्री तैयार करने हेतु डी.आर.यू. को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी । डी.आर.यू. की पूरक सामग्री विकसित करने हेतु भी कार्यशालाओं के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी ।

3. जिला स्तर पर भी अनौपचारिक शिक्षा से सम्बंधित उपयोगी कार्यशालाएँ आयोजित की जाएगी ।

वर्कशेड

सुदूर इलाके जहाँ पर अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र चलाने के लिए जगह उपलब्ध नहीं हो सकेगा । वहाँ पर भागीदारी से वर्कशेड का निर्माण करवा जाएगा ।

लक्ष्य

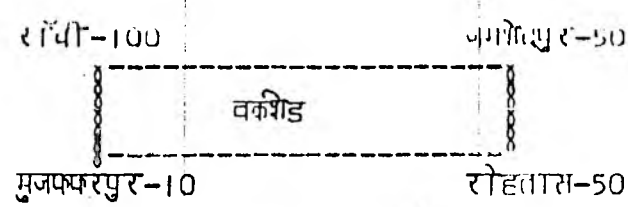

बाल भागीदारी

अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के बच्चों, अनुदेशकों एवं ग्रामीणों में उत्साह एवं शैक्षिक माहौल पैदा करने एवं कार्यक्रम के प्रति अपनापन का भाव विकसित करने के लिए आस-पास के चार या पाँच केन्द्र के बच्चों अनुदेशकों, बच्चों

क्रमशः---10

फीड बैक लिया जाएगा । केन्द्रीय रूप में प्रश्न बैंक भी तैयार किया जा सकेगा ।

94-95 कार्य योजना एक नजर

भौतिक आवश्यकता 94-95	पुराने बी.ई.पी. जिलों में संख्या
1- पूर्व से लक्ष्य अनुसार केन्द्रों को वर्ष 94-95 में चालित रखना-	4980
2- नए अनौपचारिक केन्द्र खोलना (प्राथमिक स्तरीय)	6300
3- नए अनौपचारिक केन्द्र खोलना (उच्चस्तरीय)	700
4- पूर्व के अनुदेशकों को प्रशिक्षित करना 20 दिवसीय	4980
5- नए अनुदेशकों को प्रशिक्षित करना 30 दिवसीय	7700
6- मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण	280
7- को रिसोर्स पर्सन प्रशिक्षण	70
8- कार्यशाला-	210
9- पर्यवेक्षकों की संख्या-	70

गुणात्मक क्षेत्र - 94-95

1. स्वैच्छिक एजेन्सियों की सक्रिय भागीदारी
2. बालिकाओं के लिए 30% केन्द्र
3. जगजगी केन्द्र बालिकाओं के लिए
4. न्यूनतम अधिगम स्तर की संप्राप्ति सुनिश्चित करना
5. गुणवत्ता आधारित प्रशिक्षण (हर स्तर पर आवासीय प्रशिक्षण)
6. लोक भागीदारी के लिए पहल
7. पूरक पठन पाठन सामग्री का उपयोग

क्रमश:-----12

8. नवाचार विषयक प्रयोग के अवसर

9. सतत प्रशिक्षण

10. सतत् मूल्यांकन एवं प्रश्न बैंक

विशेषताएँ 94-95

1. परिवेश जन्य व्यावसायिक शिक्षा का समावेश

2. बालिकाओं के लिए विशेष केन्द्र और उनके लायक शिक्षण सामग्री का उपयोग

3. पुरस्कार योजना

4. बाल [illegible] योजना

5. [illegible] का [illegible] प्रशिक्षण की व्यवस्था ।

अनौपचारिक शिक्षा का बी. ई. पी. में प्रबंधन

मॉडल-1

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित केन्द्रों के लिए

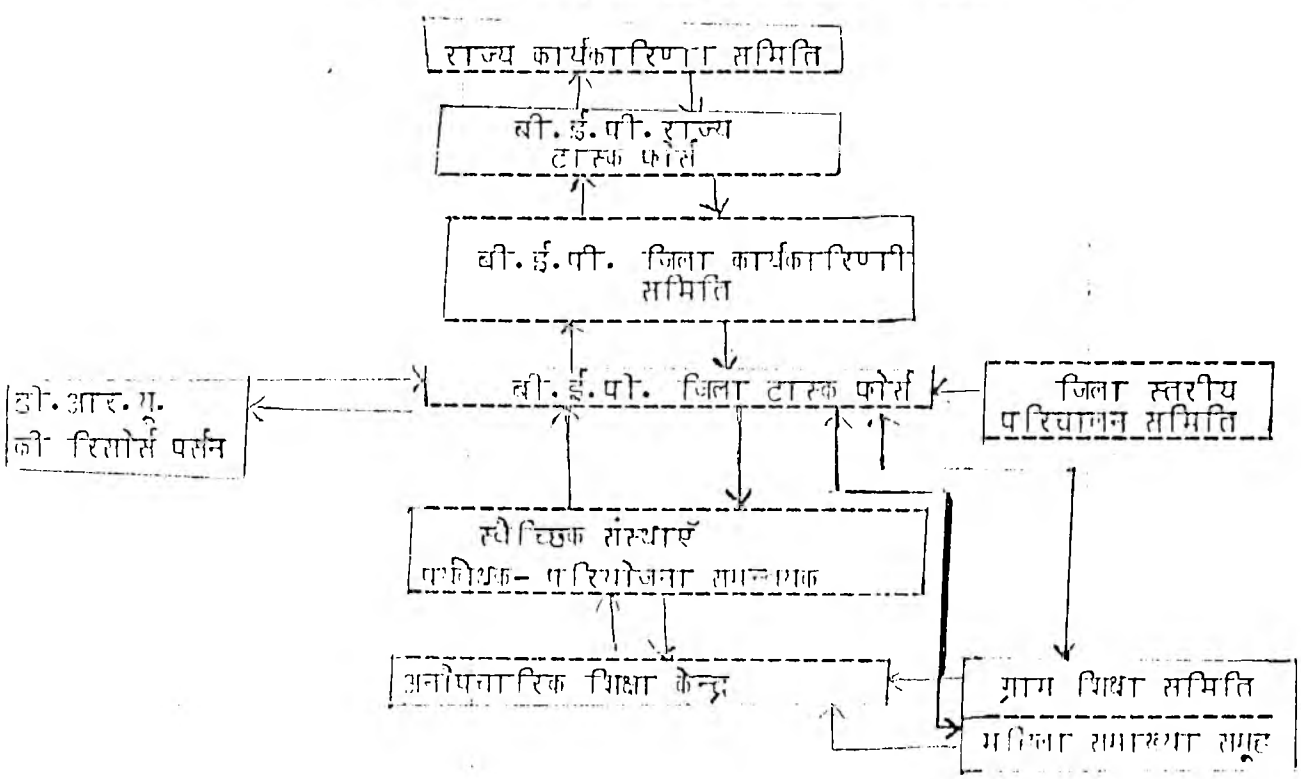

क्रमश-----13

मॉडल-2 टोला समिति/ ग्राम शिक्षा समिति द्वारा संचालित केन्द्रों के लिए
§ मुजफ्फरपुर मॉडल §

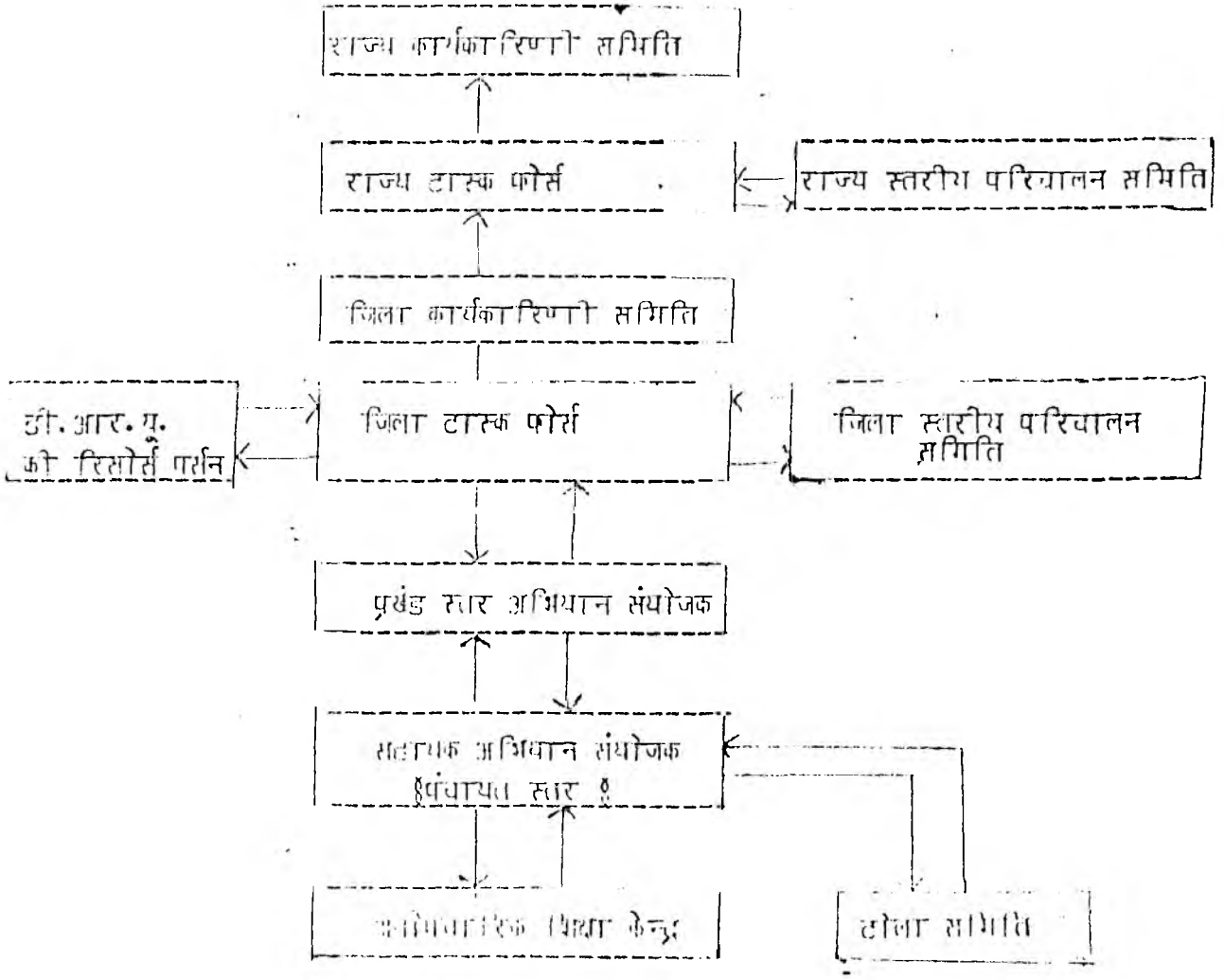

क्रमशः-------14

प्रतिफल

वर्ष 94-95 में कार्यालय का कार्यान्वयन से अपेक्षात्मक शिक्षा के क्षेत्र में निम्नांकित प्रभाव परिलक्षित होंगे:-

1. कार्यक्रम के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा
2. लोक भागीदारी से ग्रामीणों में आत्म विश्वास बढ़ेगा
3. बच्चों एवं अनुदेशकों में आगे बढ़ने की प्रवृत्ति का उदय
4. अभिभावकों में शिक्षा के प्रति जागरूकता
5. छीजन दर में कमी आएगी
6. प्रशिक्षण एवं पठन पाठन पद्धति में नवाचार आएगा ।

बी. ई. पी. के अन्तर्गत 94-95 के लिए चयनित नए जिलों में कार्यक्रम

कार्यकलाप

- वातावरण निर्माण- कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, संवाद
- स्वैच्छिक एजेन्सियों की पहचान एवं उनके साथ संवाद/ बैठकें
- प्रत्येक जिला में स्वैच्छिक एजेन्सी के साथ नेटवर्क स्थापित करना
- स्वैच्छिक एजेन्सियों के माध्यम से केन्द्र स्थापना एवं संचालन

लक्ष्य

विवरण	पटना	दरभंगा	गोपालगंज	कटिहार	पलामू	साहेबगंज	गोडडा	कुल
आच्छादित किए जानेवाले प्रखंडों की संख्या-	5	3	3	3	5	3	3	25
खोलेजाने वाले केन्द्रों की संख्या-	500	300	300	300	500	300	300	2500
की रिसोर्स पर्सन प्रशिक्षण	5	5	5	5	5	5	5	35
मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण	15	15	15	15	15	15	15	105
पर्यवेक्षक प्रशिक्षण	50	30	30	30	50	30	30	250

क्रमशः----15

वर्ष 94-95 में नए सात जिलों के कुल 25 प्रखंडों में 2500 अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों को ख्याति प्राप्त एवं अनुभवी स्वैच्छिक एजेन्सियों के माध्यम से खोला जायेगा और उनका संचालन किया जाएगा । इससे कुल 62,500 बच्चे लाभान्वित होंगे ।

बि.शि.प. के अन्तर्गत अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों द्वारा आच्छादित प्रखंड (पुराने जिले)

1. राँची — सभी 20 प्रखंड

2- रोहतास —
- सासाराम
- शिवसागर
- करगहर
- कोचस
- नौहट्टा
- चेनारी
- रोहतास
- डेहरी
- नोखा
- शिवसागर
- कोरीगोला

क्रमश:----16

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration,
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
D-8264
Date 05-10-94

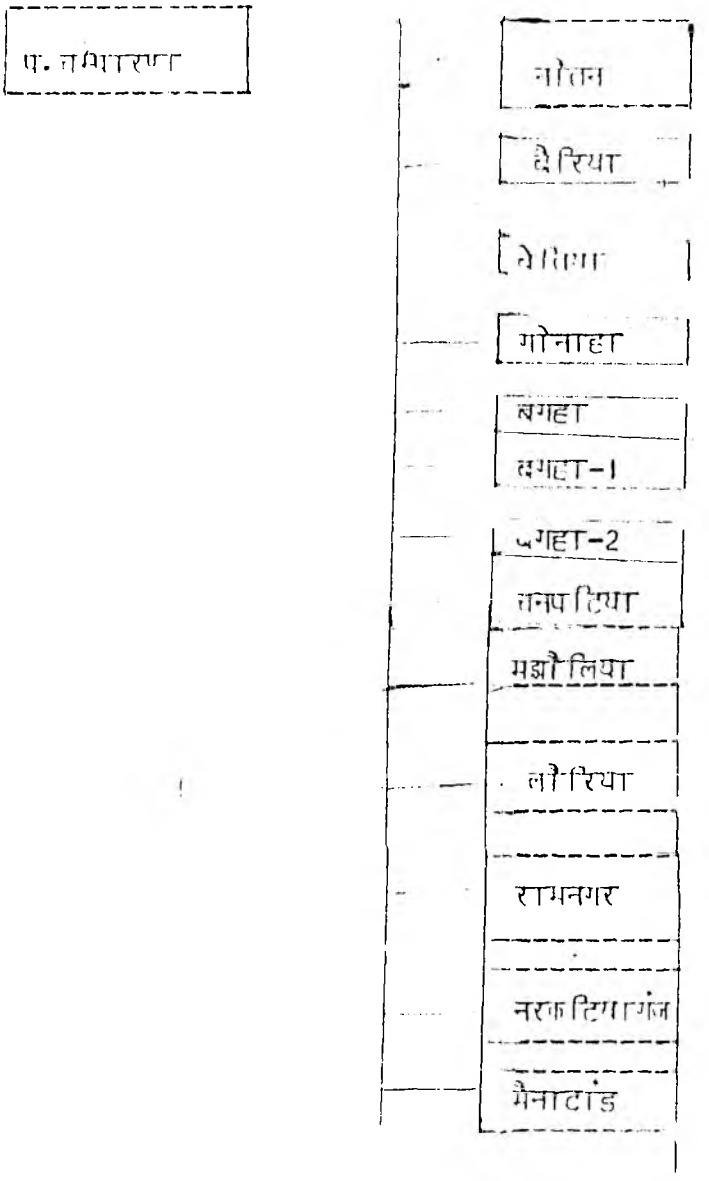

3- प. चम्पारण

- नौतन
- बैरिया
- बेतिया
- गौनाहा
- बगहा
- बगहा-1
- बगहा-2
- चनपटिया
- मझौलिया
- लौरिया
- रामनगर
- नरकटियागंज
- मैनाटांड

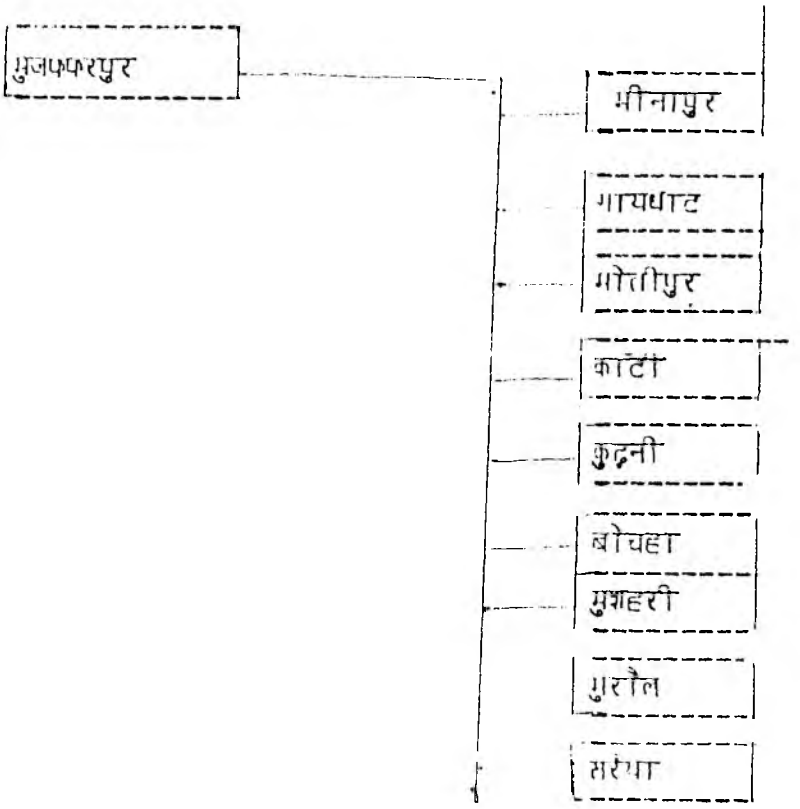

4. मुजफ्फरपुर
   - मीनापुर
   - गायघाट
   - मोतीपुर
   - कांटी
   - कुढ़नी
   - बोचहा
   - मुशहरी
   - गुरौल
   - सरैया

5. सीतामढ़ी
   - रीगा
   - मेजरगंज
   - सोनबरसा
   - बथनाहा
   - रुन्नी सैदपुर
   - बेलसंड
   - डुमरा
   - परिहार

क्रमश---18

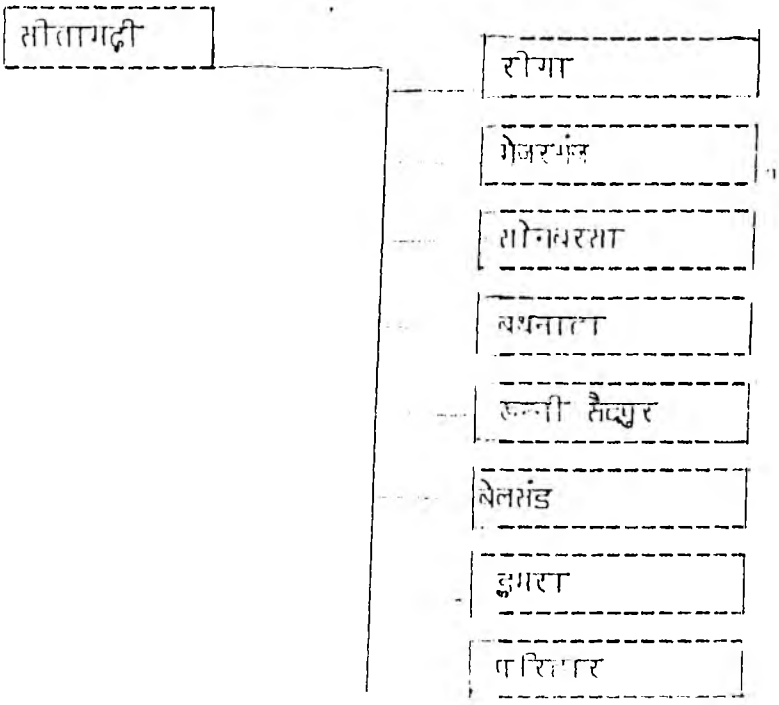

6- पू. सिंहभूम

- बहरागोरा
- चाकुलिया
- घाटशिला
- पोटका
- पटमदा
- धालभूमगढ़
- डुमरिया
- मोसाबनी

7- चतरा

- हन्टरगंज
- प्रतापपुर
- सिमरिया
- चतरा
- इटखोरी

महिला समाख्या

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में शिक्षा के माध्यम से महिलाओं की स्थिति में मौलिक परिवर्तन लाने का उल्लेख किया गया है । "महिला समाख्या" " महिला समानता हेतु शिक्षा " को मूर्त रूप देने की दिशा में एक चुनौती के रूप में उभरी है । बिहार शिक्षा परियोजना में महिला समाख्या कार्यक्रम को एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में स्वीकारा गया है ।

महिला समाख्या सिर्फ एक विकास एवं शैक्षिक कार्यक्रम नहीं है, वरन यह एक ग्रामीण स्तरीय महिला आंदोलन है । इस आंदोलन का लक्ष्य है – महिलाओं को शिक्षा एवं सशक्तिकरण :

मूल उद्देश्य

- महिलाओं की आत्मशक्ति और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना ।
- महिलाओं में जागृति लाना ।
- महिलाओं को समानता की दिशा में एक नई पहचान देना ।
- समाज में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना ।
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना ।
- शिक्षा एवं अन्य सामाजिक विकास की प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रियता बढ़ाना ।

स्त्री-पुरुष अनुपात

1901-91

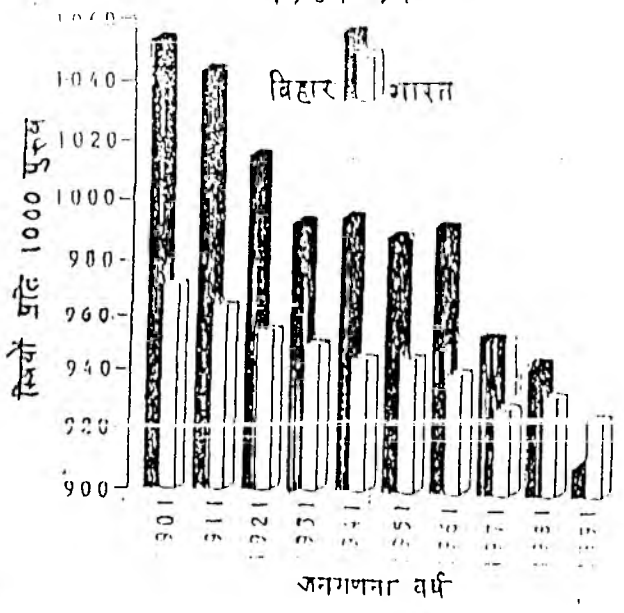

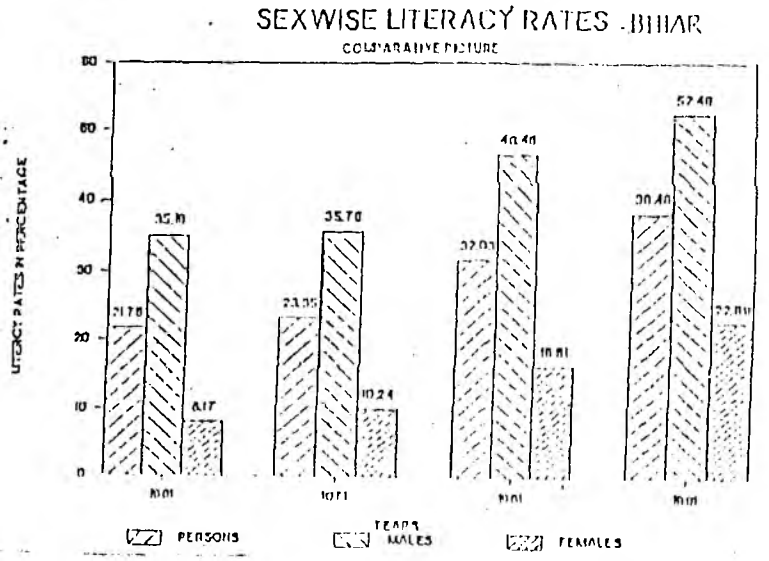

SEXWISE LITERACY RATES -BIHAR

स्त्री पुरुष अनुपात को वर्ष 1991 तक देखने से यह स्थिति स्पष्ट होती है कि 1901 से 1991 तक लगातार पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों की संख्या से घटती चली जा रही है । महिलाओं में साक्षरता का प्रतिशत भी पुरुषों के मुकाबले बहुत कम है जिससे यह पता लगता है कि बिहार में स्त्रियों की हर क्षेत्र में अवहेलना की गई है ।

बिहार में लिंग विभेद एक बड़ी समस्या है । लिंग विभेद के कारण विकास के किसी भी क्षेत्र में महिला तथा पुरुष में समानता नहीं है । यही विभेद प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के नामांकन दर में भी दृष्टिगत होती है । इसे दूर करने एवं सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं को सजग और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला समाख्या कार्यक्रम अप्रैल, 1992 में प्रारम्भ किया गया । वर्ष 1992-93 में मूल तत्वों को विकसित कर प्रक्रिया-विकास पर बल दिया गया तथा म.स. समूहों को गठित करने की प्रक्रिया शुरू की गई जो महिला समाख्या का सबसे महत्वपूर्ण कार्य-कलाप है ।

वर्ष 1993-94 की उपलब्धियाँ

महिला समाख्या कार्यक्रम की विवेचना करते समय निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान देना उचित होगा -

१- महिला समाख्या कार्यक्रम को एक सामाजिक कार्यक्रम के रूप में देखना होगा, यह कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं में गतिशीलता लाने का एक प्रयास है ।

२- महिला समाख्या कार्यक्रम प्रक्रिया केन्द्रित होने के कारण इसमें संख्यात्मक लक्ष्य के बजाय परिणात्मक लक्ष्य रखे गये हैं ।

१- महिला समाख्या जिला स्तर की स्थापना एवं सुदृढीकरण :

वर्ष १९९२-९३ में बिहार शिक्षा परियोजना के चार जिलों- रोहतास, रांची, सीतामढ़ी और पश्चिम चम्पारण में कार्य आरम्भ किया गया । वर्ष १९९३-९४ में इन चार जिलों में महिला समाख्या कार्यक्रम के लिये चयनित सभी गांवों को कार्यक्रम से आच्छादित किया गया । मुजफ्फरपुर तथा पूर्णिया जिलों में जो द्वितीय चरण के जिले हैं, वहां जुलाई १९९३ में सहयोगिनी चयन एवं प्रशिक्षण का कार्य पूरा किया गया और ८० गांवों में कार्य प्रारम्भ किया गया । मार्च १९९४ तक चयनित सभी १६० गांव आच्छादित हो जायेंगे । वर्ष १९९३-९४ की कार्य योजना में कुल ९४० गांवों तक इस कार्यक्रम को पहुंचाने का लक्ष्य था, लेकिन गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए तथा महिलाओं की "समय और गति" को देखते हुए कार्यक्रम को ८३५ गांवों तक ही सीमित करना पड़ा ।

जिला	परखण्ड	आच्छादित गांव
रांची	३	१५०
रोहतास	१	१६०
पश्चिम चम्पारण	२	१६२
सीतामढ़ी	१२	१२०
मुजफ्फरपुर	३	८०
जमशेदपुर	१	१६३
चतरा	२	२००

चतरा में महिला समाख्या कार्यक्रम दिसम्बर, १९९३ से प्रारम्भ हुआ ।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा गैर- बिहार शिक्षा परियोजना जिलों में महिला समाख्या कार्यक्रम का आच्छादन

जिला	परखण्ड	गांव
बोकारो	गोमिया	५०
समस्तीपुर	रोसड़ा	५०

२- प्रशिक्षण :

प्रशिक्षण महिला समाख्या कार्यक्रम का अति महत्वपूर्ण अंग है । वर्ष १९९३-९४ में हर स्तर को महिला समाख्या कर्मियों के लिये आरम्भिक तथा सतत् प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया और इसमें काफी सफलता भी मिली । जिला कोर टीम और सहयोगिनियों के कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम देश के अन्य राज्यों के विशेषज्ञों द्वारा सम्पन्न हुए । अन्य प्रशिक्षण कार्य जिला तथा राज्य स्तर पर आयोजित किये गये । जिसमें महिला समाख्या कर्नाटक, महिला समाख्या उत्तर प्रदेश और अन्य अनुभवी प्रशिक्षिकाओं ने योगदान दिया ।

प्रशिक्षण कार्य १९९३-९४

क्रम संख्या	कोटि संख्या	प्रशिक्षण की अवधि (दिनों में)
१	जिला कोर टीम - २०	२०
२	सहयोगिनी - ९०	३०
३	सखी - ८७१	५
४	सहेली - १२५	१५

३- "जागृति"

बालिका एवं महिला शिक्षा की दिशा में एक प्रयास :

महिला समाख्या में साक्षरता एवं शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है । महिला समाख्या के शिक्षा प्रयासों को एक रोचक और सार्थक नाम दिया गया है "जागृति" अर्थात् समाज में दबी हुई महिला तथा बालिका जगत को शिक्षा से जगाना ।

१९९३-९४ में "जागृति" केन्द्रों का शुभारम्भ किया गया और केन्द्रों के अनुदेशिका के रूप में सहेलियों के चयन और प्रशिक्षण चल रहा है ।

१९९३-९४ जगजगी उपलब्धि

जिला	प्रशिक्षित सहेली ।	जगजगी केन्द्रों में बालिकाएं ।	जगजगी केन्द्रो में महिलायें ।
रोहतास	२७	३६३ १३ (लड़के)	२४०
पश्चिमचम्पारण	२८	४६५	१३७
सीतामढ़ी	३३	६००	
रांची	३६(प्रशिक्षण जारी)	सेन्टर मार्च में प्रारम्भ किया जायेगा ।	-
मुजफ्फरपुर	२६ (चिन्हित)	-	-
पूर्वी सिंहभूम	३० (चिन्हित)	-	

बालिकाओं के नामांकन हेतु महिला समाख्या द्वारा प्रशंसनीय काम हुआ है । प्रत्येक सहयोगिनी, सखी एवं समूह नामांकन को एक अभियान मानकर इस प्रयास में कार्यरत है ।

महिला समाख्या संसाधन केन्द्र :

वर्ष १९९३-९४ में राज्य स्तर पर तथा रांची, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चम्पारण तथा सीतामढ़ी जिलों में महिला समाख्या संसाधन केन्द्रों को स्थापित कर लिया गया है । इन संसाधन केन्द्रों में महिलाओं का प्रशिक्षण सतत् शिक्षा, विकास और जागृति के लिये उपयुक्त वातावरण का निर्माण किया गया है और उन्हें सम्बन्धित सामग्रियां यथा -पुस्तकें, औडियो, विडियो कैसेट इत्यादि उपलब्ध करायी जाती है ।

५- महिला कुटीर :

१९९३-९४ की कार्य -योजना के अनुसार महिला कुटीर निर्माण जमीन की अनुपलब्धता के कारण नहीं हो पाया । महिलाओं के निरन्तर प्रयास एवं जिला प्रशासन के सहयोग से प्रथम चरण के चारो जिलों में करीब ७० गांवों में भूमि उपलब्ध कराने का प्रयास चल रहा है और १५ गांवों में लिखित रूप से महिला कुटीर निर्माण हेतु भूमि प्राप्त हुआ है । इन गांवों में कुटीर निर्माण शर्तों को पूरा करने तथा निर्माण कार्य प्रारम्भ करने में महिला समूह का प्रयास जारी है ।

६- महिला शिक्षण केन्द्र :

ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये महिला शिक्षण केन्द्र की स्थापना करने की योजना है । वर्ष १९९३-९४ में विभिन्न स्थानों पर महिला शिक्षण केन्द्र की स्थापना के लिये स्वैच्छिक संस्थाओं को चिन्हित कर लिया गया है तथा महिला शिक्षण केन्द्रों को प्रारम्भ करने हेतु सदस्यों के प्रशिक्षण की कार्यवाही जारी है । अप्रैल १९९४ में ये महिला शिक्षण केन्द्र कार्य करना प्रारम्भ कर देंगे ।

महिला शिक्षण केन्द्र

जिला	स्थान	संस्था
१- रांची	गडमो (मांडर)	महिला समाख्या जिला कोर टीम
२- प०चम्पारण	फकोराना (बेतिया)	संत मेरी आरफनेज
२- रोहतास	तिलौथू	तिलौथू महिला मण्डल
४- हजारीबाग (डी०आर०यू०)	चौपारण	नवभारत जागृति केन्द्र
५- जमुई (डी०आर०यू०)	जमुई	श्रम भारती, खादी ग्राम
६- समस्तीपुर	रोसड़ा	- समुदाय -

महिला समाख्या:प्रगति की ओर बढ़ते कदम

वर्ष 1993-94 की कुछ

उपलब्धियाँ

जिला	प्रखण्ड	आच्छादित गाँव	सहयोगिनी	सखी	म.समूह	समूह में महिलाओं की संख्या	बचत कोष	सहेली	जगजगी केन्द्रों में बालिकायें	जगजगी केन्द्रों महिला
1. रांची	3	150	14	203	97	1464	15	39 पु0 जारी		
2. रोहतास	1	160	16	200	149	2490	10	27	406	240
3. प. चम्पारण	2	162	15	161	152	1595	35	26	495	137
4. सीतामढ़ी	12	120	12	205	120	1527	21	33	900	x
5. मुजफ्फरपुर	3	80	16	62	69	1304	7	29 पु0 जारी	-	-
6. पू. सिंहभूम	1	163	16	40	61	2220	5	30 पु0 जारी	-	-
x 7. पतरा	2	दिसम्बर,93 से म0 स0 कार्यक्रम की गतिविधियाँ जारी है।								

इन महिला शिक्षण केन्द्रों में विशेषतः महिलाओं तथा लड़कियों को पढ़ाने की व्यवस्था होगी जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया है, बेसहारा है, पढ़ने की इच्छुक है तथा नेतृत्व की क्षमता वाली नजर आती है । भविष्य में यह महिलाएं तथा लड़कियां विभिन्न जिलों के महिला समाख्या तथा अन्य कार्यक्रम की बागडोर सम्भालने में तो सक्षम होंगी ही, साथ ही महिलाओं के सशक्तिकरण की सफलता के लिये एक जीता- जागता उदाहरण होंगी ।

महिला शिक्षण केन्द्र का विस्तृत पाठ्यक्रम अनेक चरणों पर कार्यशालाओं का आयोजन करावे विकसित कर लिया गया ।

महिला शिक्षण केन्द्र

पाठ्यक्रम के मूल बिन्दु

१- (क) औपचारिक पठन-पाठन (निरक्षरों के लिये)
   (ख) क्षोजनग्रस्त (प्रा०वि०) शिशिक्षुओं के लिये कक्षा VII स्तर तक की उपलब्धि ।
२- स्वास्थ्य शिक्षा
३- महिला और कानून
४- सामाजिक विश्लेषण
५- पर्यावरण
६- अभिव्यक्ति और कला
७- बिहार शिक्षा परियोजना एवं शैक्षणिक क्रिया-कलापों की जानकारी ।
८- व्यवसायिक कुशलता
९- सजगता एवं कौशल आधारित शिक्षा
१०- बचत समिति । सहकारी समिति सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ नेटवर्क । संगठन एवं नेतृत्व ।

७- डाक्यूमेन्टेशन । प्रकाशन (प्रशिक्षण सामग्रियों की तैयारी)

१९९३-९४ में निम्नलिखित बिन्दुओं पर पहल किया गया :-

- सहयोगिनियों और जिला कोर टीम द्वारा मासिक प्रगति प्रतिवेदन की प्रस्तुती ।
- गांव अध्ययन, स्कूल निरीक्षण और अन्य सर्वे रिपोर्ट की तैयारी ।
- विशेष कार्यक्रमों (सम्मेलन, कार्यशाला इत्यादि) का रिपोर्ट ।
- प्राप्त अनुभवों, सच्ची घटनाएं और स्वरचित गांवों का संकलन (काम जारी है) ।
- जिला महिला समाख्या इकाई द्वारा मासिक न्यूज बुलेटिन का प्रकाशन । पश्चिम चम्पारण से अलावा ८ बुलेटिनों का प्रकाशन हुआ है और अन्य जिलों में ९४ जनवरी से इस दिशा में काम जारी है ।
- राज्य और जिला स्तर पर महिला सम्बन्धी पोस्टर, फोल्डर इत्यादि का मुद्रण ।
- महिला समाख्या के विशेष कार्यक्रमों की विडियोग्राफी और फोटो डाक्यूमेन्टेशन ।
- प्रशिक्षण सामग्री की तैयारी : एक "फोटो लेंग्वेज" प्रशिक्षण सामग्री के रूप में तैयार किया जारहा है ।

८- सामाजिक मुद्दों पर महिला समाख्या की उपलब्धी ।

आलोच्य वर्ष १९९३-९४ में महिला समूहों ने सामाजिक -आर्थिक मुद्दों पर अपनी आवाज उठाकर प्रत्येक जिले में अपनी एक पहचान कायम की है । यह महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ते चरण का द्योतक है । जो मुद्दे उठाये गये उनमें प्रशासनिक, सामाजिक तथा राजनैतिक स्तर पर काफी सफलता प्राप्त हुई है तथा स्थिति में बदलाव आने की भी सम्भावना है ।

संगठित शक्ति का एहसास

एक नई अनुभूति

वम्बर की नरम ठंडक, पटना का वातानुकूलित विशाल श्रीकृष्ण मेमोरियल
ाल, सभी बिहार शिक्षा परियोजना जिलों के हस्तकला एवं शिल्प की प्रदर्शनी,
ात जिलों के कोई 1400 ग्रामीण महिलायें अपनी सभी भ्रान्तियों को तोड़कर
टना आई ----कइयों ने आते समय गंगा मैया को प्रणाम किया ... कइयों
पहली बार किसी शहर को देखा ... लेकिन सब कुछ कितना संतुलित कितना
ासनमय, कितना लयात्मक,

11-00 बजे दिन 4 नवम्बर महामहिम राज्यपाल का आगमन....
नका ओजस्वी भाषण ... महिलाओं का तन्मय होकर सुनना ... पहली
ार स्वतंत्रता का ऐसा अनुभव ... सब कुछ अपूर्व, सब चमत्कारी, हम अकेले
हीं हैं ... सामूहिक शक्ति हमारी पहचान है ।

फिर आई बारी लय और ताल की ... सुर की ... बिना किसी वाद्य के
कइसे जाइब बिना दिया बाती के'' और गूंजा श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल,
द बिहार में ही यह हो सकता था - यहाँ की संस्कृति में रचा बसा है
जातित्र तथा नारी पुरुष की समानता का भाव ... सिर्फ आवश्यकता है पुराने
दिनों को फिर से दुहराने की ...

शिक्षा मंत्री, डा० रामचन्द्र पूर्वे तथा शिक्षा सचिव, श्री एन.के.अग्रवाल
ी ... उसी भावना में ओत-प्रोत हो गये ।

ने लोगों का रहना-खाना, देख-भाल सभी कुछ ठीक-ठाक एक नई उपलब्धि
बिहार शिक्षा परियोजना के प्रबन्धन इतिहास में ... समर्पित,
ामूहिक प्रयासों की इतिहास में ।

अभी और आगे जाना है ... और महिलाओं को जोड़ना है...
जिलें और भी हैं ...

महिला समाख्या द्वारा लिये गये मुख्य मुद्दे ।

जगजगी केन्द्रों के द्वारा साक्षरता शिक्षा

महिला समूह द्वारा ग्राम शिक्षा समिति का गठन ।

वन संरक्षण

न्यूनतम मजदूरी

जन वितरण प्रणाली में अनियमितता

प्राथमिक विद्यालयों की मोनिटरिंग

स्कूल में बच्चियों का नामांकन एवं उनका स्थिरीकरण

टीकाकरण

महिलाओं के प्रति अत्याचार उत्पीड़न, बलात्कार आदि

पेय-जल, सड़क आदि

भूमि सम्बन्धी/कानूनी मुद्दे

9- कार्यशाला / कैम्प :

मुद्दों पर आधारित अनेक कार्यशालाओं का आयोजन जिला स्तर पर तथा प्रखण्ड स्तर पर वर्ष १९९२-९३ में किया गया :

महिलाओं को अब अपेक्षा है कि उन्हें उनसे सम्बन्धित मुद्दों पर और अधिक जानकारी मिले तथा सम्बन्धित साहित्य मिले ।

१९९३-९४ में आयोजित कार्यशालाओं के विषय :

पंचायती राज कानून की जानकारी, भाषा सुधार, पर्यावरण, स्वास्थ्य ।

10- राज्य स्तर पर महिला समाख्या सम्मेलन:

बिहार शिक्षा परियोजना में पहली बार महिला समाख्या का सम्मेलन पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 04-05 नवम्बर, 1993 को आयोजित किया गया । इसमें ग्रामीण क्षेत्रों के 1400 महिलाओं ने बिहार शिक्षा परियोजना के सात जिलों से भाग लिया । इतने बड़े पैमाने पर कोई सम्मेलन पहली बार बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित किया गया ।

इस सम्मेलन के पश्चात बिहार शिक्षा परियोजना जिलों में महिला समाख्या कार्यक्रम की विश्वसनीयता और मजबूती बढ़ी है ।

" जागरण का पहिया "

एक समय ऐसा था जब हम महिलायें घर से बाहर नहीं निकलती थीं । सभायें, बैठक, जुलूस, सामाजिक क्रिया-कलापों आदि ये सब पुरुषों की दुनिया में होती हैं, ऐसी हमारी समझ थी । तब आई महिला समाख्या, एक सुनहला अवसर । हम, शिक्षक, विरोध सभी तोड़कर हम महिलायें घर के चौखट से बाहर आईं । आस-पास के गांवों की ओर चलीं । महिलाओं को महिला समाख्या का संदेश बताई, समझाई तो महिला समूहों में उन्हें एक साथ लाना प्रारम्भ किया । गांवों की संख्या बढ़ती गई, महिलाओं की सक्रियता और उमंगें भी बढ़ गई, अब गांव-गांव पैदल घूमकर संगठन का काम करना असम्भव महसूस होने लगा । साइकिल क्यों नहीं चलाई । अब आई दूसरी चुनौती । फेंको झिझक को दूर और लिया निर्णय साइकिल चलाने का, क्यों न बढ़ायें अपना आत्मविश्वास ?

11 – सहयोगिनियों की साइकिल मुहिम:

करीब सभी बिहार शिक्षा परियोजना जिलों की अधिकांश सहयोगिनियों ने यह निर्णय लिया कि वे साइकिल का इस्तेमाल करेंगी ताकि आसानी से संकुल में सभी गांवों में सम्पर्क कायम रखा जा सके तथा तेजी से महिला समाख्या के सभी आयामों को महिला समूहों तक पहुंचाया जा सके । ग्रामीण महिलाओं की परिवर्तित अभिवृत्ति का प्रतीक ।

कार्य-योजना – 1994-97 एक परिदृश्य

महिला समाख्या में अभी तक प्राप्त अनुभवों के आधार पर वर्ष १९९७ तक लक्ष्य और क्रियाकलापों को सम्भावित रूप रेखा आंकने पर सम्भावनाएं सामने आती है । महिला समाख्या कार्यक्रमों को – बनाकर क्रियान्वित – नहीं करना चाहिये बल्कि उन्हें धीरे-धीरे विकसित होना चाहिये । १९९४-९५ में महिला समाख्या कार्यक्रम का बाह्य मूल्यांकन किया जायेगा । मूल्यांकन के निष्कर्षों के आधार पर नये जिलों में महिला समाख्या कार्यक्रम को क्रमबद्ध रूप से कार्यान्वित करना लाभदायक रहेगा तथा पुराने जिलों में चल रहे कार्यक्रमों का आवश्यकतानुसार संशोधन किया जायेगा ।

क: जिलों में जहां पर महिला समाख्या की प्रगति हुई है, 1997 तक महिला समाख्या के निम्नलिखित आयामों को पूर्ति की जायेगा ।

१९९४-९५ : प्रथम चरण के चार जिलों में अतिरिक्त ५०-८० गांवों का आच्छादन और पुराने महिला समूहों का मजबूतीकरण । दूसरे चरण के दो जिलों तथा बरारा जिला के महिला समाख्या गांवों में कार्यक्रम का पूरी तरह से कार्यान्वयन ।

१९९५-९६ : दूसरे चरण के २ जिलों में अतिरिक्त १०० गांवों का आच्छादन ।

१९९६-९७ : १९९७ के अन्त तक सभी महिला समूहों को स्वावलम्बी बनाना ।

१९९४-९५ में परियोजना के नए जिलों में महिला समाख्या के लिये वातावरण निर्माण का काम जारी रखा जायेगा-और यथा सम्भव ख्याति प्राप्त महिला स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा इन जिलों में महिला समाख्या की एक - एक यूनिट (५० गांवों का) चलाने का प्रयास किया जायेगा ।

१९९५-९६ : प्रत्येक नए जिले में १००-१५० गांवों में महिला समाख्या कार्यक्रम लागू किया जायेगा ।

१९९६-९७ : लागू किये गये महिला समाख्या कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण ।

बिहार शिक्षा परियोजना के अन्य आयामों के सफल क्रियान्वयन में महिला समाख्या सक्रिय भूमिका निभायेगी, जैसे नामांकन अभियान, अधिकाधिक संख्या में बालिकाओं को स्कूल भेजना, छीजन रोकना, प्राथमिक स्कूल का अनुश्रवण, ग्राम शिक्षा समिति का सुदृढ़ीकरण इत्यादि में महिला समाख्या की अहम भूमिका होगी। साथ-साथ बिहार शिक्षा परियोजना जिलों में महिला शिक्षण केन्द्रों के माध्यम से सचेत, शिक्षित और कुशल महिला कर्मियों का [illegible] जायेगा ।

महिला समाख्या की आकांक्षाएं

- बालिकाओं और महिलाओं की साक्षरता दर में वृद्धि ।
- लिंग विभेद की समस्या में कमी ।
- ग्रामीण विकास में महिला समूहों द्वारा सक्रिय योगदान ।
- ग्रामीण इलाकों में सक्षम एवं प्रशिक्षित महिला केडर का निर्माण ।
- महिला समूहों द्वारा सामाजिक परिस्थितियों में परिवर्तन ।
- महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बन ।

वर्ष 1994-95 की कार्ययोजना के केन्द्र बिन्दु

- प्राथमिक विद्यालयों में बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना ।
- जगजगी केन्द्र
- बचत प्रवृत्ति का प्रोत्साहन
- कौशल विकास पर बल
- माडल " जगजगी " भवन
- डाक्यूमेन्टेशन एवं मुद्रण
- पूर्व प्राथमिक शिक्षा बाल जगजगी

वर्ष १९९४-९५ की कार्य-योजना में निम्न गतिविधियों को रखा गया है :

१- प्रशिक्षण : प्रशिक्षण इस वर्ष की कार्य योजना का एक महत्त्वपूर्ण अंग है । प्रशिक्षण के संबंध में निम्न गतिविधियाँ वर्ष १९९४-९५ में होंगी :

१-१ : जिले के महिला समाख्या के जिला कोर टीम सदस्यों का प्रशिक्षण। इन सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु मुख्यालय स्तर पर प्रशिक्षण कराया जाय । प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने हेतु देश के नामी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जायगा, जैसे श्रेड, उड़ीसा, एम०एस०, यू०पी०, जागोरी, नई -दिल्ली ।

१-२ : जिला कोर टीम के सदस्यों को पंचायती राज, स्वास्थ्य तथा महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी प्रशिक्षण देने की योजना है ।

१-३ : जिला स्तर पर सहयोगिनियों का प्रतिमाह २ से ३ दिवसीय प्रशिक्षण-सह-अवलोकन कार्यक्रम पूर्ववत् जारी रहेगा ।

१-४ : जिला स्तर पर सहयोगिनियों [illegible] प्रशिक्षण शिविर लगाया जायेगा यह प्रशिक्षण ४-६ दिनों का होगा, तथा इनमें कानूनी सहायता, पंचायती राज, स्वास्थ्य, रिपोर्टिंग, इत्यादि विषयों पर गहन प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

१-५ : सभी कार्यरत सहयोगिनियाँ (६००) जिन्होंने वर्ष १९९३-९४ में ५ दिवसीय (प्रथम चरण) प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उन्हें द्वितीय चरण का प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

१-६ : जिला स्तर पर तथा मुख्यालय स्तर पर नये चयनित कोरटीम सदस्यों को उन्मुखीकरण । प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

१-७ महिला समाख्या में प्रस्तावित विस्तार को देखते हुए करीब ६० नये सहयोगिनियों का चयन किया जायेगा । इनको भी प्रशिक्षित किया जायेगा ।

वर्ष १९९४-९५ में प्रस्तावित प्रशिक्षण

	नए सदस्य	पुराने सदस्य	कुल	अवधि(दिन)
जिला कोर टीम	१०	२१	३१	२०
सहयोगिनी	५५	९०	१४५	३०
सखी	७३०	६००	१६००	१०
सहेली	५१५	१५५	६७०	१५
प्रशिक्षक दल	१२	–	१२	३०
महिला शिक्षण स्टाफ	१८	–	१८	३०
बाल जगजगी सेविका	८०	–	८०	२४

इसके अलावा ग्राम -शिक्षा समिति से जुड़ी महिलाओं तथा महिला समूह की महिलाओं के लिये समय समय पर अल्पकालीन प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा ।

९-८ प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण :

प्रशिक्षण की महत्ता को देखते हुए प्रशिक्षकों के चयन एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है । राज्य के चुने हुए १२ प्रशिक्षकों को ग्रेस (उड़ीसा) के द्वारा मई १९९४ में प्रशिक्षित कराने की योजना है । यह प्रशिक्षण १५ दिवसीय होगा । वर्ष १९९४-९५ में भी इन्हें ३० दिनों का, २ चरणों में प्रशिक्षण दिया जायेगा । इन १२ प्रशिक्षकों की सेवाएं आवश्यकतानुसार राज्यस्तर । जिला स्तर । प्रखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण हेतु लिया जायेगा ।

२- जागजगी केन्द्र : जागजगी केन्द्र ग्रामीण महिला समाख्या का [illegible] साक्षरता केन्द्र एक प्रभावशाली प्रभाग के रूप में उभर कर आ रहा । यह अभियान-मोड पर बालिकाओं तथा महिलाओं को शिक्षित करने का प्रयास करता है । साथ ही यह प्राथमिक शिक्षा में बालिकाओं को आगे लाने तथा उनके टिकाव में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । वर्ष १९९४-९५ में इस कार्यक्रम में निम्न गतिविधियां प्रस्तावित हैं :-

जगजगी केन्द्र की स्थिति

जिला	वर्ष १९९३-९४ में स्थापित ।	वर्ष १९९४-९५ में प्रस्तावित ।
रांची	२८	१००
प० चम्पारण	२६	७०
[illegible]	२०	१००
मुजफ्फरपुर	–	१००
पूर्वी सिंहभूम	३०	६०
[illegible]	–	५०
[illegible]	३३	१००

२-१ [illegible] आयुवर्ग [illegible] जहाँ बालिका [illegible] नहीं है, [illegible] जहाँ [illegible] आई०सी०डी०एस० कार्यक्रम चालू है वहाँ महिला समाख्या के महिला समूह [illegible] इस कार्यक्रम में सामुदायिक [illegible] प्रदान करेंगे ।

२-२ [illegible] आयुवर्ग की बालिकाओं के लिये विद्यालय तैयारी कार्यक्रम का आयोजन ।

२-[illegible] ६-८ आयुवर्ग की बालिकाओं के प्राथमिक विद्यालय में नामांकन और रिटेन्शन हेतु समुचित प्रयास ।

२-४ ९-१४ आयुवर्ग की बालिकाओं के लिये "अनौपचारिक जगजगी केन्द्र" खोलना तथा महिलाओं के लिये प्रौढ़ जगजगी केन्द्र खोलना ।

२-५ महिला समूहों के माध्यम से प्राथमिक विद्यालयों के कार्य-कलापों का अनुश्रवण तथा सुधार के लिये उचित प्रयास ।

२-६ सखी एवं सहेली द्वारा ग्राम शिक्षा समिति में भी सक्रीय भूमिका ।

३- बचत प्रवृति का प्रोत्साहन :

वर्ष १९९४-९५ की एक विशेषता होगी महिला समूहों द्वारा बचत प्रवृति में प्रोत्साहन । इसके पीछे यह सोच है कि महिलाओं में बचत की प्रवृति का विकास होगा तथा वे आर्थिक स्वतंत्रता की ओर अग्रसर हो सकेंगी । बचत कोष के माध्यम से सरकार की अन्य आर्थिक योजनाओं का पूरा फायदा उठाने की महिलाओं को मार्ग- दर्शन दिया जायेगा ।

३-१ सभी जिलों में महिला समूहों में बचत कोष प्रारम्भ किया जायेगा ।

३-२ बचत कोष की विस्तृत नियमावली बनायी जायेगी तथा इसको सुचारु ढंग से चलाने हेतु महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

४- महिला कुटीर : - महिला समूह के कार्यकलापों के लिये महिला कुटीर की स्थापना की बात महिला समाख्या में है । अनेक क्षेत्रों की महिला समूह सरकारी तथा गैर-मजरुआ जमीन को अनुदान में प्राप्त कर महिला कुटीर के रूप में विकसित करने के लिये प्रयत्नशील है । वर्ष १९९४-९५ में निम्न गति-विधियाँ प्रस्तावित हैं :-

४-१ प्रत्येक जिले में २०-३० महिला कुटीर स्थापित करने का प्रस्ताव है । इन महिला कुटीरों के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी २०प्रतिशत् होगी तथा शेष ८० प्रतिशत् अनुदान बिहार शिक्षा परियोजना और अन्य सरकारी योजनाओं द्वारा किया जायेगा ।

४-२ महिला कुटीर निर्माण कार्य के साथ साथ महिलाओं की राजमिस्त्री के कौशल में विकास के लिये समुचित प्रबन्ध किया जायेगा ।

४-३ महिला कुटीर अनौपचारिक शिक्षा, महिला शिक्षा, महिला समूह बैठकें, प्रशिक्षण इत्यादि का केन्द्र माना जायेगा ।

५- महिला समाख्या संसाधन केन्द्र :

५-१ बचे हुए बिहार शिक्षा परियोजना जिले रोहतास, पूर्वी सिंहभूम और चतरा में, वर्ष १९९४-९५ में संसाधन केन्द्र के स्थापित करने की योजना है ।

५-२ पूर्व में स्थापित संसाधन केन्द्र तथा नये स्थापित होने वाले महिला समाख्या संसाधन केन्द्रों को सुदृढ़ किया जायेगा तथा इस संसाधन केन्द्रों में डाक्यूमेन्टेशन तथा पुस्तकालय की व्यवस्था की जायेगी ।

६- महिला ''जगजगी गांव''

प्रत्येक प्रखंड में, महिला समूहों द्वारा एक गांव को माडल गांव के रूप में विकसित किया जायेगा ताकि यह महिला सशक्तिकरण का एक ठोस प्रतीक के रूप में उभर कर सभी के लिये एक नमूना बने ।

A MODEL JAGJAGI VILLAGE

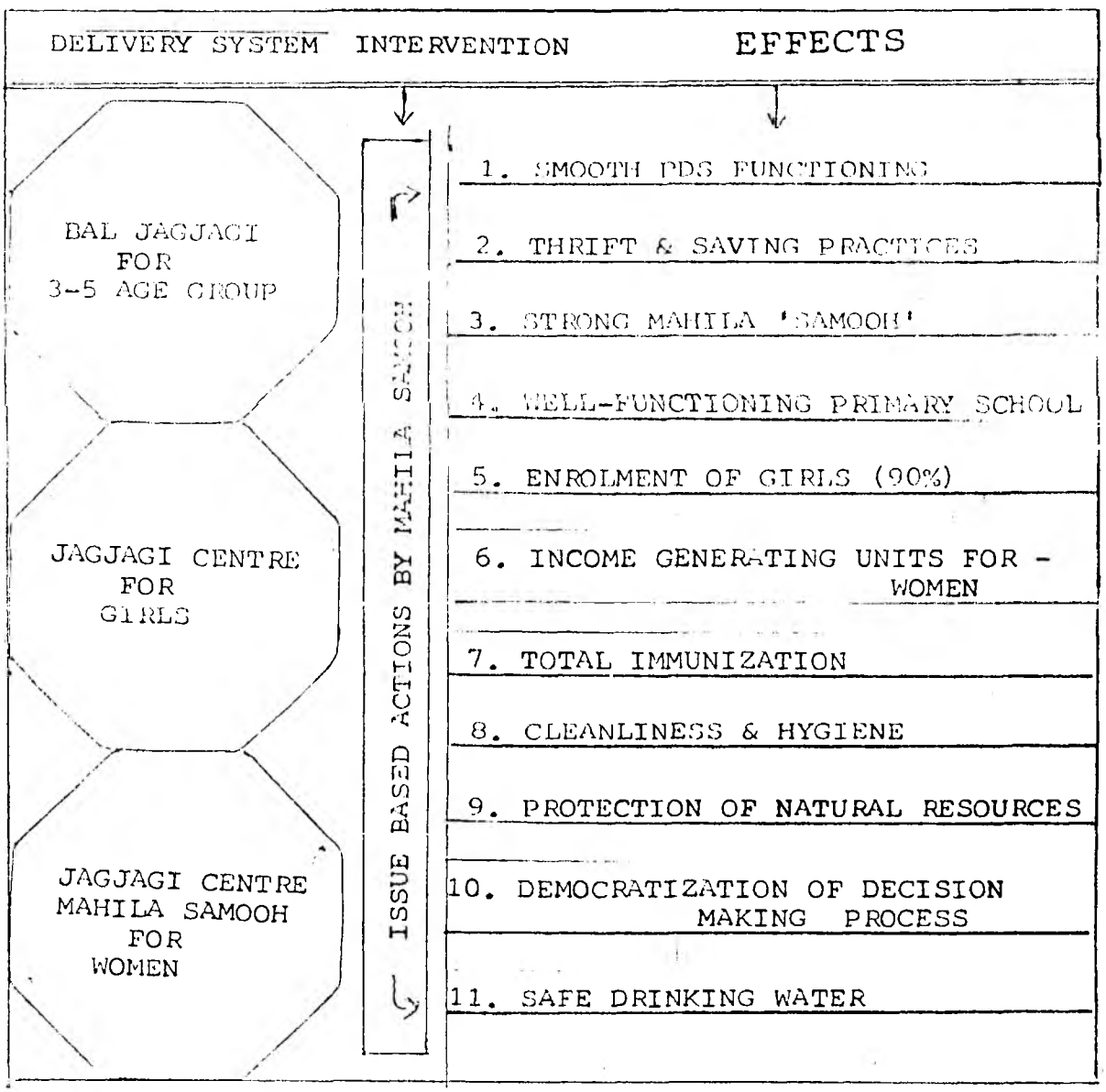

७- महिलाओं में कौशल विकास की योजना :

६-१ महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने हेतु अन्य संस्थाओं तथा योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जायेगा। (जैसे DWCRA, DRDA, योजनाएं इत्यादि) । यह कार्यक्रम केवल मजबूत, कार्यरत महिला समूहों के लिये होगा ।

६-२ अभी तक आई मांग के आधार पर महिलाओं को निम्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव है :-

- चापाकल मरम्मत
- भवन निर्माण कला (राज मिस्त्री)
- स्क्रीन प्रींटिंग

८- शैक्षिक भ्रमण :

कोर टीम के सदस्याओं, प्रशिक्षक दल, और चयनित सहयोगिनियों एवं सहेलियों के लिये अन्य राज्यों में संचालित महिला विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों के अनुभवों से लाभान्वित होने के लिये क्षेत्र भ्रमण का प्रस्ताव है । क्षेत्र भ्रमण में महिला समाख्या राज्यों और " लोक जुंबिश " (राजस्थान) में महिलाओं को भेजने पर विशेष बल दिया जायेगा ।

बिहार शिक्षा परियोजना जिलों की सहयोगिनियों, सखियों और सहेलियों द्वारा अन्तर जिला भ्रमण कर अनुभवों का आदान प्रदान किया जायेगा।

९- <u>डाक्यूमेन्टेशन । मुद्रण :</u>

महिला समाख्या के कार्यक्रमों को सही दिशा देने हेतु सभी गतिविधियों के डाक्यूमेन्टेशन पर विशेष बल दिया जाता है । इससे गांव के स्तर पर महिला समूहों में भी रिपोर्ट लिखने तथा अपनी बात को सही ढंग से प्रस्तुत करने की कला विकसित होगी । वर्ष १९९४-९५ में डाक्यूमेन्टेशन में निम्न विषयों पर ध्यान देना प्रस्तावित है :

९-१ <u>रिपोर्ट</u> : अनेक प्रकार की जिससे जिले की गतिविधियां परिलक्षित होंगी ।

९-२ <u>मासिक न्यूजलेटर । न्यूज बुलेटिन</u> जो कि सभी जिलास्तर परियोजना जिलों के महिला समाख्या द्वारा मुद्रित किया जायेगा ।

९-३ प्रेरक गीतों । साहित्य का संकलन तथा मुद्रण ।

९-४ स्वरचित गीतों का ऑडियो कैसेट निर्माण ।

९-५ महिला समाख्या के विभिन्न आयामों से सम्बन्धित फोल्डर, परिचय पुस्तिका इत्यादि ।

९-६ महिला शिक्षा केन्द्र के लिये साहित्य ।

९-७ विडियो डाक्यूमेन्टेशन ।

९-८ फोटोग्राफी ।

१०- <u>कार्यशाला । सम्मेलन । मेला तथा कैम्प :</u>

विगत वर्षों के उत्साहजनक परिणामों को देखते हुए वर्ष १९९४-९५ के लिये निम्न गतिविधियां प्रस्तावित की जाती हैं :-

१०-१ <u>कार्यशाला</u> - राज्य तथा जिले स्तर पर थीम -स्पेसिफिक कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा । इन कार्यशालाओं के मुख्य विषय होंगे पंचायती राज, बचत, डाक्यूमेन्टेशन एवं रिपोर्टिंग समाजिक विश्लेषण, कानूनी सहायता, स्वास्थ्य इत्यादि ।

१०-२ <u>सम्मेलन</u> - वर्ष १९९४-९५ में राज्य स्तर पर एक सम्मेलन का प्रस्ताव है जिसमें कोर टीम, प्रशिक्षण दल और सहयोगिनियां भाग लेंगी ।

१०-३ <u>मेला । कैम्प</u> - इनका आयोजन आवश्यकतानुसार क्लस्टर, ब्लॉक तथा जिला स्तर पर करवाया जायेगा ।

11- अनुश्रवण एवं मूल्यांकन

11-1 जिला स्तरों की भाँति इस वर्ष भी जिला कोर टीम, सहयोगिनियों तथा सहेलियों की मासिक [illegible] के अनुसार होगी । यह अनुश्रवण और मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण अंग है ।

11-2 समय-समय पर महिला समाख्या कार्यक्रम का आंतरिक मूल्यांकन एवं जाँच बिहार शिक्षा परियोजना जिला काउंसिल तथा कार्यकारिणी के सदस्यों के माध्यम से कराया जायेगा तथा उनके सुझावों को मद्देनजर रखकर आवश्यक कदम उठाये जायेगें ।

11-3 ख्याति प्राप्त एवं अनुभवी मूल्यांकनकर्ताओं एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं की सहायता से महिला समाख्या कार्यक्रम के बाह्य मूल्यांकन की योजना 1994-95 के लिए प्रस्तावित है ।

पूर्व बालपन की देखभाल और शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास के लिए पूर्व बालपन शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है । पूर्व बालपन में शिक्षा का प्रभाव बच्चों का प्राथमिक कक्षाओं में नामांकन और उनका टिके रहकर पढ़ाई जारी रखने पर भी पड़ता है । पूर्व बालपन की देखभाल और शिक्षा का सम्पूर्ण कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों का स्वास्थ्य, पोषण एवं पूर्वबालपन शिक्षा का कार्यक्रम सम्मिलित है जो बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करता है । इस तथ्य को ध्यान में रखकर बिहार शिक्षा परियोजना में पूर्व बालपन की देखभाल एवं शिक्षा हेतु सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है ।

उपलब्धि

1. वर्ष 1991-92 में पूर्व बालपन की देखभाल और शिक्षा कार्यक्रम में पटना बी.ई.पी. में प्रयोग के तौर पर माइक्रो प्रोजेक्ट के माध्यम से स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा 42 बालवाड़ी केन्द्र प्रारम्भ किए गए । इन केन्द्रों में 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए बाल केन्द्रित शिक्षा प्रारम्भ की गई ।

वर्ष 92-93 में कार्यक्रम का विस्तार बी.ई.पी. जिलों में करने हेतु निम्नांकित कार्यकलाप पूरे किए गए ।

उपलब्धि 92-93

1. राज्य स्तर पर जिलों से 15 की रिसोर्स पर्सन प्रशिक्षित ।
2. 32 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए और उनकी मदद से 96 ई.सी.सी.ई. कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया ।
3. "स्कूल ऑन व्हील" की माइक्रो प्रोजेक्ट द्वारा 13 आगनबाड़ी 51 बालवाड़ी और 192 पूर्व विद्यालय शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया ।
4. 12 स्वैच्छिक एजेन्सियों के माध्यम से राँची में 120 बालवाड़ी केन्द्र प्रारम्भ किए गए ।

वर्ष 93-94 में 300 बालवाड़ी केन्द्रों को [illegible] और आई.सी.डी.एस. केन्द्रों में पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्य को सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखा गया। परन्तु राज्य स्तर पर वर्ष 93-94 में नए बालवाड़ी केन्द्रों की स्थापना नहीं करने एवं आई.सी.डी.एस. के चल रहे केन्द्रों में पूर्व बालपन शिक्षा कार्य को सुदृढ़ करने का निर्णय लिया गया। फलतः वर्ष 93-94 में नए केन्द्र नहीं खोले गए और जिलों में कार्यरत आई.सी.डी.एस केन्द्रों को सुदृढ़ करने हेतु समन्वयन की संभावनाओं का पता लगाया गया।

उपलब्धि 93-94
1. पूर्व से चालित 120 बालवाड़ी केन्द्रों को राँची में और 42 बालवाड़ी केन्द्रों को माइक्रो प्रोजेक्ट में जारी रखा गया।
2. माइक्रो प्रोजेक्ट के माध्यम से 20 नए बालवाड़ी केन्द्रों को खोला गया।
3. 23 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।
4. खेल प्रमाण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
5. स्वैच्छिक एजेन्सियों द्वारा बालवाड़ी केन्द्रों के लिए सामग्री विकास।

वर्ष 94-95 की कार्ययोजना

वर्ष 94-95 में पूर्व बालपन की देखभाल और शिक्षा को पूर्व प्राथमिक विद्यालयों के लिए बच्चों को तैयार करने के परिप्रेक्ष्य में देखा जाएगा। इसके लिए निम्नांकित कार्यकलाप पूरे किए जाएंगे।

1. पूर्व से संचालित बालवाड़ी केन्द्रों के प्रभाव के संबंध में मूल्यांकन कराया जाएगा।
2. बच्चों के लायक खेल सामग्री यथा गुड़िया, ब्लॉक, चित्र, कार्ड आदि के प्रयोग के अलावे पूर्व बालपन के लायक उपकरणों यथा बड़े छोटे गेंद, रिंग, मिट्टी के खिलौने आदि एवं स्थानीय परिवेश पर आधारित शिक्षक निर्मित सामग्री के उपयोग पर बल दिया जाएगा।
3. जिलों में चलाए जा रहे आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों को शैक्षिक इनपुट प्रदान करने के दृष्टिकोण से सेविकाओं एवं आई.सी.डी.सी. कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

4. वर्ल्ड बैंक द्वारा संचालित परियोजना के अन्तर्गत केन्द्रों के साथ भी समन्वय किया जायेगा और महिला साक्षरता समूह/ग्राम शिक्षा समिति स्तर से लेकर जिला स्तर तक अनुक्रम में समन्वय स्थापित किया जायेगा ।

5. स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों को प्राथमिक विद्यालय की एक कड़ी के रूप में चलाने हेतु परियोजना प्रस्ताव स्वीकृत कर आर्थिक अनुदान दिया जायेगा ।

6. महिला साक्षरता समूह द्वारा 4-5 वर्ष के बच्चों के लिए पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों को आंगनबाड़ी केन्द्र के रूप में चलाया जायेगा ।

7. पूर्व प्राथमिक केन्द्रों के लिए सामग्री विकास हेतु डी.आर.यू./ स्वैच्छिक एजेन्सियों से साधन सहायता प्रदान की जायेगी ।

संस्कृति, संचार एवं सतत् शिक्षा

शिक्षा मनुष्य को सुसंस्कृत बनाती है, उन्हें विभिन्न भाषा, जाति, धर्म जैसी विभिन्न संकीर्णताओं से मुक्त कराती है तथा आत्म सम्मान, विश्वास एवं सही निर्णय लेने की क्षमता उत्पन्न करती है । किसी भी राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका की महत्ता सर्वमान्य है । बावजूद इसके हमारा आज का बिहार अशिक्षा के महाजाल में फंसा हुआ है । स्कूल जाने योग्य बच्चों की एक बहुत बड़ी तादाद विभिन्न कारणों से स्कूल से बाहर है । शहरों की चन्द कुछ गिनी चुनी कॉलोनियों एवं मुहल्लों में सिमटी शिक्षा को आज सुदूर के गाँवों, टोलों, शहरों एवं उसके आस पास की झोपड़पट्टियों तक ले जाने की आवश्यकता है । लेकिन सिर्फ सरकारी सहायता के भरोसे इस दिशा में सफलता प्राप्त नहीं हो सकती है । इसके लिए माता-पिता, शिक्षक, समुदाय, गाँव के प्रभावशाली व्यक्तियों एवं अन्य तबके के लोगों को अभिप्रेरित करना होगा । उनकी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी । प्राथमिक शिक्षा के सर्व-व्यापीकरण को जन आंदोलन का रूप देना होगा ।

बी.ई.पी. संचार नीति :

(क) प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूलों/केन्द्रों में अपने बच्चों को भेजने के लिए जन समूह को उत्साहित करने हेतु अनुकूल वातावरण का निर्माण।

(ख) समाज के एक बड़े भाग का परियोजना कार्यक्रमों से भावनात्मक संबंध स्थापित करते हुए समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना ।

(ग) समाज के प्रत्येक व्यक्ति/समूह को सचेत करते हुए उनकी चेतना में सकारात्मक परिवर्तन लाना ।

(घ) परियोजना के विभिन्न आयामों की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त कार्यक्रमों के स्वरूप का निर्धारण ।

(ङ) बी.ई.पी.के महत्वपूर्ण नीति, उद्देश्यों, उपलब्धियों को पूर्ण प्रचारित कर समाज को अवगत कराना ।

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् का संस्कृति, संचार एवं सतत् शिक्षा प्रभाग प्राथमिक शिक्षा को जन आन्दोलन का रूप देने की दिशा में परियोजना के अन्य आयामों के साथ कदम से कदम मिलाकर लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर है विभिन्न स्थानों यथा: बेतिया के थारू बहुल क्षेत्रों में तो संचार मुहिम से प्रभावित हो समुदाय द्वारा अनेक बच्चों का सीधा नामांकन भी करवाया गया । जन-संचार के परम्परागत (सांस्कृतिक माध्यमों) एवं आधुनिक (इलेक्ट्रॉनिक सहित) माध्यमों के उपयुक्त उपयोग के द्वारा समुदाय को अभिप्रेरित करते हुए शिक्षा को जन साधारण की माँग बनाने की ओर अग्रसर तथा नामांकन एवं रिटेन्सन दरों में वृद्धि और छीजन दरों में कमी लाने की लक्ष्य प्राप्ति की ओर यह प्रभाग अग्रसर होने के साथ-साथ जन साधारण को परियोजना की उपलब्धियों से समय-समय पर अवगत कराते रहने की जिम्मेदारी भी सफलता पूर्वक निभा रहा है ।

वर्ष 1993-94 - एक अवलोकन

वर्ष 1993-94 में प्राथमिक शिक्षा का सर्वव्यापीकरण एवं महिला विकास तथा महिला सशक्तीकरण, संचार कार्यक्रमों का प्रमुख केन्द्र रहा है । इस हेतु जहाँ एक ओर परम्परागत सांस्कृतिक माध्यमों यथा पदयात्रा, शिक्षा दौड़, कठपुतली व नुक्कड़ नाटकों, गीतों आदि का उपयोग किया गया वहीं दूसरी ओर चित्र प्रदर्शनियों, आकाशवाणी, दूरदर्शन, समाचार पत्रों एवं अन्य आधुनिक माध्यमों का व्यापक उपयोग किया गया ।

BEP MEDIA PACKAGE

A Combination of Traditional & Modern Media -

Dramas, Puppet shows, Songs & Dramas. Local folk art.	News papers / Magazines, Posters / Leaflets / Hoarding / Wall paintings/ exhibition / Radio & T.V./ V C R Cinema Slides etc.

आलोच्य वर्ष में इस प्रभाग की उपलब्धियों को आगामी पंक्तियों में दर्शाया गया है ।

- उपलब्धियाँ -

- एक नजर में -

वातावरण निर्माण

बाल मेला, सायकिल दौड़, शिक्षा दौड़, विभिन्न प्रतियोगिताएँ यथा वाद-विवाद निबंध लेखन, पोस्टर आदि प्रतियोगिता का आयोजन ।

सांस्कृति माध्यम

गीत एवं संगीत, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली आदि का उपयोग ।

प्रकाशन

* संस्था पत्रिका "प्रत्यूष" (द्विमासिक) का राज्य स्तरीय कार्यालय से प्रकाशन एवं विभिन्न जिलों से भी इस प्रकार की पत्रिकाओं का नियमित प्रकाशन ।
* ग्राम शिक्षा समिति, बिहार शिक्षा परियोजना तथा महिला समाख्या पर परिचालक, प्रचार पुस्तिकाओं/लीफलेट का प्रकाशन एवं वितरण ।
* महिला समाख्या सम्मेलन की कार्यवाही प्राथमिक शिक्षा का सर्वव्यापीकरण, सूक्ष्म परियोजना एवं अन्य सामग्रियाँ प्रकाशनार्थ प्रेस में ।

* महिला समाख्या पर विशेष पोस्टरों का निर्माण एवं वितरण ।

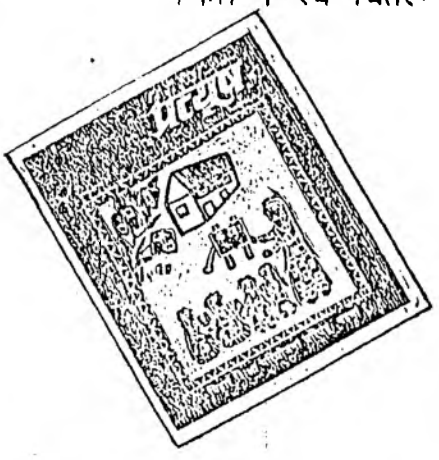

■ आकाशवाणी

* आकाशवाणी के प्राइम टाइम पर परियोजना संबंधित स्पॉटस आदि का प्रसारण ।

* राँची आकाशवाणी केन्द्र द्वारा परियोजना संबंधित विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों का अत्याधिक प्रसारण ।

■ दूरदर्शन

* दूरदर्शन के समाचार प्रभाग द्वारा परियोजना कार्यक्रमों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों का प्रमुख कवरेज ।

* समय-समय पर परियोजना संबंधित विषयों पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण ।

■ समाचार-पत्र

परियोजना संबंधि गतिविधियों का प्रमुखतापूर्वक प्रेस कवरेज । समय-समय पर विभिन्न समाचार पत्रों द्वारा विशेष आलेखों का प्रकाशन ।

■ श्रव्य एवं दृश्य सामग्रियाँ

* विख्यात फिल्मकारों/ संस्थाओं द्वारा वीडीयो फिल्मों का निर्माण एवं परियोजना द्वारा प्रदर्शन । ग्राम शिक्षा समिति, बिहार शिक्षा परियोजना प्रगति एवं अन्य विषयों पर कार्यक्रमों का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर ।

* परियोजना जिलों के सिनेमा हॉलों में सिनेमा स्लाइडों का प्रदर्शन । यूनिसेफ के सहयोग से शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल पर कार्यशाला का आयोजन ।

■ अन्य

* स्टिकरों, बैनरों, पर्चों ।

* वाल राईटिंग, राईटिंग,

* वीडीयो भान द्वारा जन समुदाय को अभिप्रेरित करने में उपयोग ।
* डाक्युमेंटशन ।
* विशेष अवसरों पर प्रर्दनी आदि का आयोजन ।

कार्ययोजना- 1994-95

आगामी वर्ष 1994-95 संचार प्रभाग के लिए एक चुनौती भरा वर्ष रहेगा । जहाँ एक ओर पुराने जिलों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार का कार्य जारी रखे जाने की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर तृतीय चरण में सम्मिलित होनेवाले सभी सातों जिलों में वातावरण निर्माण, शिक्षा के लिए समाज में जन चेतना जागृत करना एवं परियोजना के कार्यकलापों एवं क्रियाकलापों के लिए समाज में उत्साह एवं प्रेरणा उत्पन्न करना भी महत्वपूर्ण है । इस परिप्रेक्ष्य में संचार प्रभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षा को मॉग एवं का स्वरूप देने एवं उपलब्धियों से जन समुदाय को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रस्तावित कार्य-योजना अग्रलिखित है ।

वातावरण निर्माण

बाल मेलों, शिशुमेलों, विशेष तिथियों पर समारोहों का आयोजन, पैदल यात्रों, ग्रामीण बैठकों/ सभाओं एवं विभिन्न समारोहों, प्रतियोगिताओं (यथा-पोस्टर बाद-विवाद आदि) का आयोजन ।

सांस्कृतिक माध्यमों का उपयोग

सांस्कृतिक टोलियों, अभिकरणों से सम्पर्क कर उन्हें बिहार शिक्षा परियोजना के उद्देश्यों एवं आवश्यकताओं से अवगत कराते हुए जन समुदाय को गीत संगीत, कठपुतली, नुक्कड़ नाटक, नाट्य मंजन आदि के माध्यमों से अभि-प्रेरित किया जायेगा ।

श्रव्य माध्यमों का उपयोग

केबल टी.वी., वीडियो, दूरदर्शन एवं विदेशी चैनलों की आपाधापी के बीच रेडियो जैसे श्रव्य माध्यम अभी भी अपनी हैसियत बरकरार रखे हुए है । समाचार, राजनैतिक तथा आर्थिक विश्लेषण, ग्रामीण परिवेश, लोकधुन एवं प्रादेशिक भाषाओं के कार्यक्रमों को लेकर गाँवों में अभीतक आकाशवाणी की लोकप्रियता को आँच नहीं आई है । एक सर्वेक्षण के अनुसार बिहार के गाँवों की कुल आबादी का 81 प्रतिशत अभी भी रेडियो को सुना करते हैं । इतना ही नहीं, शहरों की 74 प्रतिशत जनता अभी भी रेडियो कोअपनाये हुए है ।

श्रव्य माध्यमों में रेडियो की लोकप्रियता को मद्देनजर रख आगामी वर्ष इस माध्यम का अधिक से अधिक उपयोग किया जाएगा । लोकप्रिय कार्यक्रमों यथा प्रादेशिक समाचार के ठीक पूर्व/ पश्चात की अवधि, ग्रामीण कार्यक्रम (चौपाल) ग्रामीण महिला कार्यक्रमों एवं कुछ अन्य कार्यक्रमों के दरम्यान उपलब्ध समय पर परियोजना के उद्देश्यों से सम्बंधित संदेशो, जिन्गल्स स्पॉन्सर्स आदि का नियमित प्रसारण किया जायेगा । सचेतन, अभिप्रेरण एवं प्राथमिक शिक्षा के प्रचार प्रसार में जन साधारण की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु रेडियो कार्यक्रमों की श्रृंखला विकसित एवं नियमित प्रसारित की जाएगी ।

ऑडियो कैसेट का उपयोग

बी.ई.पी. उद्देश्यों के प्रचार-प्रसार हेतु आकाशवाणी पर प्रसारित धारावाहिकों एवं अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के कैसेट बनवाकर उनका वितरण क्षेत्र में किया जाएगा । इस हेतु स्थानीय लोकप्रिय ख्यातिप्राप्त अभिकरणों / संस्थाओं/लोक कवियों, कथाकारों के सहयोग से पहचान एवं उपयोग किया जाएगा ।

दृश्य माध्यम

दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों में चल चित्र, दूरदर्शन एवं वी.सी.आर. अत्यधिक प्रभावशाली एवं लोकप्रिय है । मनोरंजन एवं सूचनाओं के प्रसारण में इनकी भूमिका की महत्ता सर्वमान्य है । ये माध्यम अन्य माध्यमों की तुलना में भले ही मँहगे होते हों लेकिन मानव के मनोमस्तिष्क को अन्य माध्यमों

की तुलना में कई गुणा अधिक प्रभावित करते हैं ।

[redacted] चल-चित्र

परियोजना जिलों के सिनेमा हॉलों में प्रदर्शन हेतु एक से डेढ़ मिनट की अवधि का 16 मि.मी. पर प्रचार फिल्में बनायी जायेगी जिन्हें 35 मि.मि. पर ब्लोअप करके प्रदर्शित किया जायेगा ।

[redacted] सिनेमा स्लाईड

परियोजना जिलों के विभिन्न सिनेमा हॉलों में श्वेत एवं श्याम व रंगीन सिनेमा स्लाइडों के प्रदर्शन की व्यवस्था की जायेगी ।

[redacted] वीडीयो फार्मेट पर कार्यक्रम

परियोजना के विभिन्न आयामों से सम्बंधित विषयों पर वीडियो फार्मेट पर हाई बैण्ड लो बैण्ड पर ख्यातिप्राप्त निर्माताओं/निर्माण संस्थाओं से ड्रामों, वृत्तनाट्य चित्र, नाटक, वृत्तचित्र, स्पॉट्स, जिंगल आदि का निर्माण एवं प्रदर्शन किया जायेगा । इस हेतु सबके लिए प्राथमिक शिक्षा, शिक्षक अभिप्रेरणा शिक्षा प्रशिक्षण, कामकाजी बच्चों की समस्याएँ समुदाय की भागीदारी, गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, बालिका शिक्षा, किशोरी समस्या, महिला जागरूकता महिला अधिकार, बच्चों की देखभाल, खेलो और सीखो, नीति निर्माता तथा ग्रामीण क्षेत्रों के प्रभावशाली व्यक्तियों, समुदाय आदि को/प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लिए जन समर्थन प्राप्त करने एवं अन्य उपयुक्त विषयों का चयन किया जायेगा । जहाँतक सम्भव होगा कुछ चुने गये कार्यक्रमों का दूरदर्शन द्वारा प्रसारण का प्रयास किया जायेगा ताकि परियोजना की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर अधिक से अधिक लोगों का अवगत कराया जा सके ।

[redacted] दूरदर्शन

आज के इलेक्ट्रोनिक युग में दूरदर्शन की लोक प्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है । एक सर्वेक्षण के अनुसार गाँव में दो प्रतिशत लोगों के पास रंगीन तथा 13 प्रतिशत लोगों के पास श्याम-श्वेत टी.वी. सेट है । यह प्रतिशत शहरों के लिए क्रमश: 22 एवं 59 है । राँची व पटना दूरदर्शन केन्द्रों द्वारा लगभग 20 प्रतिशत आबादी आच्छादित है । इस प्रकार के लोगों को परियोजना प्रचार परिधि के अन्तर्गत आच्छादित करने के लिए पटना, राँची केन्द्रों के माध्यम से स्पॉट्स/सिग्नल्स एवं अन्य संक्षिप्त कार्यक्रमों का प्रसारण किया जायेगा । साथ ही दूरदर्शन से प्रसारण योग्य 13-20 शृंखला भी विकसित की जायेगी, जिसमें माता-पिता, परिवार, समुदाय, बच्चों, प्रभावशाली

व्यक्तियों की भूमिका को हाइलाइट किया जायेगा । इस प्रकार के कार्यक्रमों में जहाँ एक ओर सूचनाएँ एवं संदेश रहेंगी वहीं इनमें रोचकता एवं दर्शकों पर अपनी पकड़ बरकरार रखने के लिए उच्चस्तर के मनोरंजक दृश्यों का भी समावेश किया जायेगा । इस हेतु दूरदर्शन का भी सहयोग किया जायेगा ।

मुद्रित माध्यम

मुद्रित माध्यमों की अपनी अलग विशेषताएँ होती है । इसके अन्तर्गत समाचार-पत्र/ पत्रिकाएँ,पुस्तिकाएँ/पुस्तक,पम्पलेट,पोस्टर,फ़ोल्डर,कैलेन्डर,कार्ड स्टिकर आदि हैं ।

समाचारपत्र/ पत्रिकाओं में शिक्षा विषयक आलेखों एवं स्तम्भों का भरपूर उपयोग किया जायेगा । इसके लिए स्थानीय समाचारपत्रों /पत्रिकाओं के सम्पादकों, शिक्षाविद के संवाददाताओं प्रेस के (राष्ट्रीय) प्रतिनिधियों की कार्यशालाएँ समय-समय पर आयोजित की जायेगी । जहाँतक संभव होगा राजधानी स्थित विख्यात समाचार पत्रों/ पत्रिकाओं में परियोजना के विभिन्न आयामों से सम्बंधित विषयों पर आलेखों/ फीचर आदि के प्रसारण की व्यवस्था की जायेगी । परियोजना गतिविधियों से सम्बंधित प्रेस-विज्ञप्तियाँ प्रसारित की जायेगी तथा आवश्यक होने पर समय समय पर विज्ञापन भी प्रकाशित किए जायेंगे ।

परियोजना की गतिविधियों पर प्रचारात्मक पुस्तिकाएँ/ लिफलेट / ब्रोशयोर / हैण्डबिल/स्टिकर/पोस्टर आदि मुद्रित एवं वितरीत की जायेगी ।

परिषद् कार्यालय से प्रकाशित होनेवाले द्विमासिक पत्रिका "प्रत्यूष" का नियमित अवधि पर मुद्रण तथा इसे और रोचक बनाने एवं शिक्षा क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न जानकारियों का समावेश तथा पृष्ठों की संख्या में बढ़ोत्तरी के साथ राज्य स्तररीय कार्यालय से शिक्षकों के लिए एक विशेष द्विमासिक न्यूज बुलेटिन केक प्रकाशन की योजना प्रस्तावित है ।

प्रदर्शन सामग्री का विकास

- प्रदर्शन सामग्रियों की आवश्यकता को देख प्रदर्शन किट का निर्माण एवं गाँव मेलों में इनका प्रदर्शन ।
- बैनरों एवं वालजर्नल/ दीवाल लेखन ।
- संसार-सह-संसाधन केन्द्र का सुदृढ़िकरण
- डी.ए.वी.पी./फिल्ड पब्लिसिटी/सांग एवं ड्रामा से सहयोग प्राप्त करना ।

- प्रेस कान्फ्रेंस का आयोजन ।
- डाक्यूमेन्टेशन की नियमित व्यवस्था ।

मोबाईल वीडीयो वान

गाँव के हाटबाजार, चौकों, आदि पर मोबाईल वीडीयो वानों का भरपूर उपयोग । इन वानों के लिए "साफ्टवेयर " की आपूर्ति की व्यवस्था ।

जन शिक्षण निलयम की स्थापना

परियोजना जिलों में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा जहाँ-जहाँ व्यस्क/अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र चलाये जा रहें हैं उन स्थानों पर जन शिक्षण निलयम की स्थापना की जायेगी । भारत सरकार के मापदण्ड के अनुसार ।

माइक्रोप्रोजेक्ट

बिहार शिक्षा परियोजना के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यह आवश्यक है कि इसके विभिन्न आयामों से रखनेवाले क्षेत्रों में नवाचार विषयक प्रयोग किए जाएँ और प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। इस बात को ध्यान में रखकर माइक्रो प्रोजेक्ट के रूप में इस प्रकार के प्रयोगात्मक कार्य बी.ई.पी. में प्रारम्भ किया गया।

विशेषताएँ

- माइक्रो प्रोजेक्ट का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण बिहार.
- नवाचार के विषय: बी.ई.पी. के विभिन्न आयामों से सम्बंधित
- क्षेत्र- सीमित एवं सूक्ष्म
- अवधि- 2 या 3 वर्ष
- पात्रता- सरकारी/गैर सरकार स्वैच्छिक एजेन्सियाँ
- प्रयोगात्मक परियोजना
- प्रतिफल प्रदर्शनीय एवं अनुकरणीय
- प्रयोग के साथ साथ क्षेत्र में लक्ष्य वर्ग लाभान्वित.

उपलब्धियाँ

प्रारम्भ में 23 स्वैच्छिक संगठनों एवं व्यक्तियों को कुछ कार्यकलाप को पूरा करने हेतु कार्य सौंपा गया। इसके द्वारा बिहार शिक्षा परियोजना के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण का निर्माण हुआ। जुलाई 1991 में जब बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् का कार्यालय विधिवत कार्य करने लगा उस समय विभिन्न स्वैच्छिक एजेन्सियों से प्राप्त प्रस्तावों का स्क्रिनिंग कर सात स्वैच्छिक एजेन्सियों को माइक्रो प्रोजेक्ट की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त जहानाबाद में लोक शिक्षा अभियान के अन्तर्गत शिक्षक प्रशिक्षण एवं शिक्षक पत्रिका हेतु एक माइक्रो प्रोजेक्ट की स्वीकृति जिला पदाधिकारी, जहानाबाद को प्रदान की गई।

उपलब्धियाँ

91-92 एवं 92-93

भौतिक

- स्वैच्छिक एजेन्सी द्वारा संचालित- 7 माइक्रो प्रोजेक्ट
- सरकारी एजेन्सी द्वारा संचालित- 1 माइक्रो प्रोजेक्ट

कुल- 8 माइक्रो प्रोजेक्ट

- नवाचार के क्षेत्र-

• बालवाड़ी-	42 केन्द्र
• अनौपचारिक शिक्षा-	73 केन्द्र
[illegible] शिक्षा -	[illegible] केन्द्र
• व्यावसायिक शिक्षा केन्द्र-	2
• जन शिक्षण निलयम-	2

लाभान्वित समूह

• 3-6 वर्ष के बच्चे -	1436
• 6-14 वर्ष के बच्चे-	3392
• 15-35 वर्ष के वयस्क	396
• 15-35 वर्ष की महिलाएँ कौशल विकास-	24
• प्रशिक्षण- (स्कूल ऑफ [illegible] द्वारा)	192 प्र. शि. 95 बालवाड़ी शिक्षक

उपलब्धियाँ 93-94

पूर्व से चालित जिन्हें जारी रखा गया	8 माइक्रो प्रोजेक्ट
93-94 में स्वीकृत-	7 माइक्रो प्रोजेक्ट
कुल-	15 माइक्रो प्रोजेक्ट

लक्ष्य पूर्ति का अवरोध दूर करने का प्रयास

वर्ष 94-95 में कुल 60 माइक्रो प्रोजेक्ट स्वीकृत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। पूर्व में आवंटित एवं स्वीकृत माइक्रो प्रोजेक्ट 10 और 30 नए। अर्थात कुल 15 माइक्रो प्रोजेक्ट स्वीकृत एवं प्रारंभ किए जा सके। इसका मुख्य कारण यथाचार विशिष्ट माइक्रो प्रोजेक्ट प्रस्ताव का अभाव है। इसे दूर करने हेतु चुने हुए डी.आर.यू. के माध्यम से बिहार राज्य के अनुभवी स्वैच्छिक संस्थाओं को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रकार कुल 77 स्वैच्छिक एजेन्सियों को परियोजना का सूत्रीकरण हेतु प्रशिक्षित किया गया।

प्रभाव परिलक्षित

1. उपर्युक्त प्रशिक्षण का प्रभाव हुआ कि बी.ई.पी. के उद्देश्यों की पूर्ति से सम्बंधित माइक्रो परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने लगे है। इनकी स्क्रीनिंग कर अच्छे प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की जा रही है। मार्च 95 तक शेष लक्ष्य की पूर्ति होने की संभावना है।

गुणात्मक प्रभाव

1. बालवाड़ी केन्द्रों में शिशु साफ-सुथरा हो कर केन्द्रों पर बिना बुलाए आते हैं।
2. बाल केन्द्रित कार्यकलाप सर्वव्यापी।
3. अभिभावकों में शिक्षा के प्रति व्याप्त उदासीनता कम हुई।
4. साक्षरता के साथ साथ महिलाएँ अपने जीवन के साथ जुड़ी हुई चर्चा में भाग लेती है।
5. महिलाओं और बालिकाओं को स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता की शिक्षा- केन्द्रों में पढ़ाई के साथ साथ उत्पादन भी शुरू।
6. बाल कोष का प्रयोग शुरू- बाल कोष के पैसे से बकरी पाल कार्यक्रम शुरू।
7. प्रभावकारी पूर्व विद्यालयीय शिक्षण सामग्री विकसित एवं उसका प्रयोग।
8. बालवाड़ी केन्द्रों से बच्चों का प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन।

नवाचार के क्षेत्र

• बालवाड़ी केन्द्र-	52 केन्द्र
• अनौपचारिक केन्द्र-	87 केन्द्र
• वयस्क शिक्षा केन्द्र-साक्षरता-व्यावसायिक शिक्षा केन्द्र-	6 केन्द्र
• जन शिक्षण निलयम-	8
• अन्य कार्यक्रम- यथा-	5 कार्यक्रम
वातावरण निर्माण, एनीमेटर प्रशिक्षण, विज्ञान सामग्री विकास, छोजन दर में कमी और पूर्व प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला समूह-	

लाभान्वित (93-94)	
3-6 वर्ष के बच्चे-	1342
6-14 वर्ष के बच्चे-	1586
15-35 वर्ष की महिलाएँ-	424
व्यावसायिक कौशल प्राप्ति महिलाएँ एवं बालिकाएँ	205
जन शिक्षण निलयम से लाभान्वित -	105 बच्चे
महिला समूह से लाभान्वित महिलाए-	250
शिक्षक प्रशिक्षण-	207
साधन सेवी प्रशिक्षण-	16
स्वैच्छिक एजेन्सियों को प्रशिक्षित किया गया-	77 संस्थाएँ

पूर्व से संचालित माइक्रो प्रोजेक्ट का बाह्य मूल्यांकन

सात माइक्रो प्रोजेक्ट का शैक्षिक एवं सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन हेतु एल. एन. मिश्रा आर्थिक विकास एवं परिवर्तन संस्थान पटना को बाह्य मूल्यांकन का कार्य सौंपा गया । मूल्यांकन के अंतरिम एवं अंतिम प्रतिवेदनों पर सम्बंधित स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ चर्चा की गई और फीडबैक दिया गया है । अन्तिम प्रतिवेदन मार्च,94 तक प्राप्त होगा ।

वर्ष 94-95 की कार्य योजना

वर्ष 94-95 में पूर्व से संचालित माइक्रो परियोजनाओं को संचालित रखा जाएगा । मार्च,94 तक कुल स्वीकृत माइक्रो परियोजनाओं की संख्या 20 हो जाने की आशा है । इसके साथ ही साथ नई प्राप्त माइक्रो परियोजना प्रस्तावों की स्क्रीनिंग कर उनकी स्वीकृति राज्य कार्यकारिणी से प्रदान करने की प्रक्रिया एवं उन्हें संचालित करने का कार्य जारी रखा जाएगा । वर्ष 94-95 में कुल 35 नई माइक्रो परियोजनाएं स्वीकृत कर संचालित किया जाएगा । इस प्रकार कुल 20+35=55 माइक्रो परियोजनाएं वर्ष 94-95 में संचालित होगी ।

94-95 का लक्ष्य

- नई माइक्रो परियोजनाओं की संख्या- 35
- नवाचार के क्षेत्र- बी.ई.पी. के उद्देश्यों की पूर्ति से सम्बंधित ।
- स्वैच्छिक संस्थाओं को परियोजनाका सूत्रीकरण में उन्मुखीकरण- 150 संस्थाएँ
- प्राप्त प्रतिफल के आधार पर सम्बंधित क्षेत्रों में अनुप्रयोग-
- नवाचार के अन्य प्रयोगों को बढ़ावा देना
- नवाचार विषयक कार्यशालाओं का आयोजना ।
- नवाचार विषयक प्रयोग हेतु जिला संसाधन इकाईयों को संसाधन सहायता/तकनीकी रिसोर्स सपोर्ट ।

प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली

स्वैच्छिक एजेन्सियों द्वारा माइक्रो प्रोजेक्ट का संचालन करने के लिए एक संरचना होगी जिसके माध्यम से स्वैच्छिक संस्थाएँ कार्यक्रम का संचालन करेगी। संस्थाओं द्वारा आन्तरिक सूचना प्रबंध प्रणाली विकसित की जाएगी। कार्यक्रम की मोनिटरिंग हेतु वे वांछित सूचनाएँ बिहार शिक्षा परियोजना को प्रेषित करेंगें। राज्य स्तर पर परिषद् द्वारा समीक्षा की जाएगी और फीड

मूल्यांकन

परियोजना की प्रगति का अनवरत मूल्यांकन किया जाएगा। यह दो प्रकार से होगा।

आन्तरिक मूल्यांकन बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर किया जाएगा। प्राप्त प्रतिफल के आधार पर कार्यक्रम को प्रभावी बनाया जाएगा।

बाह्य मूल्यांकन- इसके लिए बाह्य एजेन्सी को कार्य सौंपा जाएगा और विस्तृत मूल्यांकन प्रतिवेदन तैयार कराया जाएगा। प्रतिवेदन के आधार पर राज्य के अन्य क्षेत्रों में प्रयोग की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा।

प्रतिफल

1. राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण की दिशा में अनुकूल वातावरण का सृजन होगा।
2. स्वैच्छिक एजेन्सियों का सक्रिय जुड़ाव से शिक्षा से संबंधित कार्यक्रमों के प्रति वे उन्मुख होगें।
3. शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु उत्प्रेरक अभिकरण तैयार हो जाएगें।
4. प्रयोग के साथ-साथ क्षेत्र में लक्ष्य वर्ग लाभान्वित भी होगें।
5. सरकार [illegible] को [illegible] होगा।

Finance accounts and Audit

BEP was established under Society Registration Act of 1860 on 13.5.91. The Activities of the Council were centralised in seven districts namely Ranchi, Rohtas, Bettiah, East Singhbhum, Sitamarhi Muzaffarpur and Chatra upto 1993-94.

With effect from Financial year 94-95 the activities of BEP have been extended to seven new districts namely:-

1. Godda
2. Palamu
3. Darbhanga
4. Gopalganj
5. Sahibganj
6. Katihar
7. Patna.

During the first six months preliminary basic activities xxxxxxxxxxxxxxxx like environment creation enrollment drive etc. would be concentrated upon. Other activities would be started from October,94, budget provision has therefore, been made for six months only.

SOURCES OF FUND AND UTILIZATION

The principle of overall cost sharing of activities of the Project between Unicef, Government of India and Government of Bihar is applicable in the ratio of 3:2:1 respectively:- Funds have been received from the following sources:

(Rs. in Lakhs)

	1991-92	1992-93	1993-94	Total
1. Govt. of India.	0	200	1600	1800
2. Unicef	182.78	4. 59	700	887. 37
3. Govt. of Bihar.	0	390	5	395
	182.78	594.59	2305	3082.37

Utilization Districtwise:

	1991-92	1992-93	1993-94 uptoDec93	Total
1. RNC.	91.64	177.92	154.83	424.39
2. RHTS	1.01	13.28	41.38	55.67
3. WC.	13.55	83	44.93	141.48
4. ES.	-	45.99	58.49	104.48
5. STM	-	87.93	157.75	245.68
6.MZR	-	63.43	146.83	215.26
7.CTA	-	0.31	18.42	18.73
8.SLO	62.64	122.98	97.02	282.64
	168.84	594.84	719.65	1488.33

Contd----2

SPECIAL ACTION ITEMS

Emphasis on maintenance of upto date and correct Accounts is being given at every level and necessary training accordingly has been given to all accounts staff periodically.

1. Position of Accounts

The accounts of State Level office and D.L.O. are upto date and compiled monthly.

2. Internal Audit was introduced in all the districts of BEP in the financial year 1992-93. Accounts of the districts are Audited by the firm of Chartered Accountants bimonthly. Besides there is also Internal Audit Cell. The main function of the Cell is to rectify the defects pointed out by the Internal Auditor. It also renders assistance in the preparation of accounts whenever called for.

3. Statutory Audit- Statutory Audit for the year 1991-92 and 1992-93 has been completed by the Chartered Accountants. The Statutory audit for the year 1993-94 will commence from 1st May,1994.

4. Computerization of Accounts- The Accounts SLO have been computerised in S.L.O. and Accounts of Ranchi and Jamshedpur is in the process of computerization. Computerization of accounts in other districts will be completed in the financial year 1994-95.

5. Report on Utilisation of Fund Computerised Monthly utilisation report district wise and component wise is drawn up and the same is sent to UNICEF, Govt. of India and Govt. of Bihar.

6. Physical Progress Report- Computerised Montly Physical progress Report is also drawn up component wise and sistrictwise.

7. Service Regulations- Service Regulation has been prepared and the same has been approved by the Executive Committee in its meeting held on 22.1.94.

8. Financial Regulation- Financial Regulation has been prepared and the same has been introduced in all the districts.

9. Financial Norms - BEP has been able to fix Financial Norms for various items under various components. Financial Norm is the predetermined cost based on estimate for the year 1994-95. Ceiling for Management, Construction & programme activities has been fixed at 6%, 24% & 20% of the budget, as were done in the earlier years.

Contd--- 3

Financial Norm has been prepared with the object of controlling expenditure and also to determine what our activities could cost. Financial Norms aims at eliminating wasteful expenditure Financial Norms are placed as annexure.

10. An ambitious Budget of Rs.7477.85 lakh has been made for the year 1994-95 Salient features of the Budget are as under:-

(Rs. in lakh)

	Old Districts	New Districts.	Total	%age.
1. Management	252.34	46.30	298.64	3.99
2. Primary Formal Education (Recurring).	3839.73	43.52	3883.25	51.93
3. Training	683.34	73.47	756.81	10.12
4. Primary Non-Formal Education.	970.90	213.65	1184.55	15.84
5. Mahile Samakhya	302.38	32.00	334.38	4.47
6. E.C.C.E.	63.47	23.25	86.72	1.16
7. [illegible]	315.25	36.75	352.00	4.72
8. NGC & Others.	272.90	27.60	300.50	4.02
9. Consultancy & Studies.	50.00	-	50.00	0.66
10. Strengthening of State Level.	60.00	-	60.00	0.80
11. Non-recurring expenditure for soft ware development and Procurement for Programme monitoring and office manage. etc.	117.50	53.50	171.00	2.29
	6927.81	550.04	7477.85	100.00

[illegible]	[illegible] of Fund (Rs. in lakh)	%
1. [illegible]	[illegible]	[illegible]
2. Ranchi.	965.83	12.92
3. West Champaran.	777.21	10.39
4. Rohtas	756.04	10.12
5. Jamshedpur	1066.37	14.26
6. Sitamarhi	962.32	12.86
7. Muzaffarpur	1048.64	14.02
8. Chatra.	557.89	7.46
9. New Districts.	479.99	6.42
	7477.85	100.00

FINANCIAL NORMS

On the basis of the norms of Govt. of India as modified discussion with the representatives of Govt. of India, UNICEF D.E.Os.

PRIMARY FORMAL EDUCATION

01. Workshop	Rs. 15000/-	Per workshop for 40 persons
02. Bench Mark survey per block	Rs. 4000/-	Details enclosed
03. Innovative school equipment	Rs. 10000/-	Details enclosed
04. Sports material per school	Rs. 1500/-	Items to be decided at the district level as per need and regional requirement.
05. Teaching and learning material	Rs. 55/-	Details enclosed
06. Writers workshop for local dialect Dev.	Rs. 10000/-	Per workshop
07. Establishment of School library	Rs. 2000/-	Details Enclosed
08. Provision of Infra-structure for UPE.		
i. Construction of school building (III classes & Head Master's Room & Library & Verandah	Rs.177500/-	Per School building
ii. School amenities	Rs. 17500/-	Per school
iii. Drinking water Tube [illegible] 10000 per drill Tubewell)	Rs. 5000	Per Tubewell
iv. School Furniture	Rs. 7200/-	Details Enclosed
09. School Health Programme		To be decided at District
10. School based activities		Level
11. Block Board to all schools	Rs. 300/-	Cost of one blackboard
12. Award to teacher	Rs. 500/-	Per block
13. Award to School	Rs. 1000/-	Per School per block

PRIMARY FORMAL EDUCATION

Support to boys/Girls Student

	1994-95
1. Text books	36
2. Note boks/Slate pen/pencil bags	19
	55

Establishment of School Library

i) Cost of Ordinary wooden almirah (1675x840x308)mm	-
ii) Cost of books	7000

School Furniture

i.	Cost of two chairs with arms and three chairs without arms:-	1500
ii.	Cost 2 tables ordinary	1000
iii.	Cost almirah wooden (1675x840x308)mm and	1500
	Two boxes	1700
iv.	Cost two jute Mat 6'x1.5	1500
		7200

BENCH MARK SURVEY PER BLOCK

1. Printing of Format including cost of Paper	Rs.2000/-
2. Collection of Data	Rs.1500/-
3. Analysis and preparation of Final Report	Rs. 500/-

COST ESTIMATE PER HEE

A. Estimated cost of 25 children in 1 centre and a project of 100 centre (90 Primary & 10 Upper Primary)

I. Primary Centre Cost:

Non Recurring

1994-95

ITEM		(Amount in Rs.)
a) Equipment		
Box	450.00	750.00
Blackboard	300.00	
b) Teaching learning Materials in the centre(Map, Charts, books, games materials etc.)		850.00

Recurring

ITEM	(Amount in Rs.)
a. Honorium	2400.00
b. TA on account of Training in 3 phases.	60.00
c. Traning learing materials(books Pencil, Slate etc). Books from BEPRs.40/- Learning Materials Rs.35/-	1875.00
d. Training of the Instructor 30 days @ 30/-per day towards boarding and loadging	900.00
e. Honorarium to Master trainers@ Rs.40/-per master trainer -for 30 persons training per course five master trainer for 30days training. $\frac{5\times40\times30}{30}$ =200	200.00
f. Supervisor training cost @ Rs.30/-per day for boarding and lodging for per days (1 supervisor for 10ten Centres. $\frac{360}{10}$	36.00
g. Honorarium to master trainer per supervisor training @Rs.40/-per days for 12 days training 30 supervisors per centres five master trainer. $\frac{12\times40\times5}{300}$ =	8.00
Total:-	5479.00
h. Supervision cost:-	500.00
Grand total:-	5979.00

(ii) UPPER PRIMARY CENTRE

1994-95 (Amount in Rs.)

Non Recurring		Recurring	
		ITEM	AMOUNT IN RS.
a. Furniture	950.00	a. 2 Instructors Honorarium Rs. 250x2x12 =	6000
b. Teaching and learning material.	850.00	b. Teaching and learning materials @ Rs. 100/-	2500
	1800.00	c. Training of 2 Instructor.	1400
		d. Supervision	500
		e. Contingency expens.	250
		f. Honorarium to Mster trainers @Rs.40/-per master trainer for 30 persons training per course five master trainer for 30 days training. $\frac{5x40x30}{30}$=200	200
		g. Supervisor training cost @ Rs. 10/-per day for boarding and lodging for per days (1supervisor for 10 ten Centres. $\frac{360}{10}$	36
		h. Honorarium to master trainer per supervisor training @ Rs.40/-per days for 12 days training 30 supervisors per centres five master trainer. $\frac{12x40x5}{300}$ =	8
		Total:-	10894

[redacted]

1.	In-Service Teachers Training 21-days course	Rs	1400.00 each trainee.
2.	In-Service Teachers Training. 11-days course (92-93batch)	Rs	900.00 each trainee.
3.	H.M.'s training (5-days) Outside DIET	Rs	350.00 each trainee.
4.	Education field officer's training. outside DIET	Rs	400.00 each trainee.
5.	Training of VEC.functionaries. outside DIET	Rs	50.00 each trainee.
6.	DIET : upgradation & strengthening. (non-recurring)	Rs	9,30,000.00 each DIET.
7.	DIET : Management expenses. (recurring)	Rs	3,60,000.00 each DIET
8.	In-Service Training . (21 day Cource)in DIET	Rs	1,000.00 each trainee.
9.	H.M.'sTraining (5days) in DIET	Rs	200.00 each trainee.
10.	Education field officers (5days) in DIET	Rs	200.00 ''
11.	Magazine Production	Rs	10.00 each Magazine

(Provisions made under items 1, 2, 3, 4, 5 & 11 cover management expenses.)

DIET

RECURRING EXPENSES.

A. MANAGEMENT EXPENSES :

i)	Pay & Allowance	Rs. 70,000.00 PM	3.000	
ii)	Fees & Honoraria	Rs. 2,500.00 PM	0.300	
	Fee for Resource persons Honoraria to Guest Faculty			
iii)	Office expenses	Rs. 2,500.00 PM	0.300	
				3.600

B. EXPENDITURE ON IN-SERVICE TEACHER'S TRAINING/ORIENTATION/WORKSHOP

1. In-Service Teachers training programme.

i)	Boarding arrangement for 700 teachers for 10+11 days training programme - @ Rs. 30.00	4.410	
ii)	On stationary, printed materials for 700 persons @ Rs. 25.00	0.175	
	T.A.700 persons @ Rs. 40.00	0.560	
	On field visit @ Rs. 2000.00for 21 day course 20	0.400	
iii)	Teaching kit @ Rs.200.00 per trainee	1.400	
	Expenditure per trainee 1000.00		6.945

2. WORKSHOPS (6 in a year)

i)	Boarding arrangement @ Rs. 30.00 per day. 20 participants in workshop(30 20 4 6)	0.144	
ii)	T.A. @Rs. 100.00 per participants (100 20 6)	0.120	
iii)	Stationery @Rs.15.00/participants (15 20 6)	0.018	
iv)	Contingency @Rs.250.00/ workshop (250 6)	0.015	
			0.297

3. HEADMASTER TRAINING PROGRAMME 20 PER COURSE 4 COURSES IN A YEAR OF 5 DAYS DURATION.

i)	Boarding @ Rs.30.00 (30 20 4 5)	0.120	
ii)	T.A. @ Rs.40.00 (40 20 4)	0.032	
iii)	Stationery @ Rs.15.00 (15 20 4)	0.012	
			0.164

IN SERVICE TEACHING TRAINING PROGRAMME

[illegible] COST OF LIST

Expenditure Per Course (35 Trainees/Course)

I.		10 day Course	11 day cou[illegible]
1. T.A. to participants	@40x35 Persons	1400.00	1400.00
2. D.A. to "	@30x35 Persons	10500.00	10500.00
3. Stationery to "	@10x35 Persons	350.00	350.00
4. T.A. to Resource Persons	@100x5 Persons	500.00	500.00
5. D.A. to Resource Persons	@30x5 Persons	1500.00	1650.00
		14250.00	15450.00
II. Course Management expenses		2750.00	3025.00
III. Refreshment & Tea @5/- per Person 35 participants+5 Resource Person + 10 extra		2500.00	2750.00
IV. Course Contingency		500.00	500.00
V. Teaching kit @200/- each trainee (at the end of 21 day training)		-	2000.00
		20000.00	30725.00
Training cost/each trainee		571.43	[illegible]
Training cost arrived as per deliberation *		550.00	[illegible]

* does not include the cost of training manual.

Training Manual Cost.

1st Manual @ Rs. 12/- per trainee.

IInd Manual @ Rs. 15/- per trainee.

4.	[illegible] RESEARCH TRNG. PROGRAMME 15 PER COURSE 3 COURSES IN A YEAR OF 5 DAYS DURATION			
i)	Boarding	Rs. 30.00 (30 15 3 5)	0.06750	
ii)	T.A.	Rs. 40.00 (40 15 3)	0.02250	
iii)	Stationary	Rs. 15.00 (15 15 3)	0.00675	
				0.09676
	NON RECURRING EXPENSES			
1.	Repair & alteration, i.e. water supply sewerage and electricity			
i)	Quarter			
ii)	Dormitory/Hostel			5.00
2.	FURNITURE AND FIXTURES			2.00
3.	[illegible]			
i)	Library (Books)		0.50	
ii)	Work Experience Laboratory		0.10	
iii)	Class/Office/Faculty room		1.00	
iv)	Laboratory		0.25	
v)	AV and other needs		0.25	
	Special education cell (e.g. for handicapped children)			2.30
			Total	9.30

MAHILA SAMAKHYA RESOURCE CENTRE

	1994-95 SLO (Rs in Lakh)	DLO Rs. (in lakh)
Non Recurring		
Furnishing/Furniture equipments	2.00	1.50
Recurring:		
1. Library (Books, AV materials periodicals etc.	1.00	.55
2. Rent/Hire etc.	.50	.30
3. Miscellaneous	.25	.15
	3.75	2.50

FIELD CENTRES

Non Recurring — (Rs. in lakh)

1. Building:	
1 large hall, 2 small rooms, kitchen, storeroom, verandah, sanitary wing:	6.00
2. Equipments/Furnishings/ furniture etc.	2.00
	8.00
Recurring:	
Honorarium to full time persons to look after the centre: 1000x12x2	.24
Lib. books, newspaper, periodical	.50
Miscellaneous	.26
	1.00
Total recurring & non recurring:-	9.00

[illegible]

COST ESTIMATE FOR ONE MS UNIT CONSISTING OF 10 VILLAGES.

Non Recurring

Typewriter (Hindi)	-1	Rs. 5500/-
Chairs	-4	Rs. 3000/-
Tables (small size)	-2	Rs. 6000/-
Almirah	-1	Rs. 8500/-
Darries 15' x 20'	-1	Rs. 2000/-
		25000/-

YEAR I & YEAR II

Recurring

Honorarium to Sahayogini 750 x 5 x 12 =	Rs.45000/-
Honorarium to R.Person 2500 x 12 =	Rs.30000/-
Stipend to Mahila Samoohs 50 x 2400 =	Rs.1,20,000/-
Typist Cum Secretary 1000 x 12 =	Rs. 12000/-
Workshops /Melas/ [illegible] 5 x 4000 =	Rs. 20,000/-
Training of:-	
a) Sahayoginis-24 x30x5 =	Rs. 3600/-
b) Sakhies- 50x30x10 =	Rs.15,000/-
Honorarium to Trainers & Training materials :	5,000/-
Field Tour for net working and experience sharing:	Rs. 5,000/-
Meeting and other expenses.	Rs. 5,000/-
Contingencies.	Rs. 5,000/-
Office expenses.(Files Stationary etc.)	Rs. 5,000/-
Office rent 1000x12 =	Rs.12,000/-
Books/periodicals	Rs. 2500/-
Total:-	Rs.2,85,100/-

PHASE-II

(Year-I)

MAHILA KUTIR

10 Kutirs x 30,000

Non recurring = 3,00,000

Year I & II

Jag jaggi Kendras- 30 centres 1,80,450.00
per kendra expenditure Rs.6015/-

प्रबंधन

बिहार शिक्षा परियोजना राज्य की शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक सुधार लाने की एक नई शुरुआत है । इसका मुख्य उद्देश्य शैक्षिक पुनर्निर्माण के द्वारा सामाजिक विकास के सम्पूर्ण दृश्य में बुनियादी परिवर्तन लाना है । इसके लिए सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के अलावे शिक्षा में अभिरुचित रखनेवाले विभिन्न कार्यकर्ताओं द्वारा सम्मिलित प्रयास किया जा रहा है । सभी सम्बद्ध व्यक्तियों का साथ बैठना, प्रतिक्रिया व्यक्त करना, समझना और समैक्य की भावना रखना, बिहार शिक्षा परियोजना के प्रबंधन प्रणाली की महत्वपूर्ण विशेषता है । सहभागिता पूर्ण प्रबंध ढाँचे में स्वयंसेवी संगठन और सृजनशील व्यक्ति एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं ।

प्रबंधन की विशेषता

1. प्रतिभागिता पर आधारित विकेन्द्रित प्रणाली
2. भीतरी बहुलता.
3. मिशन भावना
4. स्वयंसेवी संगठनों, समुदाय की भागीदारी
5. राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक सहायक ढाँचे
6. समैक्य की भावना
7. सामग्री की सशक्त प्रणाली
8. माइक्रो प्लानिंग

क्रमशः --------2

बिहार शिक्षा परियोजना का कार्यान्वयन सफलतापूर्वक हो सके इसके लिए परियोजना को स्वशासी स्वरूप प्रदान किया गया है । इसका अपना मेमोरेण्डम आफ् एसोसियेसन है और अपनी नियमावली है । सोसाईटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अन्तर्गत 13 मई, 1991 को इसका विधिवत निबंधन हुआ है ।

स्थिति 91-92

1. मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद का सोसाईटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के अन्तर्गत निबंधन हुआ ।
2. कार्यकारिणी समिति की चार बैठकें हुई ।
3. जिला स्तर पर तीन स्तरीय संरचना विकसित हुई ।
4. प्रतिभागिता पर आधारित जिला कार्य योजना की तैयारी हुई ।
5. विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित चुने हुए व्यक्तियों को फेलो के रूप में रखा गया ।
6. समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय उच्च समिति गठित ।
7. ग्राम शिक्षा समितियों एवं टोला समितियों का गठन कार्य प्रारम्भ ।

क्रमशः---3

स्थिति 92-93

- स्वयंसेवी संगठनों के साथ नेटवर्क का विस्तार ।
- ग्रामस्तरीय निकाय के सदस्यों को प्रबंधन में प्रशिक्षण आरम्भ ।
- सभी बी.ई.पी. जिलों में जिला कार्यबल एवं कार्यकारिणी समिति गठित एवं बैठके आरम्भ ।
- राज्य स्तरीय टास्क फोर्स गठित एवं बैठके हुई ।
- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र की मदद से कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रबंध प्रणाली हेतु प्रपत्र विकसित हुआ एवं कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया ।
- प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम करने-वाले देशों में अवलोकन हेतु 12 सदस्यीय अध्ययन दल चीन और थाईलैंड भेजा गया ।
- संप्रेषण को प्रभावी एवं सुगाध्य बनाने हेतु हिन्दी में पत्राचार एवं कार्य पर बल ।

वर्ष 93-94 में प्रबंध व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने का लक्ष्य रखा गया था । इसके लिए बी.ई.पी. जिलों में टास्क फोर्स की नियमित बैठके करने एवं उसमें कार्यक्रम की समीक्षा कर आगामी कार्यकलाप तय करने पर बल दिया गया । जिला से राज्य स्तर तक परिचालन समितियाँ गठित की गई और उसकी बैठके सुनिश्चित की गई । कार्यक्रम की आन्तरिक एवं वाह्य मूल्यांकन हेतु कार्य वाह्य एजेन्सियों को दिया गया ।

क्रमशः-----4

स्थिति 93-94

- जिला कार्यवल की प्रत्येक सप्ताह बैठके हुई एवं उसकी कार्यवाही तैयार कर उसकी नियमित समीक्षा- कुल बैठकें- 153
- राज्य कार्यकारिणी समिति की कुल बैठकें- 3
- कम्प्यूटरीकृत प्रबंध प्रणाली में कर्मियों को पुर्नप्रशिक्षण दिया गया ।
- निधियों का आसान वितरण तथा हिसाव का रख रखाव हेतु प्रणाली विकसित हुई एवं कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया ।
- आन्तरिक लेखा अंकेक्षण प्रणाली लागू किया गया एवं प्रक्रिया जारी ।
- परियोजना का कंकरेन्ट मूल्यांकन हेतु ए.एन. सिंहा इन्स्टीच्यूट,पटना, एक्स.एल.आर.आई.जमशेदपुर को कार्य भार सौंपा गया ।

कार्ययोजना- 94-95

वर्ष 94-95 में ग्राम एवं प्रखंड स्तर कार्यकलापों में वृद्धि होगी । बंध तंत्र को मजबूत बनाने हेतु वर्त्तमान संरचना को सशक्त किया जाएगा । इसके लिए प्रखंड स्तर पर कार्यवल का गठन करने हेतु संरचना विकसित की जाएगी । ग्राम शिक्षा समितियों को भी सशक्त किया जाएगा ।

क्रमशः-------

लक्ष्य-94-95

1. वर्तमान संरचना का सुदृढ़ीकरण ।
2. प्रखंड स्तरीय कार्यबल का गठन हेतु संरचना विकसित की जायेगी ।
3. ग्राम शिक्षा समितियों को प्रबंधन हेतु उन्मुखीकरण ।
4. कम्प्यूटरीकृत प्रणाली में कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा एवं पुनर्प्रशिक्षण भी दिया जाएगा ।
5. परियोजना का बाह्य मूल्यांकन भी कराया जाएगा ।
6. आई. सी. डी. एस. एवं वर्ल्ड बैंक प्रोजेक्ट के प्रबंध व्यवस्था से समन्वय ।

वर्ष 94-95 में नए जिलों में जिला कार्यबल एवं कार्यकारिणी समितियों का गठन किया जाएगा । कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार जिला कार्यबल का गठन किया जाएगा और तदनुसार उसमें वृद्धि की जाएगी ।

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	
8	AWARD TO SCHOOLS @ 2000/- PER SCH		0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.24	3.24
10	ESTABLISHMENT OF SCHOOL LIBRARIES Rs. 3000/- PER SCHOOL		16.44	15.00	18.00	16.00	21.69	10.00	7.50	114.63
11	PROV. OF INFRASTRUCTURE FOR UPE									
	a. CONST. OF SCHOOL BUILDING		147.62	87.45	117.00	340.00	266.25	178.00	106.00	1242.32
	b. REPAIR OF SCHOOL BUILDING		32.10	50.00	60.00	50.00	40.00	51.75	50.00	333.85
	c. SCHOOL AMMENITIES									
	i.LATRINE (@ 17500/ P.S.)		16.05	15.00	30.00	30.00	105.87	79.62	15.00	291.54
	ii.DRINKING WATER @RS.5000/ 18000/HP AS PER ANNEXURE		5.25	30.00	32.00	72.00	10.00	15.00	18.00	182.25
	d. SCHOOL FURN. @ Rs.5000/-PS		27.85	22.50	30.00	21.55	52.05	36.00	18.00	217.95
2	SCHOOL HEALTH PROGRAMME		2.00	1.00	2.00	2.00	1.00	0.40	1.00	9.40
3	SCHOOL BASED ACTIVITIES		9.63	1.00	2.50	1.00	2.00	1.50	1.00	18.63
4	BLACK BOARD TO ALL SCHOOLS @ 300/- PER SCHOOL		1.50	3.00	4.56	2.50	4.35	5.00	1.82	22.73
5	AWARD TO TEACHERS @ 500/ PER TEA.		0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.15	1.95
6	STUDY TOURS		0.72	0.50	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	6.22
7	ASSISTANCE TO HANDICAPPED CHILDRE									0.00
8	MLL(MONITORING,EVALN.,TESTING)	2.00	7.00	3.00	2.00	2.00	2.00	0.50	1.00	19.50
9	SHIKSHADATA SCHEME		9.00	6.00	3.50	2.00	3.98	3.56	1.00	29.04
10	ASSISTANCE TO BASIC SCHOOLS IN BEP DISTRICTS		3.50	6.50	2.50	3.50	3.60	6.00	1.00	36.60
11	EFA/UPE-2000-PREPARATION OF PROJ. REPORT AND RELATED ACTIVITIES	15.00								15.00
12	MEETINGS/CONF/CONVNS./SEMINARS	0.50	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	2.25
	Sub Total :	19.60	551.92	396.88	449.72	708.33	699.04	664.64	349.60	3839.73

S.No	C A T E G O R Y	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	E S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
C	T R A I N I N G									
1	IN-SERVICE TEACHER TRAINING(10+11 DAYS TWO PHASE OUTSIDE DIET)			0.00		.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	IN-SERVICE TEACHER TRAINING (11 DAYS 2nd COURSE OUTSIDE DIET)									0.00
3	DISTRIBUTION OF TEACHING KITS		13.58	9.00	10.00	4.00	10.00	10.00	2.50	59.08
4	DIETS									
	i. STRENGTHENING & UPGRADATION		51.90	5.00	20.00	111.90	34.10	87.15	79.70	399.75
	ii. MANAGEMENT EXPENSES	5.00	25.94	15.00	16.60	13.27	10.60	11.91	8.00	106.32
	iii. PROGRAMME ACTIVITIES									
	a. INSET TRAINING		11.35	8.00	13.00	3.50	11.35	10.45	5.90	62.55
	b. SHORT DURATION COURSES		1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	7.00
	c. H.M.'s TRAINING		0.38	0.35	0.25	0.13	0.45	0.45	0.45	2.46
	d. EDU. OFFICERS TRG.		0.12	0.12	0.15	0.04	0.15	0.09	0.04	0.71
	e. SEMINAR / WORKSHOP		1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	7.00
	iv. DISTRICT RESOURCE UNIT		1.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.50
	v. TEACHER CONTACT PROGRAMME									
	a. MAGAZINE		1.00	0.60	0.96	1.20	0.60	1.00	1.00	6.36
	b. MEETINGS (GURU GOSTHI)		0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	1.75
5	H.M.'s TRAINING OUTSIDE DIET		0.00	0.00	0.00					0.00
6	EDU. OFFICERS TRG. OUTSIDE DIET		0.00	0.00	0.00					0.00
7	STUDY TOUR & TRG. OF TEACHERS / TRAINERS OUTSIDE BIHAR		1.00	1.00	1.25	1.00	1.00	0.46	0.50	6.21
8	ROLLING FUND ASSIS. TO SCERT (TRG OF RES. PERSONS IN NON BEP DISTS)	15.00	0.00	0.00	0.00					15.00
9	BEP FUNCTIONARIES TRAINING		2.65	0.00	0.25		0.50			3.40
10	MIS TRAINING	1.00	0.00	0.00	0.00					1.00
11	WRITERS WORKSHOPS FOR LOCAL DIALECT DEVELOPMENT FOR LANGUAGE TEACHING AND CURRICULUM DEVELOPMENT INCLUDING FIELD TESTING @ Rs. 10,000/- PER WORKSHOP		0.50			0.50				1.00
12	MEETINGS/CONF/CONVNS./SEMINARS	0.50	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	2.25
	Sub Total :	21.50	112.42	41.57	64.96	147.04	71.25	124.01	109.59	683.34

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L C	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
D	PRIMARY NON FORMAL EDUCATION									
1	a. NFE CENTRE COST FOR RUNNING OF OLD NFE CENTRE - (REC) @ 5979 PER CENTRE		59.79	77.73	47.83	35.87	4.78	65.77	5.98	297.75
	b. FOR OPENING AND RUNNING OF NEW NFE CENTRE - (REC+NR)									
	@ Rs. 1600 (NR)	0.00	14.40	28.80	14.40	8.60	11.52	15.84	7.20	100.76
	@ Rs. 5979 (REC)	0.00	53.81	107.62	53.81	32.33	43.05	59.19	26.90	376.71
	C. UPPER PRIMARY CENTRES (NEW)									
	@ Rs. 1800 (NR)	0.00	1.80	3.60	1.80	1.08	1.44	1.98	0.90	12.60
	@ Rs.10894 (REC)	0.00	10.89	21.79	10.89	6.54	8.71	11.98	5.45	76.25
2	WORKSHED @ Rs. 15000	0.00	15.00	0.00	7.50	7.50	0.00	1.50	0.00	31.50
3	WORKSHOPS FOR DEFINING STRATEGIES STEPS, RELATED ACTIVITIES (@ Rs. 15000/- PER W.S.)	0.75	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.45	0.00	1.20
4	KEY RESOURCE PERSON / MASTER TRAINERS TRAINING @ 40 PER DAY FOR 5 DAYS	0.50	0.08	0.16	0.08	0.05	0.09	0.09	0.04	1.09
5	AWARDS TO INSTRDCTORS (@ 3 INSTR. PER 100 CENTRE,@ Rs. 500 /INSTR.)		0.30	0.50	0.27	0.18	0.14	0.33	0.09	1.81
6	FIELD VISITS / STUDY TOURS	0.50	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	1.20
7	NFE PROJECT COST @ 42400 PER 100 CENTRES		8.48	13.99	7.63	5.08	3.73	9.33	2.54	50.78
8	ANY OTHER INOVATIVE PROGRAMME / ACTIVITIES		1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	7.00
9	STRENGTHENING AND SUPPORTING ACTIVITIES IN DRUs AND OTHER RESOURCE CENTRES THRODGH MATERIALS DEVELOPMENT & TRAINING	10.00								10.00
10	MEETINGS/CONF/CONVNS./SEMINARS	0.50	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	2.25
	Sub Total :	12.25	165.90	255.54	145.56	98.58	74.81	167.81	50.45	970.90

S.No	C A T E G O R Y	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR 1994-95)								
E	M A H I L A S A M A K H Y A	S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
1	ESTABLISHMENT COST OF M.S. COMPONENT IN THE BEP OFFICE (HONORARIUM,SALARIES,TA/DA etc.)	3.00	5.50	4.50	4.50	4.00	4.50	4.00	3.00	33.00
2	RENT, HIRE CHARGES etc. ON A/C OF THE PROGRAMME	0.60	1.00	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	4.60
3	TRAINING (ALL COSTS INCLUDED)									
	a. M.S.CORE TEAM	1.00								1.00
	b. SAHAYOGINIS		0.70	0.45	0.60	0.45	0.45	0.45	0.45	3.55
	c. SAKHIS		1.30	1.20	1.20	1.20	1.20	1.20	1.00	8.30
	d. SAHELI		1.25	1.25	1.25	1.15	1.15	1.15	0.75	7.95
	e. TRAINERS	1.50								1.50
4	JAGJAGI KENDRA									
	NON RECURRING		2.00	1.50	1.50	1.25	1.50	1.25	1.00	10.00
	RECURRING		3.00	2.50	2.50	2.00	2.50	2.00	0.50	15.00
5	BALJAGJAGI KENDRA									
	NON RECURRING		0.50	0.30	0.50	0.50	0.30	0.30	0.25	2.65
	RECURRING		2.15	1.50	2.15	2.15	1.50	1.50	1.00	11.95
6	WORKSHOPS/MEETINGS/CONVENTIONS & OTHER M.S. RELATED ACTIVITIES	2.25	2.50	2.00	2.50	2.00	2.50	2.00	1.50	17.25
7	STUDY TOUR etc.	2.00	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.30	5.30
8	ESTB. OF MAHILA SHIKSHAN KENDRA									
	a. NON RECURRING >>>	12.00	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00		36.00
	b. RECURRING >>>	11.31	3.77	3.77	3.77	3.77	3.77	3.77		33.93
9	M.S. RESOURCE CENTRE									
	a. RECURRING	1.50	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	0.50	8.00
	b. NON RECURRING	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	8.00
10	PUB./DOCU./PRINTING OF MATERIALS	2.25	1.20	1.20	1.20	1.00	1.20	1.00	0.50	9.55
11	ESTB. OF FIELD CENTRES									
	a. RECURRING									0.00
	b. NON RECURRING									0.00
12	MAHILA SAMAKHYA KUTIR		9.00	5.00	9.00	4.50	4.50	4.50		36.50
13	SUPPORT TO NGOs FOR M.S. RELATED ACTIVITIES	15.00								15.00
14	TRAINING MATERIALS FOR M.S.	3.00	0.75	0.75	0.75	0.50	0.75	0.50	0.25	7.25
15	OTHER MS RELATED ACTIVITIES									
	a.SKILL DEVELOPMENT	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	0.50	7.50
	b.INCOME GENERATION ACTIVITY	1.00	1.50	1.50	1.50	1.00	1.50	1.00	0.20	9.20
	c.ANY OTHER ACTIVITY	2.00	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	5.50
16	MONITORING & EVALUATION	2.50	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	3.90
	Sub Total :	62.91	44.32	36.12	41.62	34.17	36.02	33.32	13.90	302.38

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
F	EARLY CHILDHOOD CARE & EDUCATION	S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
1	PRE PRIMARY CENTRES @ Rs.13680.00 (REC) @ Rs. 7320.00 (NR)		16.42							16.42 0.00
2	WORKSHOPS / MEETINGS @ 5000 PER	0.75	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	2.85
3	FIELD VISITS / STUDY TOURS	0.50	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	1.20
4	AWARD FOR BEST CENTRES									0.00
5	STRENGTHENING OF EXISTING ICDS PROG. (TRG. & NETWORKING EXPNS.)	12.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	33.00
6	SUPPORT FOR ESTABLISHING ECCE RESOURCE CENTRE	10.00								10.00
	Sub Total :	23.25	19.82	3.40	3.40	3.40	3.40	3.40	3.40	63.47

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
G	CULTURE.COMMUNICATION & CONTINU--ING EDUCATION.	S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
1	ENVIRONMENT BUILDING FOR EFA/BEP SCHOOL CENTRED MOBILISATION PACKAGE OF BALMELAS, PUPPET SHOWS, CULTURAL SHOWS, CELEBERATION OF IMPORTANT DAYS, COMPETITIONS (SPORTS/ CULTURAL PROGRAMMES, TABLEAUX, EXHIBITION etc.)	2.00	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00	2.50	4.00	28.50
2	a. IDENTIFICATION & TRAINING OF CULTURAL TROUPES/LOCAL ARTISTS b. [illegible] OF CULTURAL TROU-PES [illegible] WORKSHOPS, PROD. [illegible]	2.00	2.00	0.50	2.00	2.00	1.00	0.50	3.00	13.00
3	PRO[illegible] OF AV MATERIALS FOR MOT[illegible]ION, EDUCATION, TRAINING									
	[illegible] VIDEO FILMS	[illegible]	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	85.00
	[illegible] AUDIO [illegible]	[illegible]	1.50	0.50	0.50	1.00	0.50	0.90	1.00	7.90
	[illegible] POSTERS [illegible]ERS, BAN[illegible]	[illegible]	1.25	0.50	0.50	3.00	0.50	0.50	0.35	11.60
	[illegible] KITS	[illegible]	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.00
	[illegible] ADVOCACY [illegible]LMS	[illegible]	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	12.00
4	EST[illegible]ICATION [illegible] (PU[illegible] PERIODIC[illegible] AUD[illegible]PES, [illegible] FILMS etc)	[illegible]	[illegible].50	1.00	1.50	2.00	1.00	1.50	0.50	17.00
5	PUB[illegible] [illegible] JOURNAL/NEWS LE[illegible] [illegible]OOKLETS etc	[illegible]	1.40	1.00	2.50	4.00	3.40	1.00	0.70	54.00
6	NET[illegible]HER COMM[illegible] ION[illegible]									
	[illegible]	[illegible]	[illegible].50	0.25	0.25	1.00	0.50		0.25	3.75
	[illegible]S SPOTS, [illegible] [illegible] ON [illegible]OCUS)	[illegible]								17.00
	[illegible] do........	[illegible]								18.00
	[illegible]ONG & DRAMA DIVISION	[illegible]								5.00
	[illegible]FIELD PUBLICITY									
	[illegible]THERS	[illegible]	0.50	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	3.00
7	MOB[illegible]ISING MEDIA SUPPORT	[illegible]	0.20	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	5.20
8	ESTABLISHMENT OF J.S.N.	[illegible]	1.40	1.40	1.40	1.40	1.40	1.40	1.40	9.80
9	DOCUMENTATION OF IMPORTANT BEP ACTIVITIES (VIDEO/AUDIO/PRINT)	2.00	2.00	0.50	0.50	1.50	1.00	1.00	1.00	9.50
10	MONITORING & EVALUATION OF COMMU-NICATION ACTIVITIES	2.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.00
11	NGOs NETWORK & TRG. IEC SUPPORT, WORKSHOPS, SEMINARS, CONFRENCES STEERING COMMITTEE MEETING	2.00	2.00	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	7.00
12	PREPARATION OF SOFTWARE FOR MOBI-LE VIDEO VAN	1.00	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.00	4.00
	Sub Total :	209.00	18.75	11.40	14.90	21.65	15.05	11.05	13.45	315.25

S.No	CATEGORY	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
H	SUPPORT TO NGOs & INDIVIDUALS									
1	FELLOWSHIPS ON SUBJECTS RELATED TO BEP OBJECTIVES									0.00
2	SUPPORT TO NGOs FOR INNOVATIVE MICRO PROJECTS	100.00								100.00
3	WORKSHOPS WITH NGOs TO PROMOTE NET WORK OF VOLUNTARY AGENCIES	0.50	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	1.90
4	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (INTERNAL)	50.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	71.00
5	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (EXTERNAL)	[illegible]								50.00
6	ASSISTANCE TO DRUs FOR SP.PROJS. FOR DRUS MEETINGS ETC.,	[illegible]								50.00
	Sub [illegible] :	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	3.20	3.20	3.20	272.90
I	[illegible] STUDIES	[illegible]								50.00
J	STR[illegible] STATE LEVEL IN-STITUTIONS & ASSISTANCE TO DIRECTORATES/DEPT.									0.00
	[illegible]	[illegible]								0.00
	[illegible] DIRECTORATE	[illegible]								20.00
	[illegible]	[illegible]								10.00
	[illegible]	[illegible]								15.00
	VI [illegible]	[illegible]								10.00
	VII [illegible]	[illegible]								5.00
	[illegible]	[illegible]								60.00
K	NON [illegible] EXPENDITURE FOR PRO[illegible] ACTIVITIES >>									
1	[illegible] DEVELOPMENT & PROCUREMENT FOR PROGRAMME MONITORING & OFFICE MANAGEMENT									0.00
2	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE FURNITURE & FIXTURES	7.00	2.00	[illegible]	[illegible]	1.00	1.00	1.00	1.00	15.00
3	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE EQUIPMENTS (TYPEWRITERS etc.)	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	0.50	7.50
4	EXPENDITURE ON A/C OF SUPP. ITEMS FROM UNICEF OTHER THAN ABOVE	30.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	10.00	5.00	95.00
	Sub Total :	38.00	13.00	12.00	12.00	12.00	12.00	12.00	6.50	117.50
	GRAND TOTAL :	793.51	965.83	777.21	756.04	1066.37	962.32	1048.64	557.89	6927.81

BIHAR EDUCATION PROJECT COUNCIL

Major activities & Tentative Budget Estimate : For The Year 1994-95

File :- C:\LOTUS\NBGT-495.WK1
Date of printing : 16.02.1994

SOURCE OF FUND (Rs. in lakh)

1.UNICEF	:	Rs.	275.020
2.GOVT. OF INDIA	:	Rs.	183.347
3.GOVT. OF BIHAR	:	Rs.	91.673
T O T A L :		Rs.	550.040

S.No	C A T E G O R Y	S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
		BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)								
A	PROJECT MANAGEMENT									
1	SALARIES/HONORARIUM/ALLOW. FOR TECHNICAL/MANAGERIAL,SUPPORT,& CLASS IV STAFF & DRIVERS		3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	5.00	23.00
2.	RENT,TAXEXES etc FOR OFFICE		1.20	1.20	1.20	1.20	1.20	1.20	2.50	9.70
3	OFFICE EXPENDITURE ON CONSUMABLES		1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	5.25
4	OTHER ADMINISTRTIVE OFFICE EXPENS (TELEPHONE,TELEGRAM,TA,DA. etc.)		0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	0.10	0.70
5	BASIC MOBILITY REQUIREMENTS FOR PROG. MANAGEMENT AND MONITORING RECURRING >>>		0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	1.40
6	ADVOCACY : OFFICE EXPENSES ON A/C OF MEETINGS OF PARTICIPATORY AGE-NCY CONNECTED WITH THE PROJECT , OTHER STATES , DONORS AGENCIES , EXPERTS, NGOs TO PROMOTE GREATER UNDERSTANDING OF BEP CONCEPTS, PROJ. FORMULATION & IMPLIMENTATIO	1.00	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	4.50
	SUB TOTAL	1.00	6.00	6.00	6.00	6.00	6.00	6.00	9.30	46.30

S.No.	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95							
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GONDA	SAHEBGANJ	SUBHANGA	PALA	PATNA	T O T A L
B	PRIMARY FORMAL EDUCATION									
1	WORKSHOP ON UPE MICROPLANNING , SCHOOL MAPPING, VECs & MINIMUM LEVELS OF LEARNING TO INITIATE MICROPLANNING, RATIONALISATION OF TEACHER UNITS & AT Rs. 15000/- PER WORKSHOP FOR 40 PARTICIPANTS	0.60	1.20	1.20	1.20	1.20	1.20	1.20	1.20	9.00
2	a. COMPREHENSIVE BENCHMARK SURVEY FOR UPE & EPA (THROUGH MOBILISATION OF COMMUNITY VOLUNTEERS TEACHERS) @ Rs. 4000/- PER BLOCK		0.16	0.16	0.16	0.16	0.16	0.16	0.16	1.12
	b. CONFERENCES WITH TEACHERS ORGN. TO STRENGTHEN PARTNERSHIP FOR EDUCATION FOR ALL		0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	1.40
	c. WORKSHOPS/PARENT TEACHER MEETING FOR ENROLMENT DRIVE AND ALLIED ACTIVITIES FOR UPE		2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	14.00
3	REVITALISING THE EXISTING AND ESTABLISHING NEW VECS. TRG. OF VEC MEMBERS (NON. RES.)	0.50	2.50	2.50	2.50	2.50	2.50	2.50	2.50	18.00
4	PROMOTING ACCESS / PARTICIPATION OF 6-11 AGE GROUP CHILDREN BY PRO OF TEACHING/LERARNING MATERIALS (BOOKS , BAG , etc.) @ Rs. 55.00 PER CHILD									0.00
5	SCHOOL BASED ACTIVITIES									0.00
6	AWARD TO TEACHERS @ 500/ PER TEA.									
	Sub Total :	1.10	6.06	6.06	6.06	6.06	6.06	6.06	6.06	43.52

S.No	C A T E G O R Y	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
C	**T R A I N I N G**									
1	IN-SERVICE TEACHER TRAINING(10+11 DAYS TWO PHASE OUTSIDE DIET)			1.35	1.35	1.35	1.35			5.40
2	IN-SERVICE TEACHER TRAINING (11 DAYS 2nd COURSE OUTSIDE DIET)									0.00
3	DISTRIBUTION OF TEACHING KITS									0.00
4	DIETS									
	i. STRENGTHENING & UPGRADATION									0.00
	ii. MANAGEMENT EXPENSES		8.00	5.00	5.00	5.00	6.00	8.00	8.00	45.00
	iii. PROGRAMME ACTIVITIES									
	a. INS[illegible] TRAINING		1.35					1.35	2.16	4.86
	b. SHO[illegible] DURATION COURSES		0.00					0.00	0.00	0.00
	b. H.M[illegible]s TRAINING		0.12					0.12	0.24	0.48
	c. EDU[illegible] OFFICERS TRG.		0.47					0.61	0.61	1.69
	d. SEM[illegible]AR / WORKSHOP		0.12					0.12	0.18	0.42
	iv. DISTR[illegible] RESOURCE UNIT		0.00							0.00
	v. TEACH[illegible] CONTACT PROGRAMME									0.00
	a. MAC[illegible]INE		0.00							0.00
	b. ME[illegible]GS (GURU GOSTHI)		0.36	0.36	0.36	0.36	0.36	0.36	0.36	2.52
5	H.M.'s TRAI[illegible] OUTSIDE DIET			0.12	0.12	0.12	0.12			0.48
6	EDU. OFFICE[illegible] RG. OUTSIDE DIET			0.13	0.13	0.13	0.13			0.52
7	VEC FUNCTIO[illegible]ES TRAINING		0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	0.20	1.40
8	STUDY TOUR & [illegible]G. OF TEACHERS / TRAINERS OUT[illegible]DE BIHAR									0.00
9	ROLLING FUND[illegible]SIS. TO SCERT (TRG OF RES. PER[illegible]S IN NON BEP DISTS)									0.00
10	BEP FUNCTIO[illegible]ES TRAINING	1.00	0.35	0.35	0.35	0.35	0.35	0.35	0.35	3.45
11	MIS TRAINING	0.50	0.35	0.35	0.35	0.35	0.35	0.35	0.35	2.95
12	WRITERS WOR[illegible]OPS FOR LOCAL DIALECT DEVELOP[illegible]T FOR LANGUAGE TEACHING AND C[illegible]ICULUM DEVELOPMENT INCLUDING F[illegible]D TESTING @ Rs. 10,00[illegible]- PER WORKSHOP									0.00
13	ORIENTATION [illegible] TEACHERS FOR IMPROVED SCIENCE AND MATHS TEACHING		0.70	0.50	0.50	0.50	0.70	0.70	0.70	4.30
	Sub Total :	1.50	12.02	8.36	8.36	8.36	9.56	12.16	13.15	73.47

S.No	C A T E G O R Y	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
D	PRIMARY NON FORMAL EDUCATION									
1	FOR OPENING AND RUNNING OF NEW NFE CENTRE - (REC+NR)									
	@ Rs. 1600 (NR)		4.80	4.80	4.80	4.80	4.80	8.00	8.00	40.00
	@ Rs. 5979 (REC)		17.94	17.94	17.94	17.94	17.94	29.90	29.90	149.50
2	WORKSHOPS FOR DEFINING STRATEGIES STEPS, RELATED ACTIVITIES (@ Rs. 15000/- PER W.S.)	0.75	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.50	3.05
3	KEY RESOURCE PERSON / MASTER TRAINERS TRAINING @ 40 PER DAY FOR 5 DAYS	0.20	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.55
4	AWARDS TO INSTRUCTORS (@ 3 INSTR. PER 100 CENTRE,@ Rs. 500 /INSTR.)		0.05	0.05	0.05	0.05	0.05	0.08	0.08	0.41
5	FIELD VISITS / STUDY TOURS									0.00
6	NFE PROJECT COST @ 42400 PER 100 CENTRES		1.28	1.28	1.28	1.28	1.28	2.12	2.12	10.64
7	ANY OTHER INOVATIVE PROGRAMME / ACTIVITIES	1.00	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	4.50
8	STRENGTHENING AND SUPPORTING ACTIVITIES IN DRUs AND OTHER RESOURCE CENTRES THROUGH MATERIALS DEVELOPMENT & TRAINING	5.00								5.00
	Sub Total :	6.95	24.92	24.92	24.92	24.92	24.92	40.95	41.15	213.65

S.No	C A T E G O R Y	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)								
E	M A H I L A S A M A K H Y A **********	S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
1	WORKSHOPS/MEETINGS/CONVENTIONS & OTHER M.S. RELATED ACTIVITIES	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	4.00
2	SUPPORT TO NGOs FOR M.S. RELATED ACTIVITIES	10.00								10.00
3	TRAINING MATERIALS FOR M.S.	2.00								2.00
4	ESTABLISHMENT OF MSKs	15.00								15.00
5	MONITORING & EVALUATION	1.00								1.00
	Sub Total :	28.50	0.50	0.50	0.50	0.50		0.50	0.50	32.00

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
F	EARLY CHILDHOOD CARE & EDUCATION									
I	PRE PRIMARY CENTRES @ Rs.13680.00 (REC) @ Rs. 7320.00 (NR)									0.00 0.00
2	WORKSHOPS / MEETINGS @ 5000 PER	0.50	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	0.25	2.25
3	FIELD VISITS / STUDY TOURS									0.00
4	AWARD FOR BEST CENTRES									0.00
5	STRENGTHENING OF EXISTING ICDS PROG. (TRG. & NETWORKING EXPNS.)		2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	3.00	3.00	16.00
6	SUPPORT FOR ESTABLISHING ECCE RESOURCE CENTRE	5.00								5.00
	Sub Total :	5.50	2.25	2.25	2.25	2.25	2.25	3.25	3.25	23.25

S.No	C A T E G O R Y	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)							
G.	CULTURE.COMMUNICATION & CONTINU--ING EDUCATION.	S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
1	ENVIRONMENT BUILDING FOR EFA/BEP SCHOOL CENTRED MOBILISATION PACK-AGE OF BALMELAS,PUPPET SHOWS,CUL-TURAL SHOWS,CELEBERATION OF IMPO-RTANT DAYS,COMPETITIONS (SPORTS/ CULTURAL PROGRAMMES,TABLEAUX, EXHIBITION etc.)		2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	5.00	17.00
2	a. IDENTIFICATION & TRAINING OF CULTURAL TROUPES/LOCAL ARTISTS b. UTILIZATION OF CULTURAL TROU-PES THROUGH WORKSHOPS,PROD. CAMPS		0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	1.00	4.00
3	PRODUCTION OF AV MATERIALS FOR MOTIVATION, EDUCATION, TRAINING									
	a. VIDEO FILMS									0.00
	b. AUDIO TAPES									0.00
	c. BANNERS/WALL WRITING		1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	1.00	7.00
	d. CINEMA SLIDE		0.20	0.20	0.20	0.20	0.25	0.30	0.50	1.75
4	ESTABLISHING COMMUNICATION CENTRE (PURCHASE OF BOOKS, PERIODICALS, AUDIO TAPES, VEDIO FILMS etc)									0.00
5	ESTABLISHMENT OF J.S.N.									0.00
6	DOCUMENTATION OF IMPORTANT BEP ACTIVITIES (VIDEO/AUDIO/PRINT)		0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	3.50
7	MONITORING & EVALUATION OF COMMU-NICATION ACTIVITIES									0.00
8	NGOs NETWORK & TRG. IEC SUPPORT, WORKSHOPS,SEMINARS,CONFRENCES		0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	3.50
	Sub Total :	0.00	4.70	4.70	4.70	4.70	4.75	4.70	8.50	36.75

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N P O R T H E Y E A R (1994-95)								
H	SUPPORT TO NGOs & INDIVIDUALS	S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
1	FELLOWSHIPS ON SUBJECTS RELATED TO BEP OBJECTIVES									0.00
2	SUPPORT TO NGOs FOR INNOVATIVE MICRO PROJECTS									0.00
3	WORKSHOPS WITH NGOs TO PROMOTE NET WORK OF VOLUNTARY AGENCIES	0.50	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	2.60
4	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (INTERNAL)	10.00								10.00
5	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (EXTERNAL)	15.00								15.00
	Sub Total :	25.50	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	0.30	27.60
I	NON RECURRING EXPENDITURE FOR PROGRAMME ACTIVITIES >>									
1	SOFTWARE DEVELOPMENT & PROCUREMENT FOR PROGRAMME MONITORING & OFFICE MANAGEMENT		0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	0.50	3.50
2	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE FURNITURE & FIXTURES		2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	14.00
3	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE EQUIPMENTS (TYPEWRITERS etc.)		3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00	21.00
4	EXPENDITURE ON A/C OF SUPP. ITEMS FROM UNICEF OTHER THAN ABOVE		2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	2.00	3.00	15.00
	Sub Total :	0.00	7.50	7.50	7.50	7.50	7.50	7.50	8.50	53.50
	G R A N D T O T A L :	70.05	64.25	60.59	60.59	60.59	61.84	81.42	90.71	550.04

BIHAR EDUCATION PROJECT COUNCIL

Major activities & PHYSICAL TARGET : For The Year

File : C:\LOTUS\PHY9495.WK1
Date of printing : 16/02/1994

S.No	C A T E G O R Y	PHYSICAL TARGET FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
B	PRIMARY FORMAL EDUCATION **********************************									
1	WORKSHOP ON UPE MICROPLANNING , SCHOOL MAPPING, VECs & MINIMUM LEVELS OF LEARNING TO INITIATE MICROPLANNING, RATIONALISATION OF TEACHER UNITS & AT Rs. 15000/- PER WORKSHOP FOR 40 PARTICIPANTS	4	10	8	5	15	4	6	4	[illegible]
2	COMPREHENSIVE BENCHMARK SURVEY FOR UPE & EFA (THROUGH MOBILISATION OF COMMUNITY VOLUNTEERS TEACHERS) @ Rs. 4000/- PER BLOCK	0	0	12	4	10	4	3	6	[illegible]
3	a. CONFERENCES WITH TEACHERS ORGN. TO STRENGTHEN PARTNERSHIP FOR EDUCATION FOR ALL	1	1	1	1	1	1	1	1	8
	b. WORKSHOPS FOR ENROLMENT DRIVE AND ALLIED ACTIVITIES FOR UPE	0	18	10	20	20	22	9	22	121
	c. REVITALISING THE EXISTING AND ESTABLISHING NEW VECS. .	0	756	166	166	133	288	70	133	1712
4	SUPPLY OF INNOVATIVE SCHOOL EQUIP AND INSTRUCTIONAL AIDS FOR QUALITATIVE IMPROVEMENT OF EDUCATION @ Rs. 10000/- PER SCHOOL	0	540	500	600	431	723	500	250	3544
5	SPORTS MATERIAL @ Rs. 1500/- PER SCHOOL	0	540	500	600	431	723	500	250	3544
6	PROMOTING ACCESS / PARTICIPATION OF 6-11 AGE GROUP CHILDREN BY PRO OF TEACHING/LERARNING MATERIALS (BOOKS , BAG , etc.) @ Rs. 55.00 PER CHILD		355000	163636	121818	186181	170763	391000	163636	1552034
7	ASHRAMSHALAS (UPGRADATION)	0	0	0	0	5	3	0	0	8

S.No	C A T E G O R Y	PHYSICAL TARGET FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
8	AWARD TO SCHOOLS	0	25	25	25	25	25	25	12	162
10	ESTABLISHMENT OF SCHOOL LIBRARIES Rs. 3000/- PER SCHOOL	0	540	500	600	431	723	500	250	3544
11	PROV. OF INFRASTRUCTURE FOR UPE									
	a. CONST. OF SCHOOL BUILDING	0	130 (35+95)	53	63	295 (125+170)	150	100	60	851
	b. REPAIR OF SCHOOL BUILDING	0	107	200	100	10	100	150	200	867
	c. SCHOOL AMMENITIES									
	i.LATRINE (@ 17500/ P.S.)	0	91	65	170	170	604	455	85	1660
	ii.DRINKING WATER @RS.5000 18000/HP AS PER ANNEXURE	0	29	600	640	400	200	300	100	2269
	d. SCHOOL FURN. @ Rs.5000/-PS	0	540	500	600	431	723	500	250	3544
12	SCHOOL HEALTH PROGRAMME									0
13	SCHOOL BASED ACTIVITIES									0
14	BLACK BOARD TO ALL SCHOOLS @ 300/- PER SCHOOL									0
15	AWARD TO TEACHERS @ 500/ PER TEA.	0	40	40	40	40	40	40	20	260
16	STUDY TOURS									0
17	ASSISTANCE TO HANDICAPPED CHILDRE									0
18	MLL(MONITORING,EVALN.,TESTING)	0	100	100	100	100	100	176	50	726
19	SHIKSHADATA SCHEME									0
20	ASSISTANCE TO BASIC SCHOOLS IN BEP DISTRICTS									0
21	UPE-2000 -PREPARATION OF PROJECT REPORT AND RELATED ACTIVITIES									0
	Sub Total :									

S.No	C A T E G O R Y	P H Y S I C A L T A R G E T F O R T H E Y E A R (1994-95)							
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T A L
C	T R A I N I N G								
1	IN-SERVICE TEACHER TRAINING(10+11 DAYS TWO PHASE OUTSIDE DIET)								
2	IN-SERVICE TEACHER TRAINING (11 DAYS 2nd COURSE OUTSIDE DIET)								
3	DISTRIBUTION OF TEACHING KITS		6790	4500	5000	2000	5000	5000	1250	29540
4	DIETS									
	i. STRENGTHENING & UPGRADATION									
	ii. MANAGEMENT EXPENSES									
	iii. PROGRAMME ACTIVITIES									
	a. INSET TRAINING		2545	1820	2885	479	2545	2380	1350	14004
	b. SHORT DURATION COURSES		20	20	20	20	20	20	20	140
	b. H.M.'s TRAINING		160	141	100	45	200	200	100	946
	c. EDU. OFFICERS TRG.		40	40	50		50	30	10	220
	d. SEMINAR / WORKSHOP		28	28	28	28	28	28	28	196
	iv. DISTRICT RESOURCE UNIT									0
	v. TEACHER CONTACT PROGRAMME									0
	a. MAGAZINE									
	b. MEETINGS (GURU GOSTHI)		12	12	12	12	12	12	12	84
5	H.M.'s TRAINING OUTSIDE DIET									0
6	EDU. OFFICERS TRG. OUTSIDE DIET									0
7	VEC FUNCTIONARIES TRAINING									
8	STUDY TOUR & TRG. OF TEACHERS / TRAINERS OUTSIDE BIHAR									
9	ROLLING FUND ASSIS. TO SCERT (TRG OF BEP. PERSONS IN NON BEP DISTS)									0
10	BEP FUNCTIONARIES TRAINING									
11	MIS TRAINING									0
12	WRITERS WORKSHOPS FOR LOCAL DIALECT DEVELOPMENT FOR LANGUAGE TEACHING AND CURRICULUM DEVELOPMENT INCLUDING FIELD TESTING @ Rs. 10,000/- PER WORKSHOP		5			5				10
13	ORIENTATION OF TEACHERS FOR IMPROVED SCIENCE AND MATH TEACHING									0

S.No	C A T E G O R Y	PHYSICAL TARGET FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
D	PRIMARY NON FORMAL EDUCATION									
1	a. NFE CENTRE COST FOR RUNNING OF OLD NFE CENTRE - (REC) @ 5979 PER CENTRE -	0	1000	1300	800	600	80	1100	100	4980
	b. FOR OPENING AND RUNNING OF NEW NFE CENTRE - (REC+NR) @ Rs. 1600 (NR) @ Rs. 5979 (REC)	0	900	1800	900	540	720	990	450	6300
	C. UPPER PRIMARY CENTRES (NEW) @ Rs. 1800 (NR) @ Rs.10894 (REC)	0	100	200	100	60	80	110	50	700
2	WORKSHED @ Rs. 15000	0	100	0	50	50	0	10	0	210
3	WORKSHOPS FOR DEFINING STRATEGIES STEPS, RELATED ACTIVITIES (@ Rs. 15000/- PER W.S.)	5	2	2	2	2	2	2	2	19
4	KEY RESOURCE PERSON / MASTER TRAINERS TRAINING @ 40 PER DAY FOR 5 DAYS	0	50 (11-40)	100 (20+80)	50 (10+40)	30 (6+24)	40 (8+32)	55 (11+44)	25 (5+20)	350
5	AWARDS TO INSTRUCTORS (@ 3 INSTR. PER 100 CENTRE, @ Rs. 500 /INSTR.)	0	60	99	54	36	45	66	18	369
6	FIELD VISITS / STUDY TOURS									
7	NFE PROJECT COST @ 42400 PER 100 CENTRES	0	20	33	18	12	9	22	6	120
8	ANY OTHER INOVATIVE PROGRAMME / ACTIVITIES									
9	STRENGTHENING AND SUPPORTING ACTIVITIES IN DRUs AND OTHER RESOURCE CENTRES THROUGH MATERIALS DEVELOPMENT & TRAINING		1	1	1	1	1	1	1	-

S.No	C A T E G O R Y	P H Y S I C A L T A R G E T F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
E	M A H I L A S A M A K H Y A									
1	ESTABLISHMENT COST OF M.S. COMPONENT IN THE BEP OFFICE (HONORARIUM,SALARIES,TA/DA etc.)									0
2	RENT, HIRE CHARGES etc. ON A/C OF THE PROGRAMME									0
3	TRAINING (ALL COSTS INCLUDED)									
	a. M.S.CORE TEAM	31								31
	b. SAHAYOGINIS		25	22	25	16	21	16	20	145
	c. SAKHIS		300	300	300	200	250	200	50	1600
	d. SAHELI		120	120	120	100	120	100	20	700
	e. TRAINERS	12								12
4	JAGJAGI KENDRA		120	120	120	100	120	100	20	46200
	NON RECURRING									0
	RECURRING									0
5	BALJAGJAGI KENDRA		15	13	15	15	12	12	8	5850
	NON RECURRING									0
	RECURRING									0
6	WORKSHOPS/MEETINGS/CONVENTIONS & OTHER M.S. RELATED ACTIVITIES									
7	STUDY TOUR etc.									
8	ESTB. OF MAHILA SHIKSHAN KENDRA	4	1	1	1	1	1	1	0	650
	a. NON RECURRING >>>									
	b. RECURRING >>>									
9	M.S. RESOURCE CENTRE	1	1	1	1	1	1	1	0	455
	a. RECURRING									
	b. NON RECURRING									
10	PUBLICATIONS / DOCUMENTATIONS									
11	ESTB. OF FIELD CENTRES									
	a. RECURRING									
	b. NON RECURRING									
12	MAHILA SAMAKHYA KUTIR		25	16	30	15	15	15		7540
13	SUPPORT TO NGOs FOR M.S. RELATED ACTIVITIES									
14	TRAINING MATERIALS FOR M.S.									
15	OTHER MS RELATED ACTIVITIES									
	a.SKILL DEVELOPMENT									
	b.INCOME GENERATION ACTIVITY									
	c.ANY OTHER ACTIVITY									
16	MONITORING & EVALUATION									

S.No	C A T E G O R Y	P H Y S I C A L T A R G E T F O R T H E Y E A R (1994-95)							
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
F	EARLY CHILDHOOD CARE & EDUCATION									0
	**********									0
1	PRE PRIMARY CENTRES		120							
	@ Rs.13680.00 (REC)									0
	@ Rs. 7320.00 (NR)									0
2	WORKSHOPS / MEETINGS @ 5000 PER		6	6	6	6	6	6	6	42
3	FIELD VISITS / STUDY TOURS									0
4	AWARD FOR BEST CENTRES									0
5	STRENGTHENING OF EXISTING ICDS PROG. (TRG. & NETWORKING EXPNS.)									0
6	SUPPORT FOR ESTABLISHING ECCE RESOURCE CENTRE									0

S.No	CATEGORY	PHYSICAL TARGET FOR THE YEAR 1994-[illegible]								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
G	CULTURE.COMMUNICATION & CONTINU--ING EDUCATION. ********************************									
1	ENVIRONMENT BUILDING FOR EFA/BEP SCHOOL CENTRED MOBILISATION PACKAGE OF BALMELAS,PUPPET SHOWS,CULTURAL SHOWS,CELEBERATION OF IMPORTANT DAYS,COMPETITIONS (SPORTS/CULTURAL PROGRAMMES,TABLEAUX, EXHIBITION etc.)									0
2	a. IDENTIFICATION & TRAINING OF CULTURAL TROUPES/LOCAL ARTISTS b. UTILIZATION OF CULTURAL TROUPES THROUGH WORKSHOPS,PROD. CAMPS									0
3	PRODUCTION OF AV MATERIALS FOR MOTIVATION, EDUCATION, TRAINING									
	a. VIDEO FILMS	35								35
	b. AUDIO TAPES	8	6	2	2	4	2	4	4	32
	c. POSTERS,STICKERS,BANNERS									0
	d. EXHIBITION KITS									0
	e. SLIDES / 16 mm ADVOCACY PUBLICITY FILMS	6								6
4	ESTABLISHING COMMUNICATION CENTRE (PURCHASE OF BOOKS, PERIODICALS, ADDIO TAPES, VEDIO FILMS etc)									0
5	PUBLICATIONS HOUSE JOURNAL/NEWS LETTER/PAMPHLETS/BOOKLETS etc.									0
6	NETWORKING WITH OTHER COMMUNICATION/MEDIA AGENCIES									
	a. PRESS									0
	b. AIR (SERIALS SPOTS,QUICKIES ON ON UPE FOCUS)	40								40
	c. DDK (GIRLS/DIS.ADV. SEC.)	13								13
	d. SONG & DRAMA DIVISION									0
	e. OTHERS									0
7	MOBILISING MEDIA SUPPORT AT DIST.	5	4	4	4	4	4	4	4	33
8	ESTABLISHMENT OF J.S.N.		14	14	14	14	14	14	14	98
9	DOCUMENTATION OF IMPORTANT BEP ACTIVITIES (VIDEO/AUDIO/PRINT)									0
10	MONITORING & EVALUATION OF COMMUNICATION ACTIVITIES									0
11	NGOs NETWORK & TRG. IEC SUPPORT, WORKSHOPS,SEMINARS,CONFRENCES									0
12	PREPARATION OF SOFTWARE FOR MOBILE VIDEO VAN									0

S.No	C A T E G O R Y	P H Y S I C A L T A R G E T F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L O	RANCHI	WEST CHAM	ROHTAS	J S R	SITAMARHI	MUZ'PUR	CHATRA	T O T A L
H	SUPPORT TO NGOs & INDIVIDUALS									
1	FELLOWSHIPS ON SUBJECTS RELATED TO BEP OBJECTIVES									0
2	SUPPORT TO NGOs FOR INNOVATIVE MICRO PROJECTS	55 (20+35)								55
3	WORKSHOPS WITH NGOs TO PROMOTE NET WORK OF VOLUNTARY AGENCIES	5	2	2	2	2	2	2	2	19
4	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (INTERNAL)									0
5	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME'COMPONENTS (EXTERNAL)									0
6	ASSISTANCE TO DRUs FOR SP.PROJS., FOR DRUS MEETINGS ETC.,	7								7
I	CONSULTANCIES AND STUDIES	25								25
J	STRENGTHENING OF STATE LEVEL INSTITUTIONS & ASSISTANCE TO DIRECTORATES/DEPT.									0
	i) DEPTARTMENT									0
	ii) PRIMARY EDN. DIRECTO									0
	iii) AE DIRECTORATE									0
	iv) SCERT									0
	v) SRC-NFE									0
	vi) DEEPAYATAN									0
K	NON RECURRING EXPENDITURE FOR PROGRAMME ACTIVITIES >>									
1	SOFTWARE DEVELOPMENT & PROCUREMENT FOR PROGRAMME MONITORING & OFFICE MANAGEMENT									0
2	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE FURNITURE & FIXTURES									0
3	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE EQUIPMENTS (TYPEWRITERS etc.)									0
4	EXPENDITURE ON A/C OF SUPP. ITEMS FROM UNICEF OTHER THAN ABOVE									0

BIHAR EDUCATION PROJECT COUNCIL

Major activities & Tentative Budget Estimate : For The Year 1994-95

File >> C:\LOTUS\NPHY9495.WK1
Date of printing : 16/02/1994

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
A	PRIMARY FORMAL EDUCATION *********************************									
1	WORKSHOP ON UPE MICROPLANNING , SCHOOL MAPPING, VECs & MINIMUM LEVELS OF LEARNING TO INITIATE MICROPLANNING, RATIONALISATION OF TEACHER UNITS & AT Rs. 15000/- PER WORKSHOP FOR 40 PARTICIPANTS	7	8	8	8	8	8	8	8	63
2	COMPREHENSIVE BENCHMARK SURVEY FOR UPE & EFA (THROUGH MOBILISATION OF COMMUNITY VOLUNTEERS TEACHERS) @ Rs. 4000/- PER BLOCK		4	4	4	4	4	4	4	28
3	a. CONFERENCES WITH TEACHERS ORGN. TO STRENGTHEN PARTNERSHIP FOR EDUCATION FOR ALL		2	2	2	2	2	2	2	14
	b. WORKSHOPS/PARENT TEACHER MEETING FOR ENROLMENT DRIVE AND ALLIED ACTIVITIES FOR UPE		40	40	40	40	40	40	40	280
	c. REVITALISING THE EXISTING AND ESTABLISHING NEW VECS. TRG. OF VEC MEMBERS (NON. RES.)	2	100	100	100	100	100	100	100	702
4	PROMOTING ACCESS / PARTICIPATION OF 6-11 AGE GROUP CHILDREN BY PRO OF TEACHING/LERARNING MATERIALS (BOOKS , BAG , etc.) @ Rs. 55.00 PER CHILD	0	60000	60000	60000	60000	60000	60000	60000	420000
5	JUTE MAT		100	100	100	100	100	100	100	700
6	SCHOOL BASED ACTIVITIES									
7	AWARD TO TEACHERS @ 500/ PER TEA.									

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)							
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
C	T R A I N I N G									
1	IN-SERVICE TEACHER TRAINING(10+11 DAYS TWO PHASE OUTSIDE DIET)			350	350	350	350			1400
2	IN-SERVICE TEACHER TRAINING (11 DAYS 2nd COURSE OUTSIDE DIET)									0
3	DISTRIBUTION OF TEACHING KITS									0
4	DIETS									
	i. STRENGTHENING & UPGRADATION									0
	ii. MANAGEMENT EXPENSES		0							0
	iii. PROGRAMME ACTIVITIES									
	a. INSET TRAINING		350					350	2	702
	b. SHORT DURATION COURSES		0					0	0	0
	b. H.M.'s TRAINING		50					50	0	100
	c. EDU. OFFICERS TRG.		30					40	1	71
	d. SEMINAR / WORKSHOP		2					2	0	4
	iv. DISTRICT RESOURCE UNIT		0							0
	v. TEACHER CONTACT PROGRAMME									0
	a. MAGAZINE									0
	b. MEETINGS (GURU GOSTHI)		12	12	12	12	12	12	12	84
5	H.M.'s TRAINING OUTSIDE DIET			0	0	0	0			0
6	EDU. OFFICERS TRG. OUTSIDE DIET			0	0	0	0			1
7	VEC FUNCTIONARIES TRAINING		0	0	0	0	0	0	0	1
8	STUDY TOUR & TRG. OF TEACHERS / TRAINERS OUTSIDE BIHAR									0
9	ROLLING FUND ASSIS. TO SCERT (TRG OF RES. PERSONS IN NON BEP DISTS)									0
10	BEP FUNCTIONARIES TRAINING		0	0	0	0	0	0	0	2
11	MIS TRAINING		0	0	0	0	0	0	0	2
12	WRITERS WORKSHOPS FOR LOCAL DIALECT DEVELOPMENT FOR LANGUAGE TEACHING AND CURRICULUM DEVELOPMENT INCLUDING FIELD TESTING @ Rs. 10,000/- PER WORKSHOP									0
13	ORIENTATION OF TEACHERS FOR IMPROVED SCIENCE AND MATH TEACHING		0	0	0	0	0	0	0	0

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
D	PRIMARY NON FORMAL EDUCATION **********									
1	OPENING AND RUNNING OF NEW NFE CENTRE - (REC-NR) @ Rs. 1600 (NR) @ Rs. 5979 (REC)		300	300	300	300	300	500	500	2500 0
2	WORKSHOPS FOR DEFINING STRATEGIES STEPS, RELATED ACTIVITIES (@ Rs. 15000/- PER W.S.)	5	2	2	2	2	2	2	4	21
3	KEY RESOURCE PERSON / MASTER TRAINERS TRAINING @ 40 PER DAY FOR 5 DAYS	35	15	15	15	15	15	15	15	140
4	AWARDS TO INSTRUCTORS (@ 3 INSTR. PER 100 CENTRE,@ Rs. 500 /INSTR.)		9	9	9	9	9	9	9	63
5	FIELD VISITS STUDY TOURS									0
6	NFE PROJECT COST @ 42400 PER 100 CENTRES		3	3	3	3	3	5	5	25
7	ANY OTHER INOVATIVE PROGRAMME / ACTIVITIES	0	0	0	0	0	0	0	0	0
8	STRENGTHENING AND SUPPORTING ACTIVITIES IN DRUs AND OTHER RESOURCE CENTRES THROUGH MATERIALS DEVELOPMENT & TRAINING	5								5

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
E	M A H I L A S A M A K H Y A	S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
1	ESTABLISHMENT COST OF M.S. COMPONENT IN THE BEP OFFICE (HONORARIUM,SALARIES,TA/DA etc.)	1	1	1	1	1	1	1	1	5
2	RENT, HIRE CHARGES etc. ON A/C OF THE PROGRAMME		0	0	0	0	0	0	0	1
3	TRAINING (ALL COSTS INCLUDED)									
	a. M.S.CORE TEAM		0	0	0	0	0	0	0	2
	b. SAHAYOGINIS		0	0	0	0	0	0	0	3
	c. SAKHIS		1	1	1	1	1	1	1	4
	d. SAHELI		0	0	0	0	0	0	0	1
	e. TRAINERS									0
4	JAGJAGI KENDRA									
	NON RECURRING		0	0	0	0	0	0	0	1
	RECURRING		1	1	1	1	1	1	1	5
5	BALJAGJAGI KENDRA									
	NON RECURRING		0	0	0	0	0	0	0	1
	RECURRING		1	1	1	1	1	1	1	5
6	WORKSHOPS/MEETINGS/CONVENTIONS & OTHER M.S. RELATED ACTIVITIES	1	0	0	0	0	0	0	0	1
7	SUPPORT TO NGOs FOR M.S. RELATED ACTIVITIES	5								5
8	TRAINING MATERIALS FOR M.S.	1								1
9	OTHER MS RELATED ACTIVITIES									
	a.SKILL DEVELOPMENT									0
	b.INCOME GENERATION ACTIVITY									0
	c.ANY OTHER ACTIVITY									0
10	MONITORING & EVALUATION	1								1

S.No	C A T E G O R Y	B U D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)								
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
F	EARLY CHILDHOOD CARE & EDUCATION									
1	PRE PRIMARY CENTRES @ Rs.13680.00 (REC) @ Rs. 7320.00 (NR)									0 0
2	WORKSHOPS / MEETINGS @ 5000 PER	1	0	0	0	0	0	0	0	2
3	FIELD VISITS / STUDY TOURS									0
4	AWARD FOR BEST CENTRES									0
5	STRENGTHENING OF EXISTING ICDS PROG. (TRG. & NETWORKING EXPNS.)		2	2	2	2	2	3	3	16
6	SUPPORT FOR ESTABLISHING ECCE RESOURCE CENTRE	5								5

S.No	C A T E G O R Y	B D D G E T E S T I M A T I O N F O R T H E Y E A R (1994-95)							
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
G	CULTURE.COMMUNICATION & CONTINU--ING EDUCATION.									
1	ENVIRONMENT BUILDING FOR EFA/BEP SCHOOL CENTRED MOBILISATION PACK-AGE OF BALMELAS,PUPPET SHOWS,CUL-TURAL SHOWS,CELEBERATION OF IMPO-RTANT DAYS,COMPETITIONS (SPORTS/ CULTURAL PROGRAMMES,TABLEAUX, EXHIBITION etc.)									0
2	a. IDENTIFICATION & TRAINING OF CULTURAL TROUPES/LOCAL ARTISTS b. UTILIZATION OF CULTURAL TROU-PES THROUGH WORKSHOPS,PROD. CAMPS									0
3	PRODUCTION OF AV MATERIALS FOR MOTIVATION, EDUCATION, TRAINING									
	a. VIDEO FILMS									0
	b. AUDIO TAPES									0
	c. BANNERS/WALL WRITING		1	1	1	1	1	1	1	7
	d. CINEMA SLIDE		0	0	0	0	0	0	1	2
4	ESTABLISHING COMMUNICATION CENTRE (PURCHASE OF BOOKS, PERIODICALS, AUDIO TAPES, VEDIO FILMS etc)									0
5	PUBLICATIONS HOUSE JOURNAL/NEWS LETTER/ PAMPHLETS/BOOKLETS etc.		1	1	1	1	1	1	1	7
6	NETWORKING WITH OTHER COMMUNICAT-ION/MEDIA AGENCIES									
	a. PRESS									0
	b. AIR (SERIALS SPOTS,QUICKI-ES ON UPE FOCUS)								2	2
	c. DDK .....do.....									0
	d. SONG & DRAMA DIVISION / FIELD PUBLICITY									0
	e. OTHERS									0
7	MOBILISING MEDIA SUPPORT		1	1	1	1	1	1	1	7
8	ESTABLISHMENT OF J.S.N.									0
9	DOCUMENTATION OF IMPORTANT BEP ACTIVITIES (VIDEO/AUDIO/PRINT)		1	1	1	1	1	1	1	4
10	MONITORING & EVALUATION OF COMMU-NICATION ACTIVITIES									0
11	NGOs NETWORK & TRG. IEC SUPPORT, WORKSHOPS,SEMINARS,CONFRENCES									0
12	PREPARATION OF SOFTWARE FOR MOBI-LE VIDEO VAN						1	1	1	3

S.No	C A T E G O R Y	BUDGET ESTIMATION FOR THE YEAR (1994-95)								
		S L O	KATIHAR	GOPALGANJ	GODDA	SAHEBGANJ	DARBHANGA	PALAMU	PATNA	T O T A L
H	SUPPORT TO NGOs & INDIVIDUALS									
1	FELLOWSHIPS ON SUBJECTS RELATED TO BEP OBJECTIVES									0
2	SUPPORT TO NGOs FOR INNOVATIVE MICRO PROJECTS									0
3	WORKSHOPS WITH NGOs TO PROMOTE NET WORK OF VOLUNTARY AGENCIES	1	0	0	0	0	0	0	0	3
4	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (INTERNAL)	10								10
5	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (EXTERNAL)	15								15
6	ASSISTANCE TO DRUs FOR SP.PROJS., FOR DRUS MEETINGS ETC.,	5								5
I	CONSULTANCIES AND STUDIES	5								5
J	STRENGTHENING OF STATE LEVEL INSTITUTIONS & ASSISTANCE TO DIRECTORATES/DEPT.									0
	i) DEPTARTMENT									0
	ii) PRIMARY EDN. DIRECTORATE									0
	iii) AE DIRECTORATE									0
	iv) SCERT									0
	v) SRC-NFE									0
	vi) DEEPAYATAN									0
K	NON RECURRING EXPENDITURE FOR PROGRAMME ACTIVITIES >>									
1	SOFTWARE DEVELOPMENT & PROCUREMENT FOR PROGRAMME MONITORING & OFFICE MANAGEMENT		1	1	1	1	1	1	1	4
2	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE FURNITURE & FIXTURES		1	1	1	1	1	1	1	4
3	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE EQUIPMENTS (TYPEWRITERS etc.)		2	2	2	2	2	2	2	14
4	EXPENDITURE ON A/C OF SUPP. ITEMS FROM UNICEF OTHER THAN ABOVE									0

TABLE NO : 001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : PATNA

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	3102	4244	7346
UNTRAINED TEACHERS	352	481	833
FEMALE TEACHERS	759	1322	2081
TEACHERS SCHEDULED CASTE	481	442	923
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	54	2	56
TOTAL STUDENT	178820	181914	360734
STUDENTS UPTO VI CLASS	178820	127007	305827
STUDENTS BETWEEN VI & VIII	0	54907	54907
FEMALE STUDENTS	72555	70005	142560
SCHEDULED CASTE	34103	26127	60230
SCHEDULED TRIBE	125	64	189
WITHOUT BUILDING	361	97	458
HAVING ONE ROOM PUCCA	379	46	425
HAVING TWO ROOM PUCCA	328	79	407
WHERE ROOF LEAKS	452	179	631
WHERE DAMAGED	168	124	292
HAVING LAVARATORY	0	45	45
HAVING DRINKING WATER (WELL)	12	20	32
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	0	70	70
HAVING PLAYGROUND	82	118	200
HAVING GARDEN	4	9	13
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	621	266	887
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	15	9	24
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	2	9	11
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	0	2	2
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	2	5	7

TABLE NO :-005

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : PATNA

NO. OF STUDENTS	: PRIMARY SCHOOL	: SECONDARY SCHOOL	: TOTAL
LESS THAN 50	: 281	: 15	: 296
50 -- 100	: 807	: 29	: 836
100 -- 200	: 641	: 187	: 828
200 -- 300	: 64	: 193	: 257
300 -- 400	: 20	: 113	: 133
400 -- 500	: 5	: 55	: 60
MORE THAN 500	: 6	: 50	: 56
TOTAL	: 1824	: 642	: 2466

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 218

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : PATNA

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	1461	485	1946
NO. OF MEETING	1390	460	1850
NO. OF INSPECTION	1225	437	1662

EDUCATION GROUP, NIC BSL

TABLE NO. 4.003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : PATNA

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	507	76	583
1	284	15	299
2	601	17	618
3-5	334	124	458
6-10	31	317	348
11-20	6	91	97
MORE THAN 20	1	2	3
TOTAL	1824	642	2466

EDUCATION GROUP, NIEPA

TABLE NO : 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT/TEACHER RATIO

STRICT : PATNA

STUDENT/TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	54	41	95
10 -- 20	112	68	180
20 -- 30	230	103	333
30 -- 40	220	111	331
40 -- 50	191	82	273
50 -- 60	140	42	182
60 -- 70	94	37	131
70 -- 80	83	23	106
MORE THAN 80	700	135	835
TOTAL	1824	642	2466

TABLE NO : 001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : PALAMU (DALTENGANJ)

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2771	1914	4685
UNTRAINED TEACHERS	300	289	589
FEMALE TEACHERS	438	341	779
TEACHERS SCHEDULED CASTE	795	206	1001
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	483	266	749
TOTAL STUDENT	109726	82404	192130
STUDENTS I TO V CLASS	109726	54169	163895
STUDENTS BETWEEN VI & VIII	0	28235	28235
FEMALE STUDENTS	41098	27066	68164
SCHEDULED CASTE	28353	14240	42793
SCHEDULED TRIBE	21574	10327	31901
WITHOUT BUILDING	281	64	345
HAVING ONE ROOM PUCCA	111	8	119
HAVING TWO ROOM PUCCA	455	73	528
WHERE ROOF LEAKS	359	139	498
WHERE DAMAGED	31	48	79
HAVING LAVATORY	0	46	46
HAVING DRINKING WATER (WELL)	20	35	55
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	1	124	125
HAVING PLAYGROUND	334	148	482
HAVING GARDEN	41	36	77
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	554	170	724
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	416	136	552
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	26	20	46
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	0	0	0
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	84	39	123

TABLE NO : C03

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : PALAMU (DALTENGANJ)

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	367	11	378
50 --- 100	621	39	660
100 --- 200	268	124	392
200 --- 300	25	97	120
300 --- 400	5	36	41
400 --- 500	0	29	29
MORE THAN 500	3	15	18
TOTAL	1287	351	1638

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT/TEACHER RATIO

DISTRICT : PALAMU (DALTENGANJ)

STUDENT/TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	81	17	98
10 -- 20	119	36	155
20 -- 30	226	66	292
30 -- 40	259	52	311
40 -- 50	170	40	210
50 -- 60	106	36	142
60 -- 70	73	23	96
70 -- 80	41	10	51
MORE THAN 80	212	71	283
TOTAL	1287	351	1638

TABLE NO : 007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : PALAMU (DALTENGANJ)

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	147	31	178
1	322	28	350
2	551	19	570
3-5	225	103	328
6-10	17	139	156
11-20	19	31	50
MORE THAN 20	6	0	6
TOTAL	1287	351	1638

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 016

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : PALAMU (DALTENGANJ)

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	1050	270	1320
NO. OF MEETING	978	244	1222
NO. OF INSPECTION	836	152	988

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : SAHEBGANJ

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	1986	919	2905
UNTRAINED TEACHERS	703	180	883
FEMALE TEACHERS	413	222	635
TEACHERS SCHEDULED CASTE	153	41	194
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	743	197	940
TOTAL STUDENT	75055	37929	112984
STUDENTS UPTO V CLASS	75055	27376	102431
STUDENTS BETWEEN VI & VIII	0	10553	10553
FEMALE STUDENTS	28123	11675	39798
SCHEDULED CASTE	6317	3543	9860
SCHEDULED TRIBE	34092	9567	43659
WITHOUT BUILDING	308	7	315
HAVING ONE ROOM PUCCA	264	11	275
HAVING TWO ROOM PUCCA	283	30	313
WHERE ROOF LEAKS	63	16	79
WHERE DAMAGED	30	19	49
HAVING LAVARATORY	0	28	28
HAVING DRINKING WATER (WELL)	23	20	43
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	2	38	40
HAVING PLAYGROUND	28	20	48
HAVING GARDEN	7	5	12
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	223	63	286
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	113	30	143
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	4	13	17
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	1	1	2
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	7	7	14

EDUCATION GROUP, NIC [illegible]

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : SAHEBGANJ

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	395	6	401
50 -- 100	573	7	580
100 -- 200	142	64	206
200 -- 300	15	54	69
300 -- 400	1	14	15
400 -- 500	0	3	3
MORE THAN 500	1	13	14
TOTAL	1127	161	1288

TABLE NO : 304

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT/TEACHER RATIO

DISTRICT : SAHEBGANJ

STUDENT/TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	48	7	55
10 -- 20	136	18	154
20 -- 30	232	27	259
30 -- 40	224	32	256
40 -- 50	158	18	176
50 -- 60	101	8	109
60 -- 70	71	7	78
70 -- 80	37	3	40
MORE THAN 80	140	41	181
TOTAL	1127	161	1288

TABLE NO : 007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : SAHEBGANJ

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	77	31	108
1	379	3	382
2	402	8	485
3-5	134	34	218
6-10	4	72	76
11-20	1	15	16
MORE THAN 20	0	0	0
TOTAL	1127	161	1288

TABLE NO : [illegible]18

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : SAHEBGANJ

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	885	104	989
NO. OF MEETING	859	98	957
NO. OF INSPECTION	799	81	880

EDUCATION GROUP / NIC-EDU

TABLE NO : 001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : DARBHANGA

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2451	2105	4556
UNTRAINED TEACHERS	172	114	286
FEMALE TEACHERS	399	427	826
TEACHERS SCHEDULED CASTE	275	152	427
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	4	1	5
TOTAL STUDENT	163059	12722	275781
STUDENTS UPTO V CLASS	163059	74660	237725
STUDENTS BETWEEN VI & VIII	0	38056	38056
FEMALE STUDENTS	51178	34673	85851
SCHEDULED CASTE	28650	16159	44809
SCHEDULED TRIBE	24	16	40
WITHOUT BUILDING	166	19	185
HAVING ONE ROOM PUCCA	278	34	312
HAVING TWO ROOM PUCCA	279	65	344
WHERE ROOF LEAKS	315	107	422
WHERE DAMAGED	129	80	209
HAVING LAVARATORY	0	39	39
HAVING DRINKING WATER (WELL)	4	3	7
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	0	110	110
HAVING PLAYGROUND	373	137	510
HAVING GARDEN	45	36	81
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	456	152	608
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	24	20	44
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	23	27	50
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	2	8	10
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	9	24	33

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : DARBHANGA

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	23	0	23
50 -- 100	344	2	346
100 -- 200	628	54	682
200 -- 300	158	87	245
300 -- 400	21	13	34
400 -- 500	6	39	45
MORE THAN 500	1	61	62
TOTAL	1181	306	1487

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT/TEACHER RATIO

DISTRICT : DARBHANGA

STUDENT/TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	5	0	5
10 -- 20	18	12	30
20 -- 30	74	40	114
30 -- 40	148	55	203
40 -- 50	170	48	218
50 -- 60	143	32	175
60 -- 70	114	37	151
70 -- 80	102	16	118
MORE THAN 80	407	67	474
TOTAL	1181	307	1488

EDUCATION GROUP, NIC, ESU

TABLE NO. : 007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : DARBHANGA

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	145	24	169
1	184	5	189
2	524	8	532
3-5	308	71	379
6-10	20	157	177
11-20	0	42	42
MORE THAN 20	0	0	0
TOTAL	1181	307	1488

EDUCATION GROUP, NIC ESU

TABLE NO. : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : DAREHANGA

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	905	284	1189
NO. OF MEETING	897	278	1175
NO. OF INSPECTION	979	254	1233

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO [illegible]

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : Sitamarhi

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2385	[illegible]	[illegible]
UNTRAINED TEACHERS	112	[illegible]	[illegible]
FEMALE TEACHERS	[illegible]	[illegible]	[illegible]
TEACHERS SCHEDULED CASTE	[illegible]	[illegible]	[illegible]
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	3	[illegible]	[illegible]
TOTAL STUDENT	129762	88919	[illegible]
STUDENTS UPTO V CLASS	129762	64743	194505
STUDENTS BETWEEN VI - VIII	0	24166	[illegible]
FEMALE STUDENTS	40453	25148	[illegible]
SCHEDULED CASTE	17386	10137	27523
SCHEDULED TRIBE	201	59	260
WITHOUT BUILDING	236	7	243
HAVING ONE ROOM PUCCA	49	7	56
HAVING TWO ROOM PUCCA	393	83	476
WHERE ROOF LEAKS	75	30	[illegible]
WHERE DAMAGED	135	[illegible]	[illegible]
HAVING LAVARATORY	[illegible]	[illegible]	[illegible]
HAVING DRINKING WATER (WELL)	16	[illegible]	[illegible]
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	[illegible]	[illegible]	[illegible]
HAVING PLAYGROUND	607	209	[illegible]
HAVING GARDEN	41	44	[illegible]
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	513	202	[illegible]
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	3	7	10
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	4	41	45
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	4	15	19
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	76	49	125

Education Group. NIC BSU

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : Sitamarhi

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	88	5	93
50 — 100	477	8	485
100 — 200	478	70	548
200 — 300	88	108	198
300 — 400	13	65	78
400 — 500	2	33	35
MORE THAN 500	1	20	21
TOTAL	1147	311	1458

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T- .04

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT-TEACHER RATIO

DISTRICT : Sitamarhi

STUDENT-TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	27	6	33
10 — 20	20	18	38
20 — 30	103	57	160
30 — 40	209	65	274
40 — 50	194	45	239
50 — 60	148	42	190
60 — 70	110	15	125
70 — 80	72	8	80
MORE THAN 80	264	56	320
TOTAL	1147	312	1459

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-[illegible]

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : Sitamarhi

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	147	51	198
1	149	4	153
2	580	7	587
3-5	274	39	313
6-10	15	177	192
11-20	2	34	36
MORE THAN 20	0	0	0
TOTAL	1147	312	1459

Education Group. NIC BSL

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : Sitamarhi

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	802	279	1081
NO. OF MEETING	770	243	1013
NO. OF INSPECTION	658	158	815

TABLE NO : 001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : GODDA

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2048	1302	3350
UNTRAINED TEACHERS	164	55	219
FEMALE TEACHERS	399	173	572
TEACHERS SCHEDULED CASTE	200	51	251
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	261	119	380
TOTAL STUDENT	77227	44897	122124
STUDENTS UPTO V CLASS	77227	30046	107273
STUDENTS BETWEEN VI & VIII	0	14851	14851
FEMALE STUDENTS	29316	13961	43277
SCHEDULED CASTE	7647	4492	12139
SCHEDULED TRIBE	25739	9552	35291
WITHOUT BUILDING	153	12	165
HAVING ONE ROOM PUCCA	148	9	157
HAVING TWO ROOM PUCCA	331	41	372
WHERE ROOF LEAKS	47	65	112
WHERE DAMAGED	19	24	43
HAVING LAVARATORY	0	16	16
HAVING DRINKING WATER (WELL)	36	17	53
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	0	14	14
HAVING PLAYGROUND	7	18	25
HAVING GARDEN	11	6	17
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	189	71	260
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	224	66	290
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	15	9	24
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	1	3	4
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	10	7	17

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : GODDA

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	194	7	201
50 -- 100	574	20	594
100 -- 200	215	84	299
200 -- 300	17	62	79
300 -- 400	1	21	22
400 -- 500	0	4	4
MORE THAN 500	1	5	6
TOTAL	1002	203	1205

TABLE NO : 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT/TEACHER RATIO

DISTRICT : GODDA

STUDENT/TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	78	19	97
10 -- 20	74	33	107
20 -- 30	178	61	239
30 -- 40	172	28	200
40 -- 50	139	14	153
50 -- 60	72	11	83
60 -- 70	61	7	68
70 -- 80	33	2	35
MORE THAN 80	177	34	211
TOTAL	1002	203	1205

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : GODDA

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	105	15	120
1	253	10	263
2	370	14	384
3-5	255	32	288
6-10	12	116	128
11-20	4	16	20
MORE THAN 20	2	0	2
TOTAL	1002	203	1205

EDUCATION GROUP, NIC-BSU

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : GODDA,

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	879	185	1064
NO. OF MEETING	873	188	1061
NO. OF INSPECTION	828	140	968

EDUCATION GROUP, NEO BSU

TABLE NO : T-001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : KATIHAR

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2445	1387	3832
UNTRAINED TEACHERS	434	68	502
FEMALE TEACHERS	378	307	685
TEACHERS - SCHEDULED CASTE	208	84	292
TEACHERS - SCHEDULED TRIBE	251	35	286
TOTAL STUDENT	95468	58547	154015
STUDENTS UPTO V CLASS	95341	40935	136276
STUDENTS BETWEEN VI & VIII	127	17612	17739
FEMALE STUDENTS	31117	18898	50015
SCHEDULED CASTE	11493	6640	18133
SCHEDULED TRIBE	7229	3666	10895
WITHOUT BUILDING	67	2	69
HAVING ONE ROOM PUCCA	322	26	348
HAVING TWO ROOM PUCCA	226	38	264
WHERE ROOF LEAKS	40	20	60
WHERE DAMAGED	80	70	150
HAVING LAVARATORY	0	45	45
HAVING DRINKING WATER (WELL)	7	11	18
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	0	90	90
HAVING PLAYGROUND	472	106	578
HAVING GARDEN	48	34	82
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	347	127	474
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	198	79	277
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	21	27	48
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	1	1	2
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	53	35	88

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : KATIHAR

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	116	1	117
50 -- 100	421	7	428
100 -- 200	369	57	426
200 -- 300	33	78	111
300 -- 400	5	39	44
400 -- 500	1	14	15
MORE THAN 500	1	19	20
TOTAL	966	195	1161

TABLE NO : 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT/TEACHER RATIO

DISTRICT : KATIHAR

STUDENT/TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	77	3	80
10 -- 20	34	10	44
20 -- 30	125	39	164
30 -- 40	200	38	238
40 -- 50	198	36	234
50 -- 60	122	19	141
60 -- 70	65	10	75
70 -- 80	42	5	47
MORE THAN 80	105	34	139
TOTAL	968	194	1162

TABLE NO. : T-007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : KATIHAR

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	30	21	51
1	122	10	132
2	470	3	473
3-5	310	26	336
6-10	28	106	134
11-20	5	25	30
MORE THAN 20	3	3	6
TOTAL	968	194	1162

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : KATIHAR

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	936	188	1124
NO. OF MEETING	915	182	1097
NO. OF INSPECTION	873	169	1042

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : GOPALGANJ

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2460	1316	3776
UNTRAINED TEACHERS	74	19	93
FEMALE TEACHERS	493	135	628
TEACHERS SCHEDULED CASTE	258	87	345
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	12	7	19
TOTAL STUDENT	122543	61686	184229
STUDENTS UPTO V CLASS	122543	40879	163422
STUDENTS BETWEEN VI & VIII	0	20807	20807
FEMALE STUDENTS	40730	18124	58854
SCHEDULED CASTE	15662	6969	22631
SCHEDULED TRIBE	2912	1249	4161
WITHOUT BUILDING	124	12	136
HAVING ONE ROOM PUCCA	142	15	157
HAVING TWO ROOM PUCCA	335	49	384
WHERE ROOF LEAKS	73	18	91
WHERE DAMAGED	94	56	150
HAVING LAVARATORY	0	8	8
HAVING DRINKING WATER (WELL)	7	2	9
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	0	5	5
HAVING PLAYGROUND	487	129	616
HAVING GARDEN	50	12	62
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	506	128	634
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	69	25	94
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	4	17	21
SCHOLARSHIP FOR MERIT-STUDENTS	2	0	2
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	16	10	26

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NOS. OF STUDENTS

DISTRICT : GOPALGANJ

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	26	3	29
50 -- 100	276	1	277
100 -- 200	529	42	571
200 -- 300	100	65	165
300 -- 400	9	44	53
400 -- 500	2	18	20
MORE THAN 500	0	21	21
TOTAL	942	194	1136

EDUCATION GROUP, NIC, ESU

TABLE NO : 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT/TEACHER RATIO

DISTRICT : GOPALGANJ

STUDENT/TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	4	3	7
10 -- 20	11	9	20
20 -- 30	67	23	90
30 -- 40	157	41	198
40 -- 50	258	44	302
50 -- 60	185	27	212
60 -- 70	99	18	117
70 -- 80	64	17	81
MORE THAN 80	96	11	107
TOTAL	941	193	1134

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : GOPALGANJ

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	4	1	5
1	80	3	83
2	460	8	468
5-5	381	45	426
6-10	16	115	131
11-20	0	20	20
MORE THAN 20	0	1	1
TOTAL	941	193	1134

EDUCATION GROUP, NIC BSU

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : GOPALGANJ

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	920	186	1106
NO. OF MEETING	910	183	1093
NO. OF INSPECTION	902	174	1076

EDUCATION GROUP, NIC,BSU

TABLE NO : T-[illegible]

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : Chatra

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	511	50[illegible]	[illegible]
UNTRAINED TEACHERS	72	48	120
FEMALE TEACHERS	56	82	138
TEACHERS SCHEDULED CASTE	114	53	167
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	43	38	81
TOTAL STUDENT	31207	23475	54682
STUDENTS UPTO V CLASS	31207	16566	47773
STUDENTS BETWEEN VI - VIII	0	6909	6909
FEMALE STUDENTS	9682	7636	17318
SCHEDULED CASTE	7682	3884	11566
SCHEDULED TRIBE	2347	979	3326
WITHOUT BUILDING	92	5	97
HAVING ONE ROOM PUCCA	43	14	57
HAVING TWO ROOM PUCCA	151	26	177
WHERE ROOF LEAKS	61	36	97
WHERE DAMAGED	8	13	21
HAVING LAVARATORY	0	7	7
HAVING DRINKING WATER (WELL)	5	11	16
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	0	30	30
HAVING PLAYGROUND	50	24	74
HAVING GARDEN	14	6	20
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	249	79	328
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	65	34	99
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	2	5	7
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	0	0	0
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	6	11	17

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : Chatra

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	81	1	82
50 — 100	211	6	217
100 — 200	102	22	124
200 — 300	3	31	34
300 — 400	0	12	12
400 — 500	0	9	9
MORE THAN 500	0	6	6
TOTAL	397	87	484

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T- 304

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT TEACHER RATIO

DISTRICT : Chatra

STUDENT-TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	18	2	20
10 — 20	8	2	10
20 — 30	38	8	46
30 — 40	62	18	80
40 — 50	70	21	91
50 — 60	57	16	73
60 — 70	44	6	50
70 — 80	38	6	44
MORE THAN 80	62	8	70
TOTAL	397	87	484

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : Chatra

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	31	2	33
1	178	2	180
2	139	5	144
3-5	49	32	81
6-10	0	42	42
11-20	0	4	4
MORE THAN 20	0	0	0
TOTAL	397	87	484

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : Chatra

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	350	82	432
NO. OF MEETING	344	82	426
NO. OF INSPECTION	265	67	332

Education Group, NIC BSU

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : Ranchi

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2877	3302	6179
UNTRAINED TEACHERS	292	367	659
FEMALE TEACHERS	769	1210	1979
TEACHERS SCHEDULED CASTE	111	166	277
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	1412	1452	2864
TOTAL STUDENT	93942	130453	224395
STUDENTS UPTO V CLASS	93942	99333	193275
STUDENTS BETWEEN VI - VIII	0	31120	31120
FEMALE STUDENTS	38799	49265	88064
SCHEDULED CASTE	8795	8281	17076
SCHEDULED TRIBE	45891	46161	92052
WITHOUT BUILDING	145	22	167
HAVING ONE ROOM PUCCA	92	3	95
HAVING TWO ROOM PUCCA	805	125	930
WHERE ROOF LEAKS	483	208	691
WHERE DAMAGED	61	81	142
HAVING LAVARATORY	2	69	71
HAVING DRINKING WATER (WELL)	55	74	129
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	10	116	126
HAVING PLAYGROUND	205	178	383
HAVING GARDEN	49	38	87
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	285	216	501
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	745	295	1040
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	2	23	25
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	0	7	7
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	17	31	48

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : Ranchi

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	503	70	573
50 — 100	547	22	569
100 — 200	253	93	346
200 — 300	35	107	142
300 — 400	5	69	74
400 — 500	0	39	39
MORE THAN 500	3	59	62
TOTAL	1346	459	1805

Education Group, NIC BSU

TABLE NO T- 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT-TEACHER RATIO

DISTRICT : Ranchi

STUDENT-TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	284	75	359
10 — 20	109	33	142
20 — 30	221	57	278
30 — 40	245	86	331
40 — 50	170	62	232
50 — 60	91	42	133
60 — 70	61	17	78
70 — 80	40	10	50
MORE THAN 80	145	77	222
TOTAL	1346	459	1805

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : Ranchi

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	78	39	117
1	307	15	322
2	617	7	624
3–5	319	120	439
6–10	20	203	223
11–20	3	64	67
MORE THAN 20	2	11	13
TOTAL	1346	459	1805

Education Group, NIC BS

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : Ranchi

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	1042	350	1392
NO. OF MEETING	1072	312	1384
NO. OF INSPECTION	751	257	1008

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : Muzaffarpur

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	3761	3241	7002
UNTRAINED TEACHERS	192	118	310
FEMALE TEACHERS	983	930	1913
TEACHERS SCHEDULED CASTE	361	219	580
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	24	1	25
TOTAL STUDENT	199573	146045	345618
STUDENTS UPTO V CLASS	199573	107336	306909
STUDENTS BETWEEN VI - VIII	0	38709	38709
FEMALE STUDENTS	70843	48932	119775
SCHEDULED CASTE	40073	23708	63781
SCHEDULED TRIBE	437	163	600
WITHOUT BUILDING	189	41	230
HAVING ONE ROOM PUCCA	122	28	150
HAVING TWO ROOM PUCCA	477	55	532
WHERE ROOF LEAKS	689	272	961
WHERE DAMAGED	119	108	227
HAVING LAVARATORY	0	157	157
HAVING DRINKING WATER (WELL)	91	100	191
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	2	270	272
HAVING PLAYGROUND	708	250	958
HAVING GARDEN	36	50	86
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	788	329	1117
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	6	5	11
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	5	21	26
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	0	0	0
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	52	46	98

Education Group. NIC BSU

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : Muzaffarpur

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	58	7	65
50 — 100	476	21	497
100 — 200	759	51	810
200 — 300	177	115	292
300 — 400	29	123	152
400 — 500	8	48	56
MORE THAN 500	3	62	65
TOTAL	1510	427	1937

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T- 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT-TEACHER RATIO

DISTRICT : Muzaffarpur

STUDENT-TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	16	16	32
10 — 20	26	19	45
20 — 30	86	46	132
30 — 40	263	92	355
40 — 50	339	104	443
50 — 60	227	57	284
60 — 70	165	36	201
70 — 80	135	21	156
MORE THAN 80	251	35	286
TOTAL	1508	426	1934

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : Muzaffarpur

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	3	9	12
1	171	3	174
2	815	6	[illegible]
3-5	485	76	561
6-10	33	234	267
11-20	1	68	69
MORE THAN 20	0	0	0
TOTAL	1508	426	[illegible]

Education Group, NIC [illegible]

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : Muzaffarpur

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	1338	387	1712
NO. OF MEETING	1287	378	1665
NO. OF INSPECTION	1201	325	1526

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : Rohtas

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2089	1216	3305
UNTRAINED TEACHERS	77	49	126
FEMALE TEACHERS	440	214	654
TEACHERS SCHEDULED CASTE	281	117	398
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	26	17	43
TOTAL STUDENT	99499	53109	152608
STUDENTS UPTO V CLASS	99499	34750	134249
STUDENTS BETWEEN VI - VIII	0	18359	18359
FEMALE STUDENTS	39606	19382	58988
SCHEDULED CASTE	20659	8970	29629
SCHEDULED TRIBE	1585	309	1894
WITHOUT BUILDING	367	45	412
HAVING ONE ROOM PUCCA	293	30	323
HAVING TWO ROOM PUCCA	241	16	257
WHERE ROOF LEAKS	98	9	107
WHERE DAMAGED	111	65	176
HAVING LAVARATORY	0	25	25
HAVING DRINKING WATER (WELL)	30	17	47
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	1	47	48
HAVING PLAYGROUND	75	42	117
HAVING GARDEN	10	7	17
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	296	76	372
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	37	9	46
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	3	8	11
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	0	0	0
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	43	10	53

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : Rohtas

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	157	11	168
50 — 100	487	6	493
100 — 200	362	32	394
200 — 300	33	62	95
300 — 400	10	22	32
400 — 500	2	19	21
MORE THAN 500	0	25	25
TOTAL	1051	177	1228

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T- 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT-TEACHER RATIO

DISTRICT : Rohtas

STUDENT-TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	64	12	76
10 — 20	26	8	34
20 — 30	108	17	125
30 — 40	183	39	222
40 — 50	200	37	237
50 — 60	161	27	188
60 — 70	84	7	91
70 — 80	76	7	83
MORE THAN 80	149	23	172
TOTAL	1051	177	1228

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : Rohtas

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	40	5	45
1	270	1	271
2	525	3	528
3-5	204	51	255
6-10	12	95	107
11-20	0	22	22
MORE THAN 20	0	0	0
TOTAL	1051	177	1228

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : Rohtas

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	875	148	1023
NO. OF MEETING	794	130	924
NO. OF INSPECTION	526	120	628

Education Group, NIC BSU

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : Singhbhum East

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	1902	1981	3883
UNTRAINED TEACHERS	206	184	390
FEMALE TEACHERS	285	557	842
TEACHERS SCHEDULED CASTE	107	80	187
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	644	448	1092
TOTAL STUDENT	74304	63911	138215
STUDENTS UPTO V CLASS	74304	43839	118143
STUDENTS BETWEEN VI - VIII	0	20072	20072
FEMALE STUDENTS	31921	27066	58987
SCHEDULED CASTE	4890	5809	10499
SCHEDULED TRIBE	39485	17212	56697
WITHOUT BUILDING	69	15	84
HAVING ONE ROOM PUCCA	34	6	40
HAVING TWO ROOM PUCCA	523	50	573
WHERE ROOF LEAKS	302	80	382
WHERE DAMAGED	23	34	57
HAVING LAVARATORY	0	48	48
HAVING DRINKING WATER (WELL)	23	41	64
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	2	83	85
HAVING PLAYGROUND	177	90	267
HAVING GARDEN	183	53	236
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	222	110	332
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	464	151	615
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	31	12	43
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	6	5	11
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	82	23	105

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : Singhbhum East

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	198	12	210
50 — 100	478	23	501
100 — 200	208	69	277
200 — 300	19	64	83
300 — 400	3	22	25
400 — 500	1	21	22
MORE THAN 500	0	24	24
TOTAL	907	235	1142

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T- 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT-TEACHER RATIO

DISTRICT : Singhbhum East

STUDENT-TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	21	19	40
10 — 20	57	33	90
20 — 30	197	54	251
30 — 40	195	56	251
40 — 50	155	39	194
50 — 60	108	21	129
60 — 70	59	2	61
70 — 80	33	5	38
MORE THAN 80	82	6	88
TOTAL	907	235	1142

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-007

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : Singhbhum East

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO.	TOTAL
NO TEACHER	20	1	21
1	236	2	238
2	428	1	429
3-5	213	52	265
6-10	7	129	136
11-20	2	45	47
MORE THAN 20	1	5	6
TOTAL	907	235	1142

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : Singhbhum East

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	813	191	1004
NO. OF MEETING	784	192	976
NO. OF INSPECTION	699	153	852

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T-001

FIGURES AT A GLANCE

DISTRICT : West Champaran

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
TOTAL TEACHERS	2912	1616	4528
UNTRAINED TEACHERS	240	91	331
FEMALE TEACHERS	435	394	829
TEACHERS SCHEDULED CASTE	408	137	545
TEACHERS SCHEDULED TRIBE	61	17	78
TOTAL STUDENT	140333	60228	200561
STUDENTS UPTO V CLASS	140333	41573	181906
STUDENTS BETWEEN VI - VIII	0	18655	18655
FEMALE STUDENTS	40756	14917	55673
SCHEDULED CASTE	24233	8237	32470
SCHEDULED TRIBE	6219	1802	8021
WITHOUT BUILDING	161	21	182
HAVING ONE ROOM PUCCA	193	13	206
HAVING TWO ROOM PUCCA	390	51	441
WHERE ROOF LEAKS	494	115	609
WHERE DAMAGED	104	33	137
HAVING LAVARATORY	0	74	74
HAVING DRINKING WATER (WELL)	28	16	44
HAVING DRINKING WATER (H.P.)	0	103	103
HAVING PLAYGROUND	330	84	414
HAVING GARDEN	34	18	52
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED CASTE	766	155	921
SCHOLARSHIP FOR SCHEDULED TRIBE	45	15	60
SCHOLARSHIP FOR RURAL STUDENTS	1	10	11
SCHOLARSHIP FOR MERIT STUDENTS	1	5	6
SCHOLARSHIP FOR OTHER STUDENTS	46	18	64

TABLE NO : 018

MISCELLANEOUS INFORMATION

DISTRICT : West Champaran

	PRIMARY SCHOOL	MIDDLE SCHOOL	TOTAL
HAVING VILLAGE COMMITTEE	1136	188	1324
NO. OF MEETING	1111	177	1288
NO. OF INSPECTION	924	148	1072

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T- 004

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO STUDENT-TEACHER RATIO

DISTRICT : West Champaran

STUDENT-TEACHER RATIO	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 10	39	8	47
10 — 20	34	20	54
20 — 30	151	52	203
30 — 40	234	43	277
40 — 50	254	41	295
50 — 60	160	16	176
60 — 70	102	8	110
70 — 80	65	7	72
MORE THAN 80	220	16	236
TOTAL	1259	211	1470

Education Group, NIC BSU

TABLE NO : T- 37

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF TEACHERS

DISTRICT : West Champaran

NO. OF TEACHERS	PRIMARY SCHOOL NO.	MIDDLE SCHOOL NO	TOTAL
NO TEACHER	50	3	53
1	201	3	204
2	590	3	593
3-5	393	51	444
6-10	18	109	127
11-20	5	41	46
MORE THAN 20	0	1	1
TOTAL	1259	211	1470

Education Group, NCT BSC

TABLE NO : 003

SPREAD UP OF SCHOOLS ACCORDING TO NO. OF STUDENTS

DISTRICT : West Champaran

NO. OF STUDENTS	PRIMARY SCHOOL	SECONDARY SCHOOL	TOTAL
LESS THAN 50	95	2	97
50 — 100	508	13	521
100 — 200	564	55	619
200 — 300	77	69	146
300 — 400	12	36	48
400 — 500	6	11	17
MORE THAN 500	2	20	22
TOTAL	1264	206	1470

Education Group, NIC BSU

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration,
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-8264
Date 5-10-92